डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सप्ताह प्रकाशित, अंक-तारीख 23.01.2023 से 29.01.2023 • वर्ष-40 • अंक-04 • मूल्य-₹ 0.00

मध्यप्रदेश में एक लाख रुपये होगा जिला पंचायत अध्यक्षों का मानदेय - मुख्यमंत्री

पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से जनता की सेवा का नया कीर्तिमान बनायेगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में जिला पंचायत अध्यक्षों के संघ के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

राज्य शासन द्वारा जिला पंचायत अध्यक्षों को राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है। पद के अनुसार प्रोटोकॉल के विधिवत् पालन के लिए सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए जाएंगे। जिला पंचायत अध्यक्षों के मानदेय और वाहन भत्ता आदि की राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये किया जाएगा। राष्ट्रीय पर्वों पर जहां मंत्री नहीं जाएंगे वहां जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रदेश के जिला पंचायत अध्यक्षों के संघ के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

भोपाल, पांच फरवरी से प्रदेश में आरंभ हो रही विकास यात्रा, राज्य के नव-निर्माण और विकास को नई गति तथा विश्वास प्रदान करेगी। जिला पंचायत अध्यक्षों सहित सभी पंचायत प्रतिनिधि विकास और जन-कल्याण के इस अभियान में सहभागी हैं। हम प्रदेश की प्रगति और जनता की सेवा के लिए समर्पित हैं और जिला पंचायत अध्यक्ष जन-कल्याण के इस अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया, अध्यक्ष जिला पंचायत सागर श्री हीरा सिंह राजपूत, अध्यक्ष जिला पंचायत पन्ना श्रीमती मीनाराज परमार सहित विभिन्न जिलों के जिला पंचायत अध्यक्ष उपस्थित थे।

जिला पंचायत अध्यक्षों से हर तीन माह में करेंगे संवाद

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन-कल्याण की योजनाओं और विकास कार्यों के क्रियान्वयन में जिला पंचायत अध्यक्ष सशक्त माध्यम हैं, वे प्रदेश में विकास के कार्यों को भागीरथ बनकर आगे बढ़ाएं। विकास गतिविधियों की प्रभावी मॉनीटरिंग और गुणवत्ता पर सतत् नजर रखना आवश्यक है। हमारा प्रयास है कि राज्य शासन के कार्यों से जन-सामान्य में उत्साह, आनंद और सकारात्मकता का भाव विकसित हो। पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग और सक्रियता से राज्य सरकार जनता की सेवा और विकास का नया कीर्तिमान बनाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों तथा जन-कल्याण की गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष, सांसद, विधायक, जनपद अध्यक्ष तथा सरपंच के मध्य परस्पर समन्वय आवश्यक है। राज्य में पंचायत राज संस्थाओं को अधिक सशक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्षों के साथ हर तीन माह में संवाद की व्यवस्था स्थापित की जाएगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष संघ द्वारा उठाए गए बिन्दुओं पर होगा विचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष संघ द्वारा उठाए गए बिन्दुओं, जिला पंचायत क्षेत्र में आने वाले विभागों में पदस्थ तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के स्थानांतरण, स्वेच्छा विकास निधि, निर्माण कार्यों के अनुमोदन तथा 15वें वित्त आयोग एवं अन्य मदों की राशि में वृद्धि के संबंध में विचार कर निर्णय लिया जाएगा।

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना चयन परीक्षा के नतीजे घोषित

भोपाल, राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) चयन परीक्षा 2022-23 का परीक्षा परिणाम राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा घोषित कर दिया गया है। इस परीक्षा में शामिल विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर www.education portal.mp.in पर देख सकते हैं। इस पोर्टल पर चयनित विद्यार्थियों की श्रेणीवार सूची भी अपलोड की गई है।

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) चयन परीक्षा 6 नवम्बर 2022 को आयोजित की गई थी। चयन परीक्षा के लिए प्रदेश भर से 2 लाख 74 हजार 22 विद्यार्थी दर्ज हुए थे और 2 लाख 52 हजार 401 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से मध्यप्रदेश के लिए तय कोटे के अनुसार 6,446 विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए अंतिम रूप से चयनित हुए हैं।

चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये छात्रवृत्ति प्राप्त होगी। परीक्षा में शासकीय/शासकीय अनुदान प्राप्त/स्थानीय निकायों द्वारा संचालित विद्यालयों में कक्षा आठवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल होते हैं।

- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

आई.ए.एस. सर्विस मीट

जन-कल्याण का सशक्त माध्यम है भारतीय प्रशासनिक सेवा - मुख्यमंत्री

भोपाल, भारतीय प्रशासनिक सेवा, व्यक्ति को समाज, देश और प्रदेश के विकास तथा जन-कल्याण का अवसर प्रदान करती है। यहां हमें अपने विज़न से विकास और सेवा का अवसर मिलता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे पारदर्शी, तकनीकी समझ से परिपूर्ण, सृजनशील दृष्टिकोण से युक्त, कल्पनाशील और नवाचारी हों। यह भी आवश्यक है कि वे सक्रिय, विनम्र, व्यावसायिक रूप से दक्ष, प्रगतिशील, सक्षम और ऊर्जावान रहें। इन सब के साथ यह भी आवश्यक है कि अधिकारी संवेदनशील हों। यह बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित प्रशासन अकादमी में आई.ए.एस. सर्विस मीट-2023 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

आप मेरी टीम नहीं, परिवार के सदस्य हैं

मुख्यमंत्री ने आई.ए.एस. ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सर्विस मीट को संबोधित करते हुए कहा कि आप मेरी टीम नहीं, परिवार के सदस्य हैं। हम सब एक मिशन और लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं। हमने कोविड के कठिन काल में जिन चुनौतियों और कठिनाइयों में कार्य किया, वह अकल्पनीय है। कई अधिकारियों ने कोविड प्रभावित होने के बाद भी व्यवस्थाएं संभालीं और जन-सहयोग से नवाचार और परिश्रम की पराकाष्ठा के साथ प्रदेश को कोविड क्राइसिस से मुक्त करने का मार्ग प्रशस्त किया।

अद्भुत रही प्रदेश की विकास यात्रा

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की विकास यात्रा अद्भुत रही है। हम बीमारू राज्य थे, पर अब पर केपिटा इनकम, जीएसडीपी, राजस्व संकलन, सिंचाई क्षमता के विस्तार, गेहूं उत्पादन और सौर ऊर्जा में हमने अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। सुशासन के क्षेत्र में प्रदेश, देश में सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में उभरा है। कोरोनाकाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए अधोसंरचना, अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार, स्वास्थ्य, शिक्षा पर केन्द्रित करते हुए बनाए गए रोडमैप पर राज्य सरकार निरंतर अग्रसर है। सी.एम. राइज स्कूल, अस्पतालों की बेहतर होती स्थिति प्रदेश के विकास को दर्शाते हैं। इंदौर में हुए प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ने प्रदेश की सकारात्मक छवि को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है। इंदौर में जनता को जोड़कर की गई व्यवस्था, होम स्टे की सुविधा, छप्पन दुकान और सराफा में हुई आवभगत परिवार की भावना के विस्तार का अद्भुत उदाहरण रहा।

मुख्यमंत्री ने सराहे कलेक्टर्स के नवाचार और संवेदनशील कार्य

मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर्स द्वारा किए जा रहे नवाचार और संवेदनशील कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा प्रयास निरंतर यह हो कि हम और बेहतर कैसे करें। मुख्यमंत्री ने इंदौर में जन-सुनवाई में आई दिव्यांग महिला को उपलब्ध कराई गई ट्रायसिकल, बड़वानी में कुष्ठ रोगियों के लिए की गई आवास व्यवस्था, मंडला में एडीप एन आंगनवाड़ी में हुए कार्य, डिण्डौरी में जन-सेवा में सक्रियता, सीहोर में विद्यार्थियों के लिए स्मार्ट क्लास और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि कलेक्टर अपने जिलों में अपने स्तर पर नवाचार कर रहे हैं।

इन्वेस्टर्स समिट में मिले निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, इंदौर में 11-12 जनवरी को हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सही अर्थों में ग्लोबल थी। समिट में 84 देशों के प्रतिनिधि और विजनेस लीडर्स आए। पूरी दुनिया अब मध्यप्रदेश को जानने लगी है। पहली बार बड़े स्तर पर निवेशकों की निवेश की इच्छाएं सामने आईं। समिट से जुड़े अधिकारी भी मध्यप्रदेश को प्रस्तुत करने में सफल रहे। समिट में आए निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए ठोस रणनीति अपनाकर क्रियान्वयन का कार्य किया जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में प्राप्त निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के संबंध में मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सातवीं समिट थी। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी दिन-रात मेहनत की। ये सभी बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के पूर्व तीन दिन प्रवासी भारतीय भी एकत्र हुए थे। अनेक प्रवासी भारतीय समिट में भी शामिल हुए। इन सभी की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। यूरोपियन यूनियन, आसियान और इंडिया-अफ्रीका ट्रेड कांसिल जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी शामिल हुए। दो देशों के राष्ट्रपति और अनेक देशों के राजदूत भी आए। समग्र रूप से देखें तो यह समिट सफलतम् रही। मध्यप्रदेश में अधिक निवेश आए इसके लिए समिट से निर्मित उत्साहजनक वातावरण का पूरा लाभ लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्लग एंड प्ले सुविधा, नोटिफाइड एरिया में कार्यों को बिना अनुमति करने और तीन साल तक कोई निरीक्षण न किए जाने के फैसलों के विधिवत् आदेश जारी किए जाएं। साथ ही पृथक विंडो के रूप में एक पोर्टल कार्य करे, इसकी व्यवस्था भी की जाए। श्री चौहान ने कहा कि प्रति सोमवार निवेशकों से उनकी भेंट की व्यवस्था जारी रहेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश

पीएम स्वनिधि योजना में देश में प्रथम है

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि मध्यप्रदेश द्वारा 6 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना से स्व-रोज़गार, स्व-रोज़गार से स्वावलंबन एवं स्वावलंबन से स्वाभिमान के पथ पर अग्रसर किया गया है। मध्यप्रदेश योजना में प्रथम और द्वितीय चरण के क्रियान्वयन में देश में प्रथम है।

केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा योजना के प्रथम चरण में प्रदेश को 5 लाख 20 हजार पथ विक्रेताओं को 31 मार्च 2023 तक लाभ देने का लक्ष्य दिया गया था। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष की समाप्ति 31 मार्च के ढाई माह पूर्व जनवरी में ही लक्ष्य को प्राप्त करते हुए 5 लाख 20 हजार 187 पथ विक्रेताओं को 10-10 हजार रुपये की ब्याज मुक्त कार्यशील ऋण पूंजी प्रदान कर दी गयी है। यह राशि शहरी क्षेत्र के पथ विक्रेताओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से बैंक खाते में अंतरित की गयी है।

योजना के द्वितीय चरण में बैंकों द्वारा एक लाख 57 हजार 158 आवेदन स्वीकृत किये गये हैं। इनमें से 1 लाख 23 हजार 261 आवेदकों को 20-20 हजार रुपये उनके बैंक खातों में अंतरित किये जा चुके हैं। तृतीय चरण में बैंकों द्वारा 5 हजार 281 आवेदन स्वीकृत किये गये हैं।

14 जनवरी

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से होगा शुरू

● संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। यह सत्र 6 अप्रैल तक चलेगा। सत्र

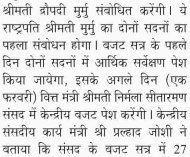

की शुरुआत लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र से होगी। इस सत्र को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु संबोधित करेंगी। ये राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का दोनों सदनों का पहला संबोधन होगा। बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जायेगा, इसके अगले दिन (एक फरवरी) वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण संसद में केन्द्रीय बजट पेश करेंगी। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि संसद के बजट सत्र में 27 बैठकें होंगी। बजट सत्र के दौरान 14 फरवरी से 12 मार्च तक अवकाश रहेगा, ताकि विभाग और संबंधित संसदीय स्थायी समितियां अनुदान मांगों की जांच कर सकें और अपने मंत्रालयों से संबंधित रिपोर्ट तैयार कर सकें।

● नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेस ने नीट पीजी 2023 के लिये पात्रता के उद्देश्य से इंटर्नशिप पूरा करने की कटऑफ तारीख में संशोधन किया है। पहले इंटर्नशिप के लिये कटऑफ तारीख 31 मार्च 2023 थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 जून 2023 कर दिया गया है। नई तारीख घोषित होने से 12 से अधिक राज्यों के विद्यार्थी नीट पीजी के लिये पात्र हो गये हैं। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेस ने कहा कि मेडिकल स्नातकोत्तर कोर्स में प्रवेश लेने के इच्छुक कुछ उम्मीदवार और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन काफी समय से इंटर्नशिप पूरा करने की कटऑफ डेट बढ़ाने की मांग कर रहे थे, इसे ध्यान में रखते हुये केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एमबीबीएएस इंटर्नशिप कटऑफ डेट 30 जून तक बढ़ाई है।

15 जनवरी

आईआईटी गुवाहाटी ने जेईई एडवांस्ड के लिये जारी किया एफएक्यू

● देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड के लिये

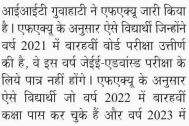

आईआईटी गुवाहाटी ने एफएक्यू जारी किया है। एफएक्यू के अनुसार ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने वर्ष 2021 में बारहवीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे इस वर्ष जेईई-एडवांस परीक्षा के लिये पात्र नहीं होंगे। एफएक्यू के अनुसार ऐसे विद्यार्थी जो वर्ष 2022 में बारहवीं कक्षा पास कर चुके हैं और वर्ष 2023 में बारहवीं कक्षा की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, वे ही इस परीक्षा के पात्र होंगे। इसके अलावा ऐसे विद्यार्थी जिनके बारहवीं परीक्षा में 75 प्रतिशत या टॉप-20 पर्सन्टाइल से कम हैं, इन छात्रों को 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिये एक या एक से अधिक विषयों में इम्प्रूवमेंट परीक्षा देनी होगी। उल्लेखनीय है कि गत दो वर्षों में विद्यार्थियों को जेईई-एडवांस्ड परीक्षा देने के अतिरिक्त मौके मिले थे, जिसे अब खत्म किया गया है। इस वर्ष जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का आयोजन आईआईटी गुवाहाटी द्वारा किया जा रहा है।

● देश में अब तक दिव्यांगजनों के लिये 88 लाख से अधिक विशिष्ट दिव्यांगजन पहचान-पत्र जारी किये जा चुके हैं। एक आधिकारिक जानकारी के अनुसार दिव्यांगजनों के लिये विशिष्ट पहचान-पत्र को यूडीआईडी नाम से जाना जाता है। दिव्यांगजनों के लिये विशिष्ट पहचान पत्र योजना, उनके लिये एक राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार करने और प्रत्येक दिव्यांगजन को एक यूडीआईडी कार्ड जारी करने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। केन्द्र सरकार के अनुसार अब तक 88 लाख 18 हजार 452 यूडीआईडी कार्ड जारी किये जा चुके हैं। यह योजना देशभर के सभी राज्यों में लागू है। इस कार्ड में दिव्यांगजनों की सभी आवश्यक जानकारी दर्ज होगी।

16 जनवरी

आत्मनिर्भरता के साथ सेना को आधुनिक बनाने का लक्ष्य-सेना प्रमुख

● सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सेना दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित

करते हुये कहा कि आत्मनिर्भरता के माध्यम से सेना को आधुनिक बनाना हमारा नया लक्ष्य है। सेना प्रमुख ने सीमा पर चुनौतियों के बारे में कहा कि उत्तरी सीमाओं पर हालात सामान्य हैं। एलएसी पर हमने अपनी मजबूत स्थिति बनाई और चीन की ओर से किसी भी हमले से निपटने के लिये पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने क्षमता विकास, बल संरचना, प्रशिक्षण में सुधार के लिये कदम उठाये हैं और भविष्य के युद्धों के लिये अपनी तैयारियों को मजबूत किया है।

● ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी ब्राजीलिया में आठ जनवरी को हुये उपद्रव के मामले में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो की भूमिका की जांच करने की मंजूरी दी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार जस्टिस एलेक्जेंडर डी मोरेस ने महाभियोजक कार्यालय की अपील को मंजूरी दी है। महाभियोजक कार्यालय ने बोल्सोनारो पर आरोप लगाया है कि उनके उकसावे पर ब्राजीलिया में वहे पैमाने पर हिंसा और तोड़-फोड़ हुई थी। हिंसा के दौरान बोल्सोनारो के समर्थक संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट में घुस गये थे। महाभियोजक कार्यालय ने बोल्सोनारो की ओर से फेसबुक पर पोस्ट किये गये एक वीडियो का हवाला भी दिया है। वीडियो में दावा किया गया था कि लुईज इनासियो लूला डिसिल्वा को मतदान के माध्यम से नहीं बल्कि सुप्रीम कोर्ट और चुनाव प्राधिकरण की ओर से राष्ट्रपति चुना गया है।

17 जनवरी

सरकार ने संशोधित किये 128 दवाओं के दाम

● दवाओं की कीमतों पर नजर रखने वाली सरकारी नियामक राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 12 नई दवा फॉर्मूलेशन के दाम तय किये हैं, इसके अलावा 128 दवाओं की कीमतें भी संशोधित की हैं। इनमें एमोक्सिसीलीन और क्लेवुलेनिक एसिड के एंटीबायोटिक इन्जेक्शन, वैकोमाइसिन, दमा के रोग में इस्तेमाल होने वाली दवा सैल्बुटेमोल, कैंसर की दवा ट्रैस्टुजुमैब, दर्द निवारक दवा आइबूप्रोफेन और बुखार में दी जाने वाली दवा पैरासिटामॉल शामिल है। एनपीपीए ने जिन 12 नई दवा फॉर्मूलेशन के दाम तय किये हैं, उनमें मेटफॉर्मिवन हाइड्रोक्लोराइड और क्लोरोफिनमाइडन आदि शामिल हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन के अनुसार सरकार की ओर से जिन दवा फॉर्मूलेशन के दाम तथा 128 दवाओं की कीमतें संशोधित की गई हैं, उन्हें बनाने वाली सभी कंपनियों को तय कीमत पर ही अपने उत्पाद को बेचना होगा।

● केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय बजट से ठीक पहले जारी होने वाले सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों को जारी करने की तारीखों में बदलाव किया है। पहले ये आंकड़े बजट के पहले जारी होते थे, लेकिन अब ये आंकड़े बजट पेश होने के बाद जारी किये जायेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार का मानना है कि आंकड़ों की स्पष्टता के लिये यह बदलाव जरूरी है। साथ ही सरकार ने बजट 2023-24 से पहले किसी भी भ्रम से बचने के लिये यह बदलाव किया है। उल्लेखनीय है कि सरकार पहले जीडीपी, राष्ट्रीय आय, बचत, पूंजी निर्माण के साथ खपत और अन्य आंकड़े 31 जनवरी को जारी करती थी, लेकिन अब इसे बजट के बाद फरवरी माह के अंतिम दिनों में जारी किया जायेगा।

18 जनवरी

भारत में बिजनेस वीजा देने के काम में तेजी लायेगा अमेरिका

● अमेरिका अपने देश में भारतीय पेशेवरों की संख्या बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। इस संबंध में अमेरिका ने कहा कि भारत में बिजनेस वीजा जारी करने के काम में तेजी लाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भारत में इस प्रक्रिया को रफ्तार देने के लिये अमेरिका अपने दूतावास में कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रहा है। अमेरिका के वाणिज्य सहायक उपमंत्री अरुण वेंकटरमन ने बताया कि व्यापार के मोर्चे पर देखा जाये तो हमने वर्ष 2022 में वर्ष 2019 यानी कोरोना महामारी के पूर्व की स्थिति में अधिक एच-1बी और एल वीजा जारी किये हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन ने ग्रीन कार्ड आवेदकों की अहम श्रेणियों और कुछ वीजा श्रेणियों में प्रीमियम प्रक्रिया को विस्तार देने की योजना जारी की है। वेंकटरमन ने कहा कि हम दूतावास में वीजा जारी करने की सुविधायें बढ़ायेंगे।

● केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कहा कि डिजिटलीकरण से भारत में स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा या मेडिकल की पहुंच के क्षेत्रों को बड़ा प्रोत्साहन मिल रहा है। श्री मांडविया ने डिजीटलीकरण को भ्रष्टाचार के खिलाफ सुरक्षा कवच बताया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारतीय नागरिकों के मेडिकल रिकॉर्ड को डिजिटल करने से उनकी जानकारी चोरी होने का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार 'हील इन इंडिया' पहल के जरिये चिकित्सा पर्यटन को संस्थागत रूप दे रही है।

19 जनवरी

यूक्रेन में हेलीकॉप्टर हादसे में गृह मंत्री सहित 17 लोगों की मृत्यु

● युद्ध की विभीषिका झेल रहे यूक्रेन में एक बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा हो गया। इस हादसे में यूक्रेन के गृह मंत्री डेनीज मोनास्त्रिको और उच्च अधिकारियों सहित करीब 17 लोगों की मृत्यु हो गई। यह हादसा राजधानी कीव के बाहरी इलाके में हुआ। इस दुर्घटना में कई लोग घायल हुये हैं, इनमें बच्चे भी शामिल हैं। कीव पुलिस प्रशासन के अनुसार यह दुर्घटना उस समय हुई जब कोहरे में डूबे शहर के हेलीपैड के पास हेलीकॉप्टर बढ़ रहा था। अभी हादसे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हेलीकॉप्टर कीव के बाहरी इलाके ब्रोवरी में गिरा। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस हादसे पर दुःख जताते हुये इसे भयंकर हादसा बताया है। उन्होंने हादसे की जांच के आदेश दे दिये हैं। इसी बीच यूक्रेन की वायुसेना ने हेलीकॉप्टर पर किसी भी तरह के हमले की आशंका को खारिज कर दिया है।

● केन्द्र सरकार वर्ष 2024 के आम चुनाव के लिये अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की खरीदी करेगी। सरकार ने इसके लिये 1300 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। केन्द्रीय कानून मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस वर्ष होने वाले विधानसभा और अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों को देखते हुये अतिरिक्त ईवीएम की खरीदी का प्रस्ताव केन्द्रीय कैबिनेट में पेश किया गया था। ये मशीनें भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ऑफ इंडिया और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से मंगवाई जायेंगी। ये ईवीएम वर्तमान में उपयोग हो रही ईवीएम की तरह ही होंगी।

20 जनवरी

भारतीय सेना में कर्नल पद पर पदोन्नत होंगी महिला अधिकारी

● सेना में महिलाओं को बराबरी का अवसर देने की बड़ी पहल के तहत भारतीय सेना ने महिला अधिकारियों को कर्नल पद पर पदोन्नत करने का फैसला किया है। सेना ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पद पर कार्यरत 108 महिला सैन्य अफसरों को कर्नल रैंक में पदोन्नत किया जायेगा। प्रमोशन पाने वाली सभी महिला सैन्य अधिकारियों को सेना इसी महीने कमान असाइनमेंट पर तैनाती का आदेश जारी कर देगी। सेना में महिला अधिकारियों को उनके पूरक समकक्षों के बराबर लाने के लिये विशेष चयन बोर्ड की प्रक्रिया 9 जनवरी से शुरू की गई है। सेना के अनुसार वर्ष 1992 से 2006 के बैच तक विभिन्न शस्त्र और सेवा इंजीनियर, सिग्नल, खुफिया कोर, सेवा कोर, आयुध कोर, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियर कोर में 108 कर्नल पर रिक्त हैं। इसके लिये 244 महिला अधिकारी दावेदार हैं, इनमें से 108 महिला अधिकारियों को पदोन्नति मिलेगी।

● चीन की ओर से संभावित युद्ध के खतरे को देखते हुये ताइवान ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। ताइवान अब महिलाओं को रिजर्व फोर्स में शामिल कर पुरुषों की तरह मिलिट्री ट्रेनिंग देने जा रहा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जो महिलायें रिजर्व फोर्स में शामिल होना चाहती हैं, वो स्वेच्छा से ट्रेनिंग के लिये रजिस्ट्रेशन करा सकती हैं। मंत्रालय के अनुसार वह इस वर्ष की दूसरी तिमाही से 220 महिला सैनिकों को ट्रेनिंग देगा। इसके अलावा ताइवान ने वर्ष 2024 से पुरुषों के लिये अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि को चार महीने से बढ़ाकर एक वर्ष कर दिया है। यह निर्णय वर्ष 2005 के बाद पैदा हुये पुरुषों पर लागू होगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण

में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (Sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (Sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	13.36	18.70
2. कॉन्ट्रेक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 40, अंक 4 23.01.2023 से 29.01.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र हो

अच्छे भविष्य के लिये पर्यावरण संरक्षण और चक्र इस नाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 में विचार का विषय "वन अर्थ, वन फैमिली और वन फ्यूचर" रखा है। प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र होना चाहिये। दरअसल यह दुनिया को बचाने का मंत्र है। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में जी-20 के अंतर्गत थिंक-20 बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज संघर्ष नहीं प्रेम की आवश्यकता है। जो हमसे कमजोर है, उसे ही अपनायें। अंधी प्रतिस्पर्धा नहीं होनी चाहिये। यह दुर्भाग्य की बात है कि विश्व के अधिकांश संसाधनों का उपयोग चंद लोग ही करते हैं। जबकि यह पृथ्वी हम सभी के लिये है। पूरा विश्व एक परिवार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिथि देवो भवः भारत की परंपरा है। प्रधानमंत्री अद्भुत नेतृत्व क्षमता के धनी हैं। इन्होंने भारत की प्रतिष्ठा में वृद्धि की है। जी-20 की अध्यक्षता प्राप्त होना भारत की उपलब्धि है। हमारे देश में प्राचीन समय से यह विचार रहा है कि पूरा विश्व एक कुटुम्ब की तरह है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सारी दुनिया को एक होने की जरूरत है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों का अस्तित्व भी खतरे में है। प्राणियों की अनेक प्रजातियां खत्म हो रही हैं। प्रधानमंत्री के प्रयासों से नामीबिया के चीते लाकर मध्यप्रदेश में बसाये गये। मध्यप्रदेश टाइगर, लेपर्ड, गिद्ध और घड़ियालों के संरक्षण के लिये जाना जाता है। अब मध्यप्रदेश भी चीता स्टेट बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छोटे-छोटे उपायों से पर्यावरण को बचाने में सहयोग दिया जा सकता है। हम अपने व्यवहार में पौधरोपण को शामिल करें तो यह पृथ्वी के लिये बड़ा योगदान होगा। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में बिजली बचाओ, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग, बेटी बचाओ अभियान एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के सफल क्रियान्वयन का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन एनर्जी का महत्व बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा का उत्पादन बांधों की जल राशि के माध्यम से भी करने की पहल की गयी है। प्रदेश में जलाभिषेक अभियान से साढ़े चार लाख जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' का आह्वान कर जल के पूर्व उपयोग के लिये संकल्पित हैं। उनके नेतृत्व में भारत विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने आने वाले वर्षों में विभिन्न लक्ष्य तय किये हैं। इनमें प्रमुख रूप से नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग और कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ ही मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य शामिल हैं। उन्होंने पंचामृत का मंत्र दिया है। सीओवी-26 में उन्होंने कहा था कि भारत वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन (नेट-0) का लक्ष्य हासिल करेगा। वर्ष 2030 तक भारत अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन इंटेंसिटी को लगभग आधा कर लेगा। इस तरह नवकरणीय ऊर्जा में भारत की स्थिति विश्व में चौथे क्रम पर है, उसमें भी सुधार लाया जावेगा। वन अर्थ, वन फैमिली और वन फ्यूचर का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। हमारी प्राथमिकता भी प्रकृति के साथ प्रगति है। मध्यप्रदेश में हो रहा पौध-रोपण इसका प्रमाण है।

दिल कैसे बीमार होता है इसका राज खुला

मनुष्य के शरीर में दिल की भूमिका अहम है। दिल के स्वस्थ रहने से मनुष्य शरीर बेहतर ढंग से काम करता है। मनुष्य का दिल कैसे बीमार होता है इस बारे में निरंतर अध्ययन होते रहे हैं। दिल बीमार न हो, इसके लिये डॉक्टर उपाय भी बताते हैं। हाल ही में वैज्ञानिकों ने हृदय रोग का कारण बनने वाले प्रमुख जीन के बारे में पता लगाया है। यह अध्ययन यूरोप और अमेरिका के वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया है। इस खोज से कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम वाले रोगियों के लिये नई दवाओं का निर्माण किया जा सकेगा। बता दें कि दुनियाभर में इस बीमारी से कई लोगों की मौत हो जाती है। अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने कोरोनरी हृदय वाले 600 मरीजों और कोरोनरी हृदय के बिना वाले 150 मरीजों को चुना गया था। इस दौरान कोरोनरी हार्ट आर्टरी बाइपास सर्जरी या अन्य चिकित्सकीय जानकारी के लिये सभी की ओपन चेस्ट सर्जरी हुई। इसके बाद टीम ने सुपर कम्प्यूटर का इस्तेमाल किया है ताकि डाटा का विश्लेषण और जीन की संख्या को एकत्रित किया जा सके। जांच के दौरान पाया गया कि इसमें 25 प्रतिशत मरीजों में यह जीन मौजूद था। इस शोध के बारे में विक्टर चांग कार्डियक रिसर्च इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निर्देशक प्रोफेसर जेसन कोवासिक कहते हैं कि अध्ययन के दौरान सबसे पहले उन जीनों को स्टडी रूप से परिभाषित किया, जो कोरोनरी हृदय रोग का कारण बन सकते हैं, दूसरा यह पहचान की गई कि शरीर में जीन का मुख्य प्रभाव कहां-कहां हो सकता है, जैसे हृदय की धमनियों में, दिल में कोलेस्ट्रोल के स्तर को बढ़ाने के लिये या रक्त में सूजन को बदलने के लिये। इसके बाद तीसरी बड़ी उपलब्धि उन जीनों की कोरोनरी हृदय रोग पैदा करने के लिये प्राथमिकता के तौर पर रैंक करना था। प्लाक (रक्त में वसा, कोलेस्ट्राल, कैल्शियम) नामक प्रक्रिया में कोरोनरी धमनियों में जमा हो जाता है। यह जमा पदार्थ व्यक्ति के हृदय को संकरा बनाता है। इससे हृदय में खून और ऑक्सीजन की सप्लाई कम हो जाती है। इस प्रक्रिया को कोरोनरी हृदय की बीमारी कहते हैं।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 25 जनवरी

हो मयस्सर तो कभी घूम के दुनिया देखो

ये तो घर ही में सिमट आई है दुनिया सारी/
हो मयस्सर तो कभी घूम के दुनिया देखो

जमील मलिक की इन पंक्तियों में वेहद जरूरी संदेश है कि जीवन में जब भी समय मिले घूमना चाहिए, क्योंकि याज़ाएं हमें बहुत कुछ सिखाती हैं। पर्यटन से सिर्फ ज़हन की गिरहें ही नहीं खुलतीं बल्कि सामाजिक विस्तार भी होता है। सवसे खास कि संस्कृति का आदान-प्रदान होता है। वेदों में कहा गया है कि अतिथि देवो भवः अर्थात् अतिथि देवता के समान होता है। अतिथि के लक्षणों का वर्णन करते हुए महर्षि शातातप कहते हैं कि जो सज्जन बिना किसी प्रयोजन, बिना बुलाए, किसी भी समय और किसी भी स्थान से घर में उपस्थित हो जाए, उसे अतिथि रूपी देव ही समझना चाहिए। सूतजी के कथनानुसार अतिथि की सेवा-सत्कार से बढ़कर कोई अन्य महान कार्य नहीं है। यह वाक्य सिर्फ घर आए एक मेहमान के लिए ही नहीं बल्कि किसी अन्य देश, किसी अन्य राज्य या किसी अन्य महाद्वीप से आपकी संस्कृति, सभ्यता, इतिहास को जानने वाला पर्यटक भी है। भारत की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में 7.7 फीसदी लोग अपनी आजीविका पर्यटन के माध्यम से चला रहे हैं।

भारतीय संस्कृति और धरोहरों के प्रति विश्व भर के लोगों को आकर्षित करने, जागरूकता बढ़ाने और इन्हें अधिक से अधिक संख्या में यहां आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य पर्यटन के माध्यम से देश में अधिक से अधिक लोगों को जीविका उपलब्ध कराना ही है। साथ ही भारत को पर्यटन के रूप में विश्व के प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित करना है। आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का एक उद्देश्य देश में विदेशी मुद्रा के खजाने को बढ़ाना है साथ ही देश की जीडीपी को भी विकसित करना है। ताकि लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस को पर्यटन के महत्व और इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और वित्तीय मूल्य पर वैश्विक समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है। देश में पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय नीतियों को बढ़ावा देने का काम पर्यटन मंत्रालय का है। यह केंद्रीय, राज्य और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों का समन्वय करता है। पहली बार, 1948 में केंद्र सरकार ने भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक समिति का गठन किया था।

आजादी का अमृत महोत्सव

पिछले दो वर्षों में कोरोना के प्रभाव के कारण भारत के पर्यटन स्थलों को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। भारत में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में देश की ऐतिहासिक और राष्ट्रभक्ति से जुड़ी धरोहरों को सहेजने और वहां के बारे में आमजन को बताया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि शहीदों से जुड़ी यादों और आजादी के परवानों के बारे में ज्यादा से ज्यादा देश-दुनिया के लोगों से जोड़ा जा सके, ताकि यहां की यादें जीवंत वनी रहें। जानते हैं देश के आजादी के इतिहास से जुड़े कुछ प्रमुख स्थलों के बारे में...

इंडिया गेट, नई दिल्ली : देशभक्ति के भाव को अंदर समेटे देश की राजधानी नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर स्थित इंडिया गेट ऐसी ही जगहों में से एक है। शहीदों की याद में बनाए गए इस स्मारक पर वैसे तो हर दिन बड़ी संख्या में टूरिस्ट पहुंचते हैं, लेकिन स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर यहां का अलग ही नजारा होता है। यहां आकर आपको गर्व महसूस होगा। यहां आने के बाद आप नेशनल वॉर मेमोरियल भी जा सकते हैं।

लाल किला, दिल्ली : दिल्ली के लाल किला पर हर साल 15 अगस्त पर प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करते हैं। यहां आजादी का जश्न होता है। स्वतंत्रता दिवस के कुछ दिन पहले से ही यहां तैयारियां शुरू हो जाती हैं।

कारगिल वॉर मेमोरियल, लद्दाख : भारतीय सेना के वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने और पाकिस्तानी सेना पर कारगिल की जीत को याद रखने के लिए लद्दाख के कारगिल जिले के द्रास सेक्टर में कारगिल वॉर मेमोरियल बनाया गया है। इस मेमोरियल में पहुंचते ही देशभक्ति से रोम-रोम रोमांचित हो जाता है।

वाघा बॉर्डर, अमृतसर : पंजाब के अमृतसर में भारत-पाकिस्तान वॉर्डर को वाघा वॉर्डर के नाम से जानते हैं। हर साल यहां खास कार्यक्रम होते हैं इन्हें देखने देश से ही नहीं, विदेशों से भी लोग पहुंचते हैं। वाघा का खूबसूरत नजारा देख हर कोई एक अलग ही अनुभव करता है।

जैसलमेर बॉर्डर, राजस्थान : राजस्थान के जैसलमेर में एक छोटा सा टाउन है लोंगेवाला ये पाकिस्तान की वॉर्डर पर है। 1971 में दिसंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच यहीं युद्ध हुआ था। इसमें पाकिस्तान ने भारत पर कई बम गिराए थे, लेकिन जीत भारत की ही हुई थी। लोंगेवाला पोस्ट 'इंडो-पाक पिलर 638' के नाम से जाना जाता है।

काला पानी जेल, अंडमान-निकोबार : अंडमान-निकोबार समुद्री लहरों के बीच बसी एक खूबसूरत जगह है। यह प्राकृतिक रूप से बहुत ही खूबसूरत है तो देशभक्ति यहां के कोने-कोने में महसूस की जा सकती है। यहां स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर कई कार्यक्रम होते हैं। काला पानी जेल यहीं मौजूद है। अब यह म्यूजियम और स्मारक में बदल दिया गया है।

जलियांवाला वाग, पंजाब : ब्रिटिश शासन काल के दौरान सबसे कुख्यात नरसंहार की कहानी बयान करता है जलियांवाला वाग। यहां शहीदों की शहादत गूंजती रहती है। आप यहां जाकर देशभक्ति का अलग ही एहसास पा सकते हैं। यह पंजाब में स्थित है और 6.5 एकड़ में फैला हुआ है। इस स्मारक स्थल का उद्घाटन भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था।

साबरमती आश्रम, अहमदाबाद : इस गणतंत्र दिवस अगर आप घूमने की सोच रहे हैं तो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहमदाबाद के साबरमती आश्रम जरूर जाएं। हर साल आजादी के पर्व पर यहां हजारों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। यहां जाकर देशभक्ति का जज्बा काफी बढ़ जाता है।

दांडी, गुजरात : गुजरात के नवसारी जिले में स्थित दांडी (Dandi) ऐतिहासिक छटा को समेटे हुए है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने यहीं पर अंग्रेजों के नमक कानून को तोड़ा था। यहां और आस-पास महात्मा गांधी से संबंधित कई स्मारक बनाए गए हैं।

अपनी धरोहर अपनी पहचान

हम जिस शहर में रहते हैं उसके आसपास मौजूद विरासत को सहेजने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इससे न सिर्फ उस धरोहर का संरक्षण संभव होगा बल्कि उसके माध्यम से होने वाली पर्यटन संबंधी गतिविधियां रोज़गार में वृद्धि करेंगे। इस बात को समझते हुए ही भारत सरकार ने 'एक विरासत अपनाएं : अपनी धरोहर, अपनी पहचान' (Adopt a Heritage: Apni Dharohar, Apni Pehchaan) परियोजना की शुरुआत 27 सितंबर, 2017 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर की गई थी। यह परियोजना पूरे देश में विरासत, प्राकृतिक, पर्यटन स्थलों पर पर्यटन सुविधाओं को योजनाबद्ध और चरणवद्ध तरीके से विकसित करने और इन्हें पर्यटकों के अनुकूल बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा किया जा रहा एक सहयोगात्मक प्रयास है। इस योजना का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ ट्रस्टों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), व्यक्तिगत और अन्य पक्षधारकों को 'स्मारक मित्र' बनने के लिए प्रेरित करना है। इसके अलावा, इस योजना के माध्यम से देश की विभिन्न कंपनियों को कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे अपनी रुचि और व्यवहार्यता के अनुरूप इन स्थलों पर बुनियादी और उन्नत पर्यटन सुविधाओं के विकास और उन्नयन की जिम्मेदारी धारण करें। साथ ही वे इनका संचालन और प्रबंधन का भी काम देखें।

राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार

भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय, पर्यटन को बढ़ावा देने वाली मूल रूप से हिंदी में लिखी पुस्तकों को पुरस्कृत करने के लिए 'राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार' प्रदान करती है। उत्तराखंड के प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. अरुण कुकसाल को उनकी चर्चित पुस्तक 'चले साथ पहाड़' के लिए 2020-21 के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस किताब में लेखक द्वारा उत्तराखंड में की गई उनकी यात्राओं का संकलन है। लेखक के शब्दों में किताब का उद्देश्य उत्तराखंड की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक तस्वीर को सामने लाना है और यो इस तस्वीर को पाठकों के सामने लाने में पूरी तरह सफल भी रहे हैं। पौड़ी गढ़वाल के चामी गांव में डॉ. अरुण कुकसाल का जन्म 8 अक्टूबर, 1959 को हुआ था।

नियमों की न करें अनदेखी

हम नई-नई जगहों पर जाना तो चाहते हैं, नई नई चीजें देखना तो करना चाहते हैं, लेकिन उन नियमों को मानने से कतराते हैं जोकि वहां के रख-रखाव के लिहाज से बेहद ही जरूरी होते हैं। जैसे कि लाइन में नहीं लगना, टिकट नहीं लेना, गन्दगी फैलाना आदि। जिसकी वजह से कई बार अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और कभी कभी तो यह अव्यवस्था किसी बड़ी समस्या का कारक बन जाती है। जबकि हमें जब स्थानीय अथवा देशी यात्रा की बजाय विदेश यात्रा करते हैं तो हमारा पूरा का पूरा नजरिया ही बदल जाता है। हम नियमों के प्रति अति व्यवहारिक हो जाते हैं और हर नियम मानने लगते हैं। हमें अपने देश में भी इस तरह की गलतियां करने से बचना चाहिए।

जिम्मेदारी का अभाव

घूमना तो हमने सीख लिया है लेकिन घूमने-टहलने के नियमों के प्रति ना तो अभी तक हम व्यवहारिक हो पाए हैं और ना ही जिम्मेदार। घूमने के दौरान हम उन मामूली बातों का भी ख्याल नहीं रखते जोकि एक पर्यटक के लिए बेहद ही जरूरी होती हैं। हम अपना कूड़ा-कचरा तक उन्हीं जगहों पर छोड़ आते हैं।

सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

राज्य पात्रता परीक्षा प्रकोष्ठ
(State Eligibility Test Cell)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
(नोडल एजेन्सी)
रेसीडेन्सी एरिया, इन्दौर (म.प्र.)

विज्ञापन क्रमांक 01/सेट/परीक्षा/2023	दिनांक 08.01.2023
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	27.01.2023
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि	26.02.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
त्रुटि सुधार की अवधि बिना विलम्ब शुल्क के अभ्यर्थियों हेतु	01.02.2023 से 28.02.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
विलंब शुल्क के साथ I ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि	01.03.2023 से 10.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
त्रुटि सुधार की अवधि विलम्ब शुल्क I के अभ्यर्थियों हेतु	02.03.2023 से 14.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
विलंब शुल्क के साथ II ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि	15.03.2023 से 21.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
त्रुटि सुधार की अवधि विलम्ब शुल्क II के अभ्यर्थियों हेतु	17.03.2023 से 24.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
राज्य पात्रता परीक्षा-2022 (सहायक प्राध्यापक पद भर्ती हेतु पात्रता परीक्षा)	

मध्यप्रदेश सेट-2022
महत्वपूर्ण

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, सहायक प्राध्यापक के पदों पर भर्ती हेतु राज्य पात्रता परीक्षा-2022 का आयोजन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर (नोडल एजेंसी) के माध्यम से करने जा रहा है।

1. **राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)** - 2022, ऑफलाइन विधि से आयोजित होगी। सेट 2022 में 02 (दो) प्रश्न-पत्र होंगे। **प्रथम प्रश्न-पत्र (अनिवार्य) :- सामान्य प्रश्न-पत्र :- शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति** (General Paper on Teaching and Research Aptitude) वस्तुनिष्ठ प्रकार का प्रश्न पत्र होगा जिसमें कुल प्रश्न 50 (पचास) होंगे। अभ्यर्थी को सभी प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का होगा। प्रथम प्रश्न पत्र कुल 100 (सौ) अंकों का होगा एवं परीक्षा अवधि एक घंटा (60 मिनिट) होगी।
द्वितीय प्रश्न पत्र :- चयनित (ऐच्छिक) विषय का होगा। द्वितीय प्रश्न-पत्र में कुल 100 (सौ) प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का होगा। प्रश्न-पत्र पाठ्यक्रमानुसार पूर्णतयः वस्तुनिष्ठ (Objective Type Question) प्रकार का होगा, **जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्न** :- सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य कथन कारण प्रकार के (Multiple Choice Question: Matching True/Palse, Assertion Reasoning Type) होंगे। द्वितीय प्रश्न-पत्र कुल 200 (दो सौ) अंकों का होगा एवं परीक्षा अवधि दो घंटा (120 मिनिट) होगी। सेट-2022 की परीक्षा के दो प्रश्न-पत्र होंगे। परीक्षा सत्र की समय अवधि बिना अन्तराल के तीन घंटे होगी।
2. सेट-2022 हेतु आवेदन ऑफलाइन स्वीकार नहीं किये जाएंगे, आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन ही करना है। आवेदन करते समय अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार के दस्तावेज संलग्न नहीं करना है। केवल प्राविधिक रूप से सेट-2022 के प्रमाण-पत्र के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर जारी सूचना के पश्चात अपने दस्तावेज लोक सेवा आयोग के सेट प्रकोष्ठ के कार्यालय में व्यक्तिशः या रजिस्ट्रर्ड/स्पीड पोस्ट डाक द्वारा निर्दिष्ट अन्तिम तिथि तक जमा कराना होंगे। यदि आवेदक द्वारा दी गई जानकारी असत्य पाई जाती है तो आवेदकों को अर्हता प्रमाण-पत्रों से वंचित किया जाएगा। उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।
3. वे अभ्यर्थी जो मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2017, 2018 में जिस विषय में प्रमाण-पत्र प्राप्त कर चुके हैं वे पुनः उसी विषय में सेट-2022 की राज्य पात्रता परीक्षा हेतु आवेदन न करें। जिन अभ्यर्थियों ने विगत वर्षों में (2022 से पूर्व) यू.जी.सी. (नेट). सी.एस.आई.आर. (नेट), मध्यप्रदेश स्लेट/सेट के जिस विषय में प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिये हैं वे पुनः उसी विषय में मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)-2022 हेतु आवेदन न करें अन्यथा उन्हें प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जाएगा। सेट-2022 हेतु केवल एक ही विषय में आवेदन करें।
4. सेट परीक्षा के लिये आवेदकों द्वारा परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग द्वारा किया जा सकेगा एवं एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से भी किया जा सकेगा। परीक्षा शुल्क के भुगतान के लिये किसी बैंक का ड्राफ्ट अथवा चेक स्वीकार नहीं किये जाएंगे।
5. सेट परीक्षा-2022 के लिये ऑनलाइन आवेदन दिनांक 27.01.2023 से दिनांक 26.02.2023 **www.mppsc.mp.gov.in** पर भरे जा सकेंगे। इसके पश्चात विलंब शुल्क से आवेदन भरे जा सकेंगे। इसके पश्चात वे लिंक निष्क्रिय हो जाएगी।
6. आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदन-पत्र में त्रुटि सुधार का कार्य दिनांक 01.02.2023 से 28.02.2023 तक अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति त्रुटि सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटि सुधार शुल्क देय होगा। आवेदक यह ध्यान रखें कि सेट-2022 के आवेदन-पत्र में हुई किसी भी त्रुटि का सुधार बिना विलम्ब शुल्क के अभ्यर्थियों हेतु दिनांक 28.02.2023 के बाद नहीं किया जा सकेगा। अतः सेट परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन-पत्र अत्यंत सावधानीपूर्वक भरें।
7. **विलंब शुल्क के साथ आवेदन** : निर्धारित तिथि के पश्चात यदि अभ्यर्थी आवेदन करता है तो दिनांक 1.03.2023 से 10.03.2023 (दोपहर 12:00 बजे तक) तक विलंब शुल्क रु. 3000/- के साथ आवेदन कर सकेगा। विलंब शुल्क देय अभ्यर्थी को यदि त्रुटि सुधार करना है तो इस हेतु प्रति त्रुटि सुधार सत्र रु. 50/- शुल्क अतिरिक्त देय होगा। जो केवल दिनांक 02.03.2023 से दिनांक 14.03.2023 की अवधि के लिए होगा।
8. इस दिनांक के पश्चात विलंब शुल्क रु. 25,000/- के साथ दिनांक 15.03.2023 से दिनांक 21.03.2023 (दोपहर 12.00 बजे तक) आवेदन भरे जा सकेंगे रु. 25,000/- विलंब शुल्क देय अभ्यर्थी को यदि त्रुटि सुधार करना है तो इस हेतु प्रति त्रुटि सुधार सत्र रु. 50/- शुल्क अतिरिक्त देय होगा। जो केवल दिनांक 17.03.2023 से दिनांक 24.03.2023 तक की अवधि के लिए होगा। विलंब शुल्क से भी त्रुटि सुधार दिनांक 24.03.2023 दोपहर 12:00 बजे के बाद नहीं किया जा सकेगा और न ही अभ्यर्थी का कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य किया जाएगा। अतः सेट परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन-पत्र अत्यंत सावधानीपूर्वक भरें।
9. आवेदक यह ध्यान रखें कि सेट-2022 परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन-पत्र में हुई किसी भी त्रुटि का सुधार, त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि के उपरांत नहीं किया जा सकेगा, यदि अभ्यर्थी प्राविधिक रूप से सेट-2022 के प्रमाण-पत्र के लिये अर्ह पाया जाता है तो आयोग के द्वारा दस्तावेज मांगे जाने पर अभ्यर्थी के दस्तावेज परीक्षण हेतु आयोग कार्यालय में अभ्यर्थी को उपलब्ध कराने होंगे। यदि अभ्यर्थी द्वारा दी गई जानकारी व अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेजों के परीक्षण में कोई भी त्रुटि पाई जाती है तो उसे सेट-2022 के अर्हता प्रमाण-पत्र से वंचित किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन-पत्र अत्यंत सावधानी पूर्वक भरें तथा त्रुटि सुधार की अवधि में ही वांछित सुधार करने। त्रुटि सुधार के लिये दी गई तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार का पश्चातवर्ती आवेदन मान्य नहीं किया जाएगा।
10. अभ्यर्थी प्राविधिक रूप से सेट-2022 के प्रमाण पत्र के लिये अर्ह पाया जाता है तो उसकी सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी जिसमें दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि का उल्लेख होगा। आयोग के द्वारा दस्तावेज मांगे जाने पर अभ्यर्थी को दस्तावेज परीक्षण हेतु दी गई समय-सीमा में उपलब्ध कराने होंगे। विलम्ब से दस्तावेज प्रस्तुत करने पर अभ्यर्थी को प्रमाण-पत्र से वंचित किया जाएगा। अतः निर्धारित समय-सीमा में दस्तावेज आयोग कार्यालय में रजिस्टर्ड डाक द्वारा/व्यक्तिशः जमा कराने का दायित्व अभ्यर्थी का होगा।
11. अनारक्षित श्रेणी हेतु परीक्षा शुल्क रु. 500/- तथा आरक्षित श्रेणी हेतु रु. 250/- निर्धारित है। आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गये आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा अनारक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रुपये 250/- त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गये आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा आरक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।
12. **ऑनलाइन आवेदन-पत्र में आवेदक द्वारा भरी गई विभिन्न जानकारी** :- श्रेणी/(अनारक्षित/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर)/EWS दिव्यांगता), संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि व न्यूनतम अर्हता इत्यादि के आधार पर ही परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटि सुधार अवधि समाप्त होने के पश्चात किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा और न ही किसी प्रकार का अभ्यावेदन स्वीकार किया जाएगा व सेट प्रकोष्ठ द्वारा इस संदर्भ में आवेदक से कोई पर व्यवहार नहीं किया जाएगा।
13. इस विज्ञापन के अंतर्गत एक अनिवार्य प्रश्न-पत्र सहित 36 ऐच्छिक विषयों हेतु पात्रता परीक्षा ऑफलाइन विधि से आयोजित की जाएगी। परीक्षा सत्र की समय अवधि बिना अन्तराल के तीन घंटे होगी। सेट परीक्षा दिनांक 04.06.2023 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा की समय-सारणी एवं प्रवेश-पत्र संबंधी जानकारी आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर पृथक से उपलब्ध कराई जाएगी।
14. सेट परीक्षा के विज्ञापन एवं परिणाम के संदर्भ में आवश्यक सूचनाएं केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** एवं रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र में प्रकाशित की जाएगी। आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरते समय दिये गये E-mail address तथा मोबाइल नंबर पर, E-mail तथा SMS द्वारा आवश्यक होने पर सूचना दी जा सकेगी। आवेदक ऑनलाइन आवेदन-पत्र में सुनिश्चित स्थान पर अपने E-mail address मोबाइल नंबर तथा आधार नंबर का अवश्य उल्लेख करें। परीक्षा से संबंधित अन्य सूचनाओं हेतु आयोग की वेबसाइट का निरंतर अवलोकन करते रहें।
15. राज्य पात्रता परीक्षा-2022 हेतु आयोजित संबंधित विषयों में स्नातकोत्तर उत्तीर्ण/स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष स्नातकोत्तर तृतीय या चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे।
16. सेट-2022 परीक्षा में सम्मिलित 36 विषयों में से, जिन अभ्यर्थियों ने विगत वर्षों में यू.जी.सी. (नेट), सी.एस.आई.आर. (नेट), मध्यप्रदेश-स्लेट के प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिये हैं वे मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट-2022) हेतु यदि ऑनलाइन आवेदन-पत्र में असत्य जानकारी देकर उसी विषय में राज्य पात्रता परीक्षा (सेट-2022) पुनः उत्तीर्ण कर लेते हैं तो उन्हें सेट-2022 का प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया जाएगा तथा आयोग द्वारा आगामी परीक्षाओं से विवर्जित किया जा सकेगा व दंडात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।
17. पात्रता परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि ध्यान में आती आती है तो सेट प्रकोष्ठ को परीक्षा परिणाम को सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
18. ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने के पूर्व आवेदक संपूर्ण विज्ञप्ति निर्देश व नियमों का अवलोकन कर स्वयं यह सुनिश्चित कर लें कि उन्हें परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता है अथवा नहीं। आवेदन करते समय अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार के दस्तावेज संलग्न नहीं करना है। परन्तु यदि आवेदक द्वारा दी गई जानकारी असत्य पाई जाती है तो आवेदकों को अर्हता प्रमाण-पत्र से वंचित किया जायेगा व उसके विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।
19. प्राविधिक रूप से अर्हता प्रमाण-पत्र सेट-2022 के लिए अर्ह पाये गये अभ्यर्थी आयोग द्वारा दस्तावेज मांगे जाने पर अभ्यर्थी को निर्धारित समय-सीमा में परीक्षण हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।
20. सेट परीक्षा में यदि कोई आवेदक परीक्षा के किसी भी चरण में अथवा परीक्षा फल घोषित होने के बाद भी अनर्ह (INELIGIBLE) पाया जाता है अथवा उनके द्वारा आवेदन-पत्र में दी गई कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है तो उसका पात्रता प्रमाण-पत्र नहीं दिया जाएगा।
21. समस्त आरक्षण मध्यप्रदेश राज्य के संदर्भ में है, अतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर) EWS, महिला-वर्ग आवेदक, दिव्यांगजन हेतु आरक्षण/आवेदकों को देय छूट केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को ही देय होगी। अन्य राज्यों के उक्त श्रेणी के आवेदक अनारक्षित मान्य होंगे। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्य अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमीलेयर में आने वाले आवेदकों को कोई छूट एवं अन्य लाभ देय नहीं होंगे। मध्यप्रदेश के ऐसे अन्य पिछड़ा वर्ग के मूल निवासी जो क्रीमीलेयर में आते हैं आवेदन में अन्य पिछड़ा वर्ग में भरने पर भी अनारक्षित वर्ग के समान ही मान्य किये जाएंगे तथा इन्हें छूट का लाभ नहीं दिया जाएगा।
22. EWS वर्ग के अभ्यर्थी को केवल शैक्षणिक योग्यता एवं उत्तीर्ण अंक में 5 प्रतिशत छूट देय होगी। शुल्क में छूट की पात्रता नहीं होगी।
23. अनारक्षित वर्ग की महिला आवेदकों को शुल्क शैक्षणिक योग्यता एवं उत्तीर्ण अंक में कोई छूट देय नहीं होगी। केवल महिला आवेदकों को दिया जाने वाला होरिजेन्टल आरक्षण देय होगा।
24. विज्ञापन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप जारी किया जा रहा है।
25. मध्यप्रदेश राजपत्र क्रमांक 597, भोपाल दिनांक 21 नवम्बर 2022 में सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक पदों में निःशक्तजन की चार श्रेणी में से कॉलम में 9 में उल्लेखित (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक

लर्निंग, डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता) श्रेणी के दिव्यांगजनों को आरक्षण नहीं दिया जाएगा एवं इस श्रेणी के आरक्षण प्रतिशत को अन्य तीन श्रेणियों में सम्मिलित किया जाएगा library and Information Science एवं Physical Education विषय के दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की आरक्षित तीन श्रेणियों में से दृष्टिबाधित श्रेणी के उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि उक्त राजपत्र के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन ने दृष्टिबाधित और कम दृष्टि की श्रेणी के लिए ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पद आरक्षित नहीं किये हैं।

26. राज्य पात्रता परीक्षा- 2022 की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई भी कम्प्यूटर/लिपिकीय त्रुटि ध्यान में आती है तो आयोग को चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।
27. प्रावधिक रूप से सेट-2022 के परीक्षा परिणाम की घोषणा के पश्चात आयोग के द्वारा दस्तावेज मांगे जाने पर यदि अभ्यर्थी द्वारा दी गई जानकारी व अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेजों के परीक्षण में कोई भी त्रुटि पाई जाती है तो अभ्यर्थी/अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र निरस्त किये जाते है तो उन अभ्यर्थियों के स्थान पर अनुपूरक सूची (प्रतीक्षा सूची) से अन्य श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थियों को पात्रता हेतु शामिल किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है। सेट परीक्षा-2022 में परीक्षा परिणाम घोषणा के पश्चात किसी प्रकार की अनुपूरक सूची (प्रतीक्षा सूची) तैयार करने का कोई प्रावधान नहीं है।
28. यह परीक्षा बिना अंतराल के एक ही सत्र में हो रही है। अतः अभ्यर्थी को दोनों प्रश्न-पत्र (अनिवार्य एवं ऐच्छिक) हल करना आवश्यक है।
29. सेट-2022 परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी करने अथवा परीक्षा को उत्तीर्ण करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि आवेदक को अर्ह मान लिया गया है। पात्रता के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाये जाने पर राज्य पात्रता परीक्षा प्रमाण-पत्र अर्हता से वंचित किया जा सकेगा।
30. उक्त विज्ञापन की समग्र शर्तें एवं नियम अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य हैं।
31. आयोग (सेट प्रकोष्ठ) की परीक्षा प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है, किसी भी व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी भी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यावहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आयें और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (सेट प्रकोष्ठ), रेसीडेन्सी एरिया, इन्दौर (म.प्र.) को दें, ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम तथा पता गोपनीय रखा जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक (सेट)
राज्य पात्रता परीक्षा प्रकोष्ठ
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर

एक- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता -

- अभ्यर्थी, केन्द्रीय अधिनियम या राज्य अधिनियम द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 1956 (अधिसूचना क्रमांक 03 सन् 1956) के अधीन विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उत्तीर्ण अथवा स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष/स्नातकोत्तर तृतीय/स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत् होने पर पात्र होगा।
- अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु स्नातकोत्तर उपाधि में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित श्रेणी (केवल मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर) EWS तथा निःशक्त अभ्यर्थियों) हेतु 50 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है।
- ऐसे अभ्यर्थी जो स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष/स्नातकोत्तर तृतीय/स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत हैं तथा जिनका स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हुआ है अथवा स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष/स्नातकोत्तर तृतीय/स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हुआ है, अथवा स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष/स्नातकोत्तर तृतीय/स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर का परिणाम प्रतीक्षारत है, वे सभी अभ्यर्थी प्रावधिक रूप से परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये अर्ह हैं।
- उक्त अभ्यर्थियों के परीक्षा में पात्र होने पर भी अर्हता प्रमाण-पत्र तभी मान्य होगा, जब सेट परीक्षा परिणाम घोषित होने के दो वर्ष में अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु स्नातकोत्तर उपाधि में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित श्रेणी के (केवल मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर), EWS तथा दिव्यांग अभ्यर्थियों को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अर्जित करने के अधिलेख उनके द्वारा आयोग (सेट प्रकोष्ठ) में प्रस्तुत कर दिया जाएगा। अन्यथा उन्हें अनर्ह घोषित किया जाएगा।
- ऐसे पीएच.डी. उपाधि धारक अभ्यर्थी जिनकी स्नातकोत्तर की परीक्षा 19 सितंबर, 1991 तक पूर्ण हो चुकी है उन्हें शैक्षणिक अर्हता में 5 प्रतिशत की छूट (55 प्रतिशत से 50 प्रतिशत) देय होगी। (The Ph.D. degree holders whose Master's level examination have been completed by 19th September 1991 (irrespective of date of declaration of result) shall be eligible for a relaxation of 5% in aggregate marks (i.e. From 55% to 50%) for appearing in SET)
- ऐसे अभ्यर्थी भी पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र होंगे जिनके पास भारत के किसी भी विश्वविद्यालय से या विदेश के किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान से स्नातकोत्तर, डिप्लोमा का प्रमाण-पत्र हो, किन्तु उन्हें एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली से यह प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रकोष्ठ को प्रदान करना होगा कि उन्हें प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त स्नातकोत्तर उपाधि के समकक्ष है।

टीप :-

1. सेट परीक्षा कुल 36 विषयों में आयोजित की जा रही है जिसमें संबंधित विषय (परिशिष्ट-1) में उल्लेखित स्नातकोत्तर विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि धारक/अध्ययनरत अभ्यर्थी केवल एक विषय हेतु आवेदन कर सकेंगे।
2. ऐसे अभ्यर्थी जो एक से अधिक विषयों (स्नातकोत्तर विषयों) में स्नातकोत्तर उपाधि की अर्हता रखते हैं, को एक ही मुख्य स्नातकोत्तर विषय हेतु अपना ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना होगा। यदि कोई अभ्यर्थी भ्रामक जानकारी देकर दो विषयों में आवेदन करता है तो उसकी सत्यता ज्ञात होने पर पात्रता निरस्त की जायेगी। अतः सेट-2022 परीक्षा हेतु अभ्यर्थी मात्र एक विषय में ही ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें।
3. यू.जी.सी. (नेट)-2018 के प्रकाशित नोटिफिकेशन के पृष्ठ क्र.20 वेबसाइट **www.ugc.ac.in/oldpdf/consolidated%20list%20of%20All%20universities.pdf** के अनुसार मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की सूची के अंतर्गत अभ्यर्थी की स्नातकोत्तर उपाधि को ही मान्य किया जाएगा।
4. सेट-2022 हेतु आवेदन ऑफलाइन स्वीकार नहीं किये जाएंगे, आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन ही करना है। आवेदन करते समय अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार के दस्तावेज संलग्न नहीं करना है। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि वे सेट-2022 की पात्रता परीक्षा के लिए विज्ञप्ति के अनुरूप न्यूनतम अर्हता रखते हैं अथवा नहीं। केवल प्रावधिक रूप से सेट-2022 के प्रमाण-पत्र के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर जारी सूचना के पश्चात अपने दस्तावेज लोक सेवा आयोग के सेट प्रकोष्ठ के कार्यालय में डाक द्वारा या व्यक्तिशः निर्दिष्ट अन्तिम तिथि तक जमा कराना है। यदि आवेदक द्वारा दी गई जानकारी असत्य पाई जाती है तो आवेदकों को अर्हता प्रमाण-पत्रों से वंचित किया जायेगा व उसके विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।
5. सेट-2022 की परीक्षा में वर्णित शर्तों के अनुरूप अभ्यर्थी अपने सभी आवश्यक दस्तावेज की छायाप्रति आवेदन करने के साथ ही अपने पास तैयार रखें ताकि आयोग द्वारा दस्तावेज मांगे जाने पर समय-सीमा में प्रस्तुत कर सकें।
6. सेट-2022 परीक्षा हेतु प्रवेश-पत्र जारी करने अथवा परीक्षा को उत्तीर्ण करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि आवेदक को अर्ह मान लिया गया है। पात्रता परीक्षा के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाये जाने पर उसका आवेदन-पत्र निरस्त किया जायेगा, यदि वह राज्य पात्रता परीक्षा-2022 में अर्ह भी पाया जाता है तो असत्य जानकारी पाई जाने पर अर्हता प्रमाण-पत्र से वंचित किया जाएगा।

दो अनर्हता -

- मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित सेट-2017-18 में, जिस विषय में प्रमाण-पत्र प्राप्त कर चुके हैं वे अभ्यर्थी पुनः सेट-2022 हेतु उसी विषय में आवेदन न करें। जिन अभ्यर्थियों ने विगत वर्षों में यू.जी.सी.-नेट, सी.एस.आई.आर.-नेट मध्यप्रदेश-स्लेट/सेट के जिस विषय से प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिये हैं वे सेट 2022 की परीक्षा में उसी विषय हेतु आवेदन न करें। यदि वे आवेदन करते है तो उन्हें प्रमाण-पत्र नहीं दिया जाएगा व दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

तीन परीक्षा योजना -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के नवीन निर्देशों के परिपालन में परीक्षा योजना निम्नानुसार आयोजित की जाएगी :-

राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)-2022 में कुल दो प्रश्न-पत्र होंगे।

1. **प्रथम प्रश्न पत्र (अनिवार्य) :-** सामान्य प्रश्न-पत्र शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति (General Paper on Teaching and Research Aptitude) वस्तुनिष्ठ प्रकार का प्रश्न-पत्र होगा जिसमें कुल प्रश्न 50 (पचास) होंगे। अभ्यर्थी को सभी प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का होगा। प्रथम प्रश्न-पत्र कुल 100 (सौ) अंक का होगा एवं परीक्षा अवधि एक घंटा (60 मिनिट) होगी।
2. **द्वितीय प्रश्न-पत्र :-** चयनित (ऐच्छिक) विषय का होगा। द्वितीय प्रश्न-पत्र में कुल 100 (सौ) प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का होगा प्रश्न-पत्र पाठ्यक्रमानुसार पूर्णतया वस्तुनिष्ठ (Objective Type Question) प्रकार का होगा, जिसमें **बहुविकल्पीय प्रश्न :-** सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन कारण प्रकार के (Multiple Choice Question : Matching, True/False, Assertion Reasoning Type) होंगे। द्वितीय प्रश्न पत्र कुल 200 (दो सौ अंकों का होगा एवं परीक्षा अवधि दो घंटा (120 मिनिट) होगी। परीक्षा सत्र की समय अवधि बिना अन्तराल के तीन घंटे होगी।

प्रश्न पत्र	पूर्णांक	प्रश्नों की संख्या	परीक्षा अवधि
प्रथम	100	50 प्रश्न, सभी अनिवार्य	01 घंटा (60 मिनिट)
द्वितीय	200	100 प्रश्न, सभी अनिवार्य	02 घंटा (120 मिनिट)

टीप- सेट-2022 में Chemical Science, Earth Science, Life Science, Mathematical Science. Physical Science, विषय के परीक्षा प्रारूप भी यू.जी.सी. नेट परीक्षा प्रारूप के अनुसार रहेगा। सी.एस.आई.आर. के निर्देशानुसार Mathematical Science के पाठ्यक्रम में 4 इकाई हैं जो गणित एवं सांख्यिकी के अभ्यार्थी के लिये इकाई अनुसार विभाजित है। इस विषय के पाठ्यक्रम हेतु आवश्यक निर्देश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराये जाएंगे Music और Performing Arts के पाठ्यक्रम के आवश्यक निर्देश भी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे।

1. प्रश्न-पत्र हल करते समय दिव्यांगजनों के सह-लेखक की योग्यता स्नातक अथवा उससे कम होनी चाहिये। सह-लेखक लेने की स्थिति में प्रथम प्रश्न-पत्र में 20 मिनिट तथा द्वितीय प्रश्न पत्र में 40 मिनिट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। केवल ऐसे दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को जिन्हें वर्णित श्रेणी में सह-लेखक की पात्रता है के लिए परीक्षा सत्र की समय अवधि बिना अन्तराल के चार घंटे होगी। सह-लेखक हेतु पात्र दिव्यांगजन अभ्यर्थी सहलेखक की अनुमति हेतु केन्द्राध्यक्ष से परीक्षा तिथि के एक दिन पूर्व आवश्यक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर तथा घोषणा-पत्र भरकर अनुमति प्राप्त करें।
2. किसी भी प्रश्न-पत्र में ऋणात्मक मूल्यांकन (Negative Marking) नहीं होगा।

नोट- सभी विषयों की परीक्षा की तिथि 04 जून, 2023 एवं समय सारणी आयोग की वेबसाइट पर पृथक से विज्ञप्ति द्वारा जारी की जाएगी तथा अभ्यर्थी के प्रवेश-पत्र पर भी अंकित रहेगा।

चार- पाठ्यक्रम संबंधी निर्देश :-

पाठ्यक्रम/परीक्षा योजना संबंधी समस्त निर्देश, किसी भी अभ्यर्थी को डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे। संबंधित विषय का पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट से प्राप्त करें। राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)-2022 के विषय एवं उनके स्नातकोत्तर विषयों व स्नातकोत्तर उपाधि की सूची हेतु (परिशिष्ट-1)।

पांच- परीक्षा परिणाम की घोषणा :-

सेट-2022 का परीक्षा परिणाम मध्यप्रदेश शासन की आरक्षण नीति/नियम के अनुसार (म.प्र. सामान्य प्रशासन विभाग के अधतन निर्देशानुसार) व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के नवीन निर्देशानुसार समस्त विषयों के दोनों प्रश्न-पत्रों में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों की संख्या के 06 प्रतिशत को अर्ह संख्या (स्लॉट) के रूप निर्धारित की जाएगी।

प्रथम चरण - सर्वप्रथम समस्त विषय के दोनों प्रश्न-पत्रों में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों की संख्या के 06 प्रतिशत को अर्ह संख्या (स्लॉट) के रूप निर्धारित की जाएगी।

द्वितीय चरण - द्वितीय चरण में प्रथम चरण के 06 प्रतिशत के प्राप्त कुल अर्ह संख्या (स्लॉट) को मध्यप्रदेश शासन की आरक्षण नीति के अनुसार (म.प्र. सामान्य प्रशासन विभाग के अद्यतन निर्देशानुसार) विभिन्न श्रेणियों के लिये निर्धारित आरक्षण प्रतिशत अनुसार अर्ह संख्या (स्लॉट) आवंटित कर दोनों प्रश्न-पत्रों में सम्मिलित रूप से अनारक्षित श्रेणी एवं आरक्षित श्रेणी के अभ्यार्थियों की निम्न न्यूनतम अर्हता का प्रतिशत श्रेणियों हेतु आरक्षित किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी में महिला प्रवर्ग हेतु हॉरिजोन्टली 33 प्रतिशत आरक्षण होगा। दिव्यांगजन को उनकी दिव्यांगता श्रेणी के अनुसार राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांजन के प्रवर्ग में दिव्यांगजन की श्रेणी अनुसार में कुल हॉरिजोन्टली 06 प्रतिशत आरक्षण होगा।

तृतीय चरण - सेट परीक्षा के प्रथम व द्वितीय दोनों प्रश्न-पत्र में सम्मिलित रूप से अनारक्षित श्रेणी एवं आरक्षित श्रेणी के अभ्यार्थियों की निम्न न्यूनतम अर्हता का प्रतिशत के आधार पर अर्ह (स्लॉट) ज्ञात की जाएगी।

क्र.	श्रेणी	प्रथम प्रश्न-पत्र	द्वितीय प्रश्न-पत्र
		दोनों प्रश्न-पत्रों में सम्मिलित रूप से न्यूनतम अर्हता का प्रतिशत	
1.	अनारक्षित श्रेणी	40%	
2.	आरक्षित श्रेणी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमीलेयर) EWS एवं दिव्यांगजन	35%	

चतुर्थ चरण - विषयवार एवं वर्गवार प्राप्त अभ्यर्थियों की संख्या का निर्धारण निम्न सूत्र द्वारा किया जाएगा।

विषय के उन अभ्यर्थियों की संख्या
जिन्होंने उस श्रेणी में न्यूनतम अर्हता प्राप्त कर ली है X उस श्रेणी के लिए निर्धारित अर्हता संख्या (स्लॉट)
.....
उस श्रेणी के समस्त विषयों के न्यूनतम अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों की संख्या

A. यदि अर्हता संख्या (स्लॉट) निर्धारण में प्रतिशत दशमलव में प्राप्त होता है तो :-
(अ) यदि अर्हता (स्लॉट) प्रतिशत 1 से कम तथा दशमलव में हो तो उसे एक माना जाएगा।
(ब) यदि अर्हता (स्लॉट) प्रतिशत 1 से अधिक हो तो उसे समीपस्थ पूर्णांक प्रतिशत में समायोजित किया जाएगा।

B. विषयवार श्रेणियों एवं वर्गों में स्लॉट विभाजन की गणना के प्रतिशत में परिणाम दशमलव में प्राप्त होने पर 0.5 के पूर्व दशमलव अंकों को पूर्ववर्ती पूर्णांक में तथा 0.5 एवं उससे अधिक होने पर अपने

पश्चातवर्ती पूर्णांक में समायोजित किया जाएगा। परीक्षा संबंधी अन्य जानकारी हेतु अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** का निरंतर अवलोकन करते रहें।

छः श्रेणी/वर्ग के आरक्षण के संबंध में निर्देश :-

1. समस्त आरक्षण मध्यप्रदेश राज्य के संदर्भ में है, अतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, EWS, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला वर्ग व दिव्यांगजन आवेदक को देय छूट केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को ही देय होगी, अन्य प्रदेशों के उक्त श्रेणी के आवेदक अनारक्षित श्रेणी में मान्य होंगे। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्य अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमीलेयर में आने वाले आवेदकों को कोई छूट एवं अन्य लाभ देय नहीं होगा।
2. मध्यप्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के मूल निवासी जो क्रीमीलेयर में आते हैं आवेदन में अन्य पिछड़ा वर्ग में भरने पर भी अनारक्षित वर्ग के समान ही मान्य किये जावेंगे तथा उन्हें छूट का लाभ नहीं दिया जाएगा।
3. छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के मूल निवासी, ऐसे आवेदक जो अपने मूल निवास के राज्य में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर) महिला आवेदक तथा दिव्यांग के रूप में मान्य हैं, तथा अन्य प्रदेशों के निःशक्तजन अभ्यर्थी आरक्षण हेतु पात्र नहीं है। उन्हें अनारक्षित श्रेणी में विचारित किया जाएगा।
4. मध्यप्रदेश के बाहरी राज्यों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर) महिला आवेदक तथा दिव्यांगजन उम्मीदवार अपना वर्ग ऑनलाइन आवेदन-पत्र में अनारक्षित लिखें।
5. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/EWS/अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर) का जाति प्रमाण-पत्र मध्यप्रदेश शासन के प्राधिकृत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के द्वारा जारी या ई-सर्टिफिकेट होना आवश्यक है।
6. मध्यप्रदेश के निःशक्तजन अभ्यर्थियों को केवल जिला चिकित्सा मण्डल द्वारा जारी न्यूनतम 40 प्रतिशत अथवा अधिक के स्थायी, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर ही आरक्षण देय होगा।
7. दिव्यांगजन को उन की दिव्यांगता श्रेणी के अनुसार राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजन के प्रवर्ग में निःशक्तजन की चार श्रेणी में कुल होरिजोन्टली 06 प्रतिशत आरक्षण होगा। मध्यप्रदेश राजपत्र क्रमांक 597, भोपाल दिनांक 21 नवम्बर 2022 में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक पदों में दिव्यांगजन की चार श्रेणी में से कॉलम 9 में उल्लेखित (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग, डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता श्रेणी के दिव्यांगजनों को आरक्षण नहीं दिया जाएगा एवं इस श्रेणी के आरक्षण प्रतिशत को अन्य तीन श्रेणियों में सम्मिलित किया जाएगा) Library and Information Science एवं Physical Education विषय के दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की आरक्षित तीन श्रेणियों में से दृष्टिबाधित श्रेणी के उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि उक्त राजपत्र के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन ने दृष्टिबाधित और कम दृष्टि की श्रेणी के लिए ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पद आरक्षित नहीं किये हैं।
8. सेट-2022 की पात्रता परीक्षा हेतु यात्रा व्यय की पात्रता किसी भी श्रेणी के अभ्यार्थियों को नहीं होगी।

सात- परीक्षा शुल्क :-

अनारक्षित श्रेणी महिला आवेदक अनारक्षित श्रेणी एवं EWS हेतु रुपये 500/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।) तथा आरक्षित श्रेणी (मध्यप्रदेश के मूल निवासी) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर) एवं दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थी हेतु रुपये 250/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।) परीक्षा शुल्क देय होगा।

250/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तजन श्रेणी के अभ्यार्थियों हेतु परीक्षा शुल्क रु. दो सौ पचास देय होगा।	500/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।) अनारक्षित श्रेणी EWS सामान्य श्रेणी महिला आवेदक व मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु परीक्षा शुल्क पांच सौ रुपये देय होगा।
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारम्भिक तिथि 27.01.2023	
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 26.02.2023 दोपहर 12:00 बजे तक	
त्रुटि सुधार की अवधि बिना विलंब शुल्क के अभ्यर्थियों हेतु दिनांक 01.02.2023 से 28.02.2023 तक (दोपहर 12:00 बजे तक)	रु. 50/- प्रति सत्र
विलंब शुल्क I के साथ - प्रथम चरण	
विलंब शुल्क I के साथ ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि दिनांक 01.03.2023 से 10.03.2023 (दोपहर 12:00 बजे तक)	रु. 3000/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।)
त्रुटि सुधार की अवधि विलंब शुल्क प्रथम चरण के अभ्यर्थियों हेतु दिनांक 02.03.2023 से 14.03.2023 (दोपहर 12:00 बजे तक)	रु. 50/- प्रति सत्र
विलंब शुल्क के साथ - द्वितीय चरण	
विलंब शुल्क II के साथ ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि दिनांक 15.03.2023 से 21.03.2023 (दोपहर 12.00 बजे तक)	रु. 25000/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।)
त्रुटि सुधार की अवधि विलंब शुल्क II के अभ्यर्थियों हेतु दिनांक 17.03.2023 से 24.03.2023 तक (दोपहर 12.00 बजे तक)	रु. 50/- प्रति सत्र

आठ- ऑफलाइन परीक्षा के शहर :-

कोड	शहर	कोड	शहर	कोड	शहर	कोड	शहर
1	इन्दौर	4	जबलपुर	7	सागर	10	शहडोल
2	भोपाल	5	रीवा	8	उज्जैन	11	खरगोन
3	ग्वालियर	6	सतना	9	नर्मदापुरम	12	रतलाम

जिन शहरों में 100 से कम अभ्यर्थियों के आवेदन-पत्र प्राप्त होंगे उन शहरों को परीक्षा केन्द्र नहीं बनाया जाएगा।

शहर चयन के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश :-

टीप :-

1. आवेदक परीक्षा शहर सावधानीपूर्वक चुनें। परीक्षा शहर के संदर्भ में अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अग्रमान्यता को किसी भी स्थिति में बदला नहीं जाएगा। अभ्यर्थियों की संख्या तथा प्रशासनिक कारणों से परीक्षा शहरों/केन्द्रों की संख्या कम या अधिक की जा सकती है।
2. अभ्यर्थी उपरोक्त तालिका में उल्लेखित शहर में से उसकी अग्रमान्यता के अनुसार अधिकतम चार शहर चुन सकेगा। यह आवश्यक नहीं है कि आवेदक द्वारा चयनित अग्रमान्यता अनुसार ही शहर आवंटित किये जाएं।
3. आयोग के (सेट प्रकोष्ठ) प्रशासनिक कार्य की सुविधा की दृष्टि से चयनित अग्रमान्यता क्रम से भिन्न शहर आवंटित कर सकता हैं तथा शहरों की संख्या कम या अधिक कर सकता है या परीक्षा केन्द्रों की संख्या परिवर्तन किया जा सकता है।
4. आयोग (सेट प्रकोष्ठ) द्वारा आवंटित केन्द्र/शहर के परिवर्तन के संदर्भ में प्राप्त अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
5. आवंटित केन्द्र का एक दिन पूर्व अवलोकन करना उचित होगा।
6. म.प्र. के बाहर के अभ्यर्थियों के लिये परीक्षा संचालन की सुविधा अनुसार केन्द्र का आवंटन अंतिम रूप से आयोग द्वारा निर्धारित होंगे।

नौ- आवेदक विस्तृत जानकारी हेतु निम्न परिशिष्ट देखे :-

क्र.	परिशिष्ट क्रमांक	परिशिष्ट का विषय
1.	परिशिष्ट-1	राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)-2022, 36 विषय के एवं उनके स्नातकोत्तर विषयों स्नातकोत्तर उपाधियों की सूची। अभ्यर्थी संबंधित विषय का पाठ्यक्रम एवं अनिवार्य प्रश्न-पत्र का पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।
2.	परिशिष्ट-2	ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के निर्देश एवं जानकारियां।
3.	परिशिष्ट-3	परीक्षा के संदर्भ के आवश्यक निर्देश एवं जानकारियां।
4.	परिशिष्ट-4	दिव्यांगजन के सहलेखक हेतु मान्य परिचय पत्र हेतु सूची
5.	परिशिष्ट-5	परीक्षा के पूर्व व पश्चातवर्ती प्रक्रिया के संदर्भ में आवश्यक निर्देश
6.	परिशिष्ट-6	सेट 2022 के विषयों के पाठ्यक्रम की सूची
7.	परिशिष्ट-7	दिव्यांगजन सहलेखक घोषणा-पत्र
8.	परिशिष्ट-8	अभ्यर्थी द्वारा जमा किये जाने वाले दस्तावेजों की सूची एवं अभ्यर्थी घोषणा-पत्र

परिशिष्ट-I

नोट- सेट परीक्षा 2022 के लिये प्रथम प्रश्न पत्र (अनिवार्य) :- सामान्य प्रश्न पत्र शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति (General Paper on Teaching and Research Aptitude) वस्तुनिष्ठ प्रकार का प्रश्न पत्र होगा जो सभी अभ्यर्थियों के लिये अनिवार्य है तथा इसका पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

नोट- यू.जी.सी. नेट व सी.एस.आई.आर. नेट के विषयान्तर्गत उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक 1093/104/सी.सी./38 दिनांक 23/12/2022 के अनुसार SET परीक्षा के विषय एवं स्नातकोत्तर स्तर के विषयों तथा उपाधियों की सूची उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन से अनुमोदित है। सेट परीक्षा के विषय का पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग सेट-2022 की परीक्षा में 36 SET परीक्षा के विषय एवं स्नातकोत्तर स्तर के विषयों तथा उपाधियों की सूची निम्नानुसार है :-

S. No.	अनिवार्य प्रथम प्रश्न-पत्र ऐच्छिक द्वितीय प्रश्न-पत्र के सेट-विषय	General Paper on Teaching & Research Aptitude सामान्य प्रश्न-पत्र, शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति स्नातकोत्तर स्तर के विषय
1.	Library and Information Science (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान)	1. Library Science (पुस्तकालय विज्ञान) 2. Library and inforamation Science (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान)
2.	Physical Education (शारीरिक शिक्षा)	Physical Education (शारीरिक शिक्षा)
3.	Arabic (अरबी)	Arabic (अरबी)
4.	Commerce (वाणिज्य)	Commerce (वाणिज्य)
5.	Computer Science & Application (संगणक विज्ञान एवं उपयोग)	Computer Science (संगणक विज्ञान), Computer Application (संगणक उपयोग)
6.	Criminology (अपराध विज्ञान)	Criminology (अपराध विज्ञान)
7.	Defence and stategic studies (रक्षा और रणनीतिक अध्ययन)	Millitary science (सैन्य विज्ञान)
8.	Economics (अर्थशास्त्र)	Economics (अर्थशास्त्र) Master of business Economics (एम.बी.ई.) Applied economics (व्यवहारिक अर्थशास्त्र) (MBA Business Economics) (एम.बी.ए. व्यावसायिक अर्थशास्त्र)
9.	Electronic Science (इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान)	Electronic [Science] (इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान)
10.	English (अंग्रेजी)	English (अंग्रेजी)
11.	Environmental Science (पर्यावरण विज्ञान)	Environmental Science (पर्यावरण विज्ञान)
12.	Geography (भूगोल)	Geography (भूगोल)
13.	Hindi (हिन्दी)	Hindi (हिन्दी) Linguistics (भाषा विज्ञान)
14.	History (इतिहास)	History (इतिहास) Modern History (आधुनिक इतिहास) Medieval History (मध्यकालीन इतिहास) Ancient History (प्राचीन इतिहास)
15.	Home science (गृह विज्ञान)	Home science (गृह विज्ञान)
16.	Law (विधि)	Law (विधि)
17.	Marathi (मराठी)	Marathi (मराठी)
18.	Music (संगीत)	Music (संगीत) Music Instrument (संगीत वादन), Music Vocal (संगीत गायन)
19.	Performing Arts (Dance, Drama,Theatre) (कलामंच, नृत्य-नाटक, थिएटर)	Dance (नृत्य)
20.	Persian (फारसी)	Persian (फारसी)
21.	Philosophy (दर्शनशास्त्र)	Philosophy (दर्शनशास्त्र)
22.	Political science (राजनीति विज्ञान)	Political science (राजनीति विज्ञान) Public Administration (लोक प्रशासन) International relation (अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

23.	Psychology **(मनोविज्ञान)**	Psychology (मनोविज्ञान) Clinical Psychology (चिकित्सीय मनोविज्ञान) Applied Psychology (व्यवहारिक मनोविज्ञान)
24.	Public Administration (लोक प्रशासन)	Public Administration (लोक प्रशासन)
25.	Sanskrit (संस्कृत)	Sanskrit (संस्कृत)
26.	Sanskrit Traditional Subjects (संस्कृत परम्परागत विषय)	Sanskrit Astrology (संस्कृत ज्योतिष) Sanskrit Oriental (संस्कृत प्राच्य) Sanskrit Literature (संस्कृत साहित्य) Sanskrit Grammar (संस्कृत व्याकरण) Sanskrit Literature Oriental (संस्कृत साहित्य प्राच्य)
27.	Social Work (सामाजिक कार्य)	Social Work (सामाजिक कार्य)
28.	Sociology (समाज शास्त्र)	Sociology (समाज शास्त्र) Anthropology (मानव शास्त्र) Social Work (सामाजिक कार्य)
29.	Urdu (उर्दू)	Urdu (उर्दू)
30.	Visual Arts (विजुअल आर्ट्स)	Drawing and painting (चित्रकला)
31.	Yoga (योग)	Yoga (योग)
32.	Chemical Sciences (रसायन विज्ञान)	Chemistry Sciences (रसायन शास्त्र) Organic Chemistry (कार्बनिक रसायन शास्त्र) Physical Chemistry (भौतिक रसायन शास्त्र) Applied Chemistry (व्यवहारिक रसायन शास्त्र) Environment Chemistry (पर्यावरण रसायन शास्त्र) Pharmaceutical Chemistry (फार्मास्युटिकल सायन शास्त्र) Inorganic Chemistry (अकार्बनिक रसायन शास्त्र) Industrial Chemistry (औद्योगिक रसायन शास्त्र) Analytical Chemistry (विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र)
33.	Erath, Atmospheric, Ocean and Planetary Sciences (पृथ्वी, वायुमंडलीय, महासागर और गृह विज्ञान)	Geology (भूगर्भ शास्त्र) Applied Geology (व्यवहारिक भूगर्भ शास्त्र) Palantology (पैलेन्टोलॉजी) Geophysics (जियोफिजिक्स) Earth Science (भूविज्ञान) Remote sesing (रिमोट सेन्सिंग)
34.	Life Sciences (जीव विज्ञान)	Botany (वनस्पति शास्त्र) Zoology (प्राणी शास्त्र) Bio Chemistry (जीव रसायन) Microbiology (सूक्ष्म जीव विज्ञान) Biotechnology (जैव प्रौद्योगिक) Bio Science (जीव विज्ञान) Environmental Science (पर्यावरण विज्ञान) Bioinformatic science (बायो इंफरमेटिक्स साइंस) Fisheries (मत्स्य विज्ञान) Aquaculture (मत्स्य पालन) Limnology (सरोवर विज्ञान) Entomology (कीट विज्ञान) Genetics (अनुवांशिकी) Generic Engineering (अनुवांशिकी यांत्रिकी) Life Science (जीव विज्ञान) Industrial Microbiology (औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान) Seed Technoogy (बीज तकनीकी)
35.	Mathematical Sciences (गणितीय विज्ञान)	Mathematic (गणित) Computational Mathematics (संगणन गणित) Applied Mathematics (व्यावहारिक गणित) Industrial Mathematics (औद्योगिक गणित) Mathematical Science (गणितीय विज्ञान)
36.	Physical Sciences (भौतिकी विज्ञान)	Physics (भौतिकी) Applied Physics (व्यावहारिक भौतिकी) Material Science (पदार्थ विज्ञान) Electronics (इलेक्ट्रॉनिक्स)

01. संस्कृत विषय हेतु स्नातकोत्तर उपाधि एम.ए. तथा संस्कृत परम्परागत विषय हेतु स्नातकोत्तर उपाधि आचार्य मान्य होगी।

02. मान्य स्नातकोत्तर उपाधि की सूची :-

No.	स्नातकोत्तर उपाधि
1.	Master of Commerce (M. Com.)
2.	Master of Library Science (M Lib. Sc.)
3.	Master of Literature (M.Litt.)
4.	Master of Computer Application (M.C.A.)
5.	Master of Social Work (MSW)
6.	Master Of Science (M.Sc.)
7.	Master of Statistics (M. Stat.)
8	Master of Arts (M.A.)
9.	Acharya (Sanskrit Traditional)
10.	Master of Physical Education (M.P.Ed.)
11.	Master of Physical Education & Sports Science (MPES).
12.	Integrated BS-MS
13.	Master of Law (LLM)

परिशिष्ट-2

(ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में अभ्यर्थियों हेतु निर्देश एवं अन्य जानकारी)

राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)-2022 परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार है :-

1. उपरोक्त परीक्षा हेतु आवेदन-पत्र वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर भरे जा सकेंगे।
2. अभ्यर्थी आवेदन-पत्र भरने से पहले विज्ञापन में दी गई समस्त जानकारी और शर्तों को अच्छी तरह से पढ़ लें। आवेदन-पत्र दिनांक 27.01.2023 से 26.02.2023 (दोपहर 12.00 बजे तक) भरे जा सकते हैं। सेट-2022 हेतु आवेदन ऑफलाइन स्वीकार नहीं किये जाएंगे, आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन ही करना है। आवेदन करते समय अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार के दस्तावेज संलग्न नहीं करना है। केवल प्राविधिक रूप से सेट-2022 के प्रमाण पत्र के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को ही आयोग की वेबसाइट पर जारी सूचना के पश्चात अपने दस्तावेज लोक सेवा आयोग के सेट प्रकोष्ठ के कार्यालय में रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक द्वारा या व्यक्तिशः निर्दिष्ट जमा कराना है। यदि आवेदक द्वारा दी गई जानकारी असत्य पाई जाती है, तो आवेदकों को अर्हता प्रमाण-पत्रों से वंचित किया जायेगा व उसके विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।
3. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि वे सेट-2022 परीक्षा के लिए निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन भरने के पहले अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन भरें तथा अपने आवश्यक दस्तावेज की स्वहस्ताक्षरित आवश्यक छायाप्रतियां आवेदन भरने के समय से ही अपने पास सुरक्षित रखें व मांगे जाने पर आयोग कार्यालय को परीक्षण हेतु उपलब्ध करायें ।
4. अभ्यर्थी स्वयं घर बैठे कम्प्यूटर द्वारा इंटरनेट या इंटरनेट कैफे के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन भरकर परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अलावा नेट बैंकिंग सुविधा धारक आवेदक नेट बैंकिंग द्वारा भी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
5. आवेदक फार्म भरने के पूर्व अपने नवीनतम फोटोग्राफ की पासपोर्ट साइज फोटो नाम सहित हस्ताक्षर युक्त स्कैन फाइलें तैयार रखें जिन्हें ऑनलाइन फॉर्म भरते समय संलग्न (अपलोड) करें आवेदक यह सुनिश्चित कर लें कि आवेदन-पत्र में उनके फोटो एवं हस्ताक्षर स्पष्ट हैं। अन्य किसी भी प्रकार के दस्तावेज अभ्यर्थी को ऑनलाइन संलग्न नहीं करना है। हाईस्कूल/हायर सेकेण्ड्री स्नातक, स्नातकोत्तर की अंकसूची जाति प्रमाण-पत्र, मध्यप्रदेश का मूल निवासी प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, अभ्यर्थी अपने पास सुरक्षित रखें केवल प्राविधिक रूप से सेट 2022 के प्रमाण-पत्र के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर जारी सूचना के पश्चात अपने दस्तावेज लोक सेवा आयोग के सेट प्रकोष्ठ के कार्यालय में व्यक्तिशः या डाक द्वारा निर्दिष्ट अन्तिम तिथि तक जमा कराना है।
6. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय अभ्यर्थी को ध्यान रखना चाहिए कि वह उक्त वेबसाइट पर दिये गए ऑनलाइन आवेदन-पत्र की प्रत्येक जानकारी सोच-समझकर, सावधानीपूर्वक एवं सही रूप में भरें।
7. आयोग द्वारा ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की प्रक्रिया में अभ्यर्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि जो जानकारी ऑनलाइन फॉर्म में अंकित की जा रही है वह अभ्यर्थी द्वारा पूर्णतः सत्य भरी गई है।
8. **आवेदन एवं परीक्षा शुल्क :-**

250/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यार्थियों हेतु परीक्षा शुल्क रुपये दो सौ पचास देय होगा।	500/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।) अनारक्षित श्रेणी, EWS सामान्य श्रेणी महिला आवेदक व मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु परीक्षा शुल्क **पांच सौ रुपये** देय होगा
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारम्भिक तिथि 27.01.2023	
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 26.02.2023 दोपहर 12:00 बजे तक	
त्रुटि सुधार की अवधि बिना विलंब शुल्क के अभ्यर्थियों हेतु दिनांक 01.02.2023 से 28.02.2023 तक (दोपहर 12:00 बजे तक)	रु. 50/- प्रति सत्र
विलंब शुल्क - प्रथम चरण	
विलंब शुल्क - प्रथम चरण ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि दिनांक 01.03.2023 से 10.03.2023 (दोपहर 12.00 बजे तक)	रु. 3000/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।)
त्रुटि सुधार की अवधि विलंब शुल्क के साथ प्रथम चरण के अभ्यर्थियों हेतु दिनांक 02.03.2023 से 14.03.2023 (दोपहर 12.00 बजे तक)	रु. 50/- प्रति सत्र
विलम्ब शुल्क के साथ - द्वितीय चरण	
विलंब शुल्क - द्वितीय चरण ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि दिनांक 15.03.2023 से 21.03.2023 (दोपहर 12.00 बजे तक)	रु. 25,000/- (40 रुपये पोर्टल शुल्क अतिरिक्त देय होगा।)
त्रुटि सुधार की अवधि विलंब शुल्क द्वितीय चरण के अभ्यर्थियों दिनांक 17.03.2023 से 24.03.2023 (दोपहर 12.00 बजे तक)	रु. 50/- प्रति सत्र

9. ऑनलाइन आवेदन पर भरने की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी हेतु आयोग के निम्न हेल्पलाइन पर कार्यालयीन समय में प्रातः 10.30 बजे से 5.30 बजे तक, (अवकाश दिवसों को छोड़कर) सम्पर्क करें:-

हेल्पलाइन :- 0731-2701086

10. आवेदक को उसके द्वारा आवेदन-पत्र उल्लेखित आधारभूत सूचनाएं अर्थात् उसका नाम, माता-पिता का नाम, जन्म तिथि, श्रेणी, लिंग, आदि की जानकारी दी जाएगी जिसमें त्रुटि परिलक्षित होने पर अभ्यर्थी Cancel बटन दबाकर पुनः फॉर्म में वापस जाकर अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन में सभी प्राविष्टियां पूर्ण करने के पश्चात popup window में Ok करने पर ऑनलाइन आवेदन पत्र में घोषणा पत्र प्राप्त होगा। जिसमें उसके आवेदन-पत्र क्रमांक का उल्लेख होगा।
11. उक्त घोषणा-पत्र अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक पढ़कर, उपयुक्त स्थान पर अपने हस्ताक्षर कर उसे स्कैन कराकर, स्कैन की गयी फाइल को पुनः ऑनलाइन आवेदन-पत्र के साथ उपयुक्त स्थान पर अपलोड करना है। वही प्रमाणिक जानकारी है अतः ऑनलाइन आवेदन-पत्र Submit करने के पूर्व अभ्यर्थी अपना आवेदन-पत्र भलि-भांति पढ़कर, सोच-समझकर तथा भरी गयी जानकारी से स्वयं को संतुष्ट करने के पश्चात ही आवेदन Submit करें।
12. अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि आवेदन-पत्र Submit होने के बाद "Proceed for Payment" बटन दबाकर भुगतान की कार्यवाही पूर्ण हुई अथवा नहीं। तत्पश्चात अभ्यर्थी को उसका सम्पूर्ण आवेदन-पत्र प्राप्त होगा। जिसमें भुगतान का विवरण भी होगा। जिसमें भुगतान राशि तथा "PAYMENT DONE" स्पष्टतः उल्लेखित होगा। अभ्यर्थी संपूर्ण आवेदन पत्र को प्रिन्ट करके एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें आवेदन करते समय अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार के दस्तावेज संलग्न नहीं करना है। केवल प्राविधिक रूप से सेट-2022 के प्रमाण पत्र के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर जारी सूचना के पश्चात अपने दस्तावेज लोक सेवा आयोग के सेट प्रकोष्ठ के कार्यालय में रजिस्टर्ड डाक या स्पीड पोस्ट या व्यक्तिशः आयोग कार्यालय में निम्न पते पर निर्दिष्ट अन्तिम तिथि तक जमा कराना है-

"सेट प्रकोष्ट, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी एरिया, इन्दौर (म.प्र.) पिन कोड-452001"

अभ्यर्थी आवश्यक होने पर भविष्य में आयोग से किये जाने वाले पत्र व्यवहार में ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक का उल्लेख आवश्यक रूप से करें।

13. **त्रुटि सुधार सुविधा :-**

(क) आवेदक अपना आवेदन-पत्र सावधानी पूर्वक भरे आवेदन-पत्र में कोई त्रुटि होने पर बिना विलम्ब शुल्क के अभ्यर्थियों हेतु दिनांक 01.02.2023 से 28.02.2023 दोपहर 12:00 बजे तक प्रति सत्र रुपये 50/- त्रुटि सुधार शुल्क का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन आवेदन-पत्र में अभ्यर्थी द्वारा स्वयं ही त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। इसके पश्चात विलम्ब शुल्क की देय राशि के साथ विज्ञापन में उल्लेखित तिथि के अनुसार त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। किन्तु विलम्ब शुल्क की त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 24.03.2023 के पश्चात किसी प्रकार का त्रुटि सुधार नहीं किया जा सकेगा और न ही इस विषय में किसी प्रकार पश्चातवर्ती आवेदन मान्य किया जाएगा।

(ख) अनारक्षित श्रेणी, अनारक्षित श्रेणी महिला आवेदक, EWS, हेतु परीक्षा शुल्क 500/- रु. तथा आरक्षित श्रेणी हेतु 250/- रु. निर्धारित है। आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गये आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा अनारक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रुपये/त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गये आवेदन को त्रुटि सुधार द्वारा आरक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।

(ग) ऑनलाइन आवेदन-पत्र में भरी गयी श्रेणी/वर्ग (अनारक्षित/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/EWS अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर)/महिला वर्ग/दिव्यांगजन) संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि व न्यूनतम अर्हता इत्यादि के आधार पर ही परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटि सुधार अवधि समाप्त होने के बाद श्रेणी/वर्ग शैक्षणिक अर्हता इत्यादि परिवर्तन विषयक कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा।

14. आवेदक यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा आवेदन-पत्र में दर्ज हस्ताक्षर को ही, वे परीक्षा की उपस्थिति पत्र तथा आयोग के समस्त पत्र व्यवहार में करें। विभिन्न अभिलेखों के हस्ताक्षरों में पर उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
15. सेट-2022 परीक्षा हेतु प्रवेश-पत्र जारी करने अथवा परीक्षा को उतीर्ण करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि आवेदक को अर्ह मान लिया गया है। पात्रता के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाये जाने पर उसका आवेदन-पत्र निरस्त कर उसकी उम्मीदवारी समाप्त की।
16. चूंकि सेट परीक्षा एक पात्रता परीक्षा है। अतः किसी भी वर्ग के अभ्यर्थियों को सेट-2022 परीक्षा हेतु यात्रा व्यय के भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है।

17. अनुशासनिक निर्देश:-

यदि आयोग को यह समाधान हो जाता है कि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी के लिए दोषी है:-

1. जिसमें अपनी उम्मीदवारी के लिये परीक्षा में किसी भी तरीके से समर्थन अभिप्राप्त किया हो या
2. प्रतिरूपण किया हो, या
3. किसी व्यक्ति से प्रतिरूपण कराया हो, या
4. कूटरचित अभिलेख या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किए हों, जिनमें फेरबदल किया गया हो, या
5. ऐसे कथन दिये हों जो गलत और झूठे हों या जिसने परीक्षा के किसी भी प्रक्रम पर सारभूत तथ्य छुपाया हो, या
6. परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो, या
7. परीक्षा कक्ष में अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो, या
8. परीक्षा संचालन में लगे अधिकारी/कर्मचारीवृंद को परेशान किया हो या धमकाया हो या शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
9. उनके द्वारा प्रवेश पत्र में अभ्यर्थियों के लिये दिए गए किसी भी अनुदेश या निर्देश जिसमें परीक्ष संचालन में लगे केंद्र पर्यवेक्षक या अन्य अधिकारी/कर्मचारीवृंद द्वारा मौखिक रूप से दिये गए अनुदेश सम्मिलित हैं, अतिक्रमण किया हो, या
10. परीक्षा कक्ष में किसी अन्य तरीके से किया गया दुर्व्यवहार,

तब आयोग द्वारा :-

क. उसे उस परीक्षा के लिए, जिसके लिए वह उम्मीदवार है निरर्ह ठहराया जा सकेगा और/या उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा से या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी चयन से विवर्जित कर सकेगा।

ख. यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु पैतृक विभाग को अनुशंसा की जाएगी।

ग. इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन भी दर्ज किया जा सकेगा।

18. **अनर्हतायें** :- ऐसे अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी निरस्त की जाएगी जिन्हें किसी परीक्षा अथवा चयन से उपरोक्त दर्शित प्रावधानों के तहत विवर्जित किया गया है।

19. **अत्यंत महत्वपूर्ण** :- आवेदक कृपया ध्यान रखें कि परीक्षा केंद्र पर प्रवेश-पत्र के साथ निम्नानुसार मान्य फोटो युक्त पहचान-पत्र प्रस्तुत करने तथा उससे पहचान की पुष्टि होने के पश्चात ही परीक्षा देने की अनुमति मिलेगी।

1. पासपोर्ट, 2. मतदाता पहचान-पत्र, 3. ड्रायविंग लायसेंस 4. पैन कार्ड, 5. आधार कार्ड,
6. शासकीय सेवक के मामले में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय-पत्र,
7 बैंक अथवा पोस्ट ऑफिस की फोटोयुक्त पासबुक,
8. शैक्षणिक संस्थान द्वारा नवीनतम या अधिकतम एक वर्ष पूर्व तक जारी परिचय-पत्र।
9. राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय-पत्र।

परिशिष्ट-3

ऑफलाइन परीक्षा के संबंध में निर्देश एवं जानकारियां

ऑफलाइन परीक्षा के संबंध में निर्देश निम्नानुसार हैं :-

(अ) परीक्षा पूर्व निर्देश :-

प्रवेश-पत्र प्राप्ति प्रक्रिया :-

परीक्षार्थी अपना प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** में निर्धारित लिंक पर आवेदन क्रमांक एवं जन्मतिथि की प्रविष्टि कर ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। अभ्यर्थी के प्रवेश पत्र परीक्षा की तिथि एवं समय अंकित होगा। प्रवेश पत्र अन्य किसी भी विधि से आयोग द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। यदि किसी अभ्यर्थी का आवेदन क्रमांक गुम हो गया है तो वे ऑनलाइन रजिस्ट्रर्ड मोबाइल नम्बर नाम एवं जन्मतिथि डालकर OTP (One Time Password) हेल्पलाइन नम्बर (आयोग द्वारा जारी) वेबसाइट पर उपलब्ध Know Your Application Number लिंक से प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र में उम्मीदवार द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर हॉल टिकट प्रवेश पत्र (ऑनलाइन एडमिट कार्ड) तैयार किया जाएगा। यह सभी उम्मीदवारों को SET परीक्षा की तारीख से 10 दिन पहले उसी वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रदान किया जाएगा जहाँ से उम्मीदवार ने अपना SET आवेदन-पत्र ऑनलाइन जमा किया था। उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड हॉल टिकट डाक द्वारा नहीं भेजा जाएगा। उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड डाउनलोड करना होगा और एडमिट कार्ड का प्रिंट आउट प्राप्त करना होगा। परीक्षा के दिन उम्मीदवार को एडमिट कार्ड और एक अतिरिक्त फोटो पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आई.डी. आदि ले जाना चाहिए।

1. यदि आवेदक अपने प्रवेश-पत्र में किसी प्रकार का परिवर्तन करता है या छेडछाड़ करता है तो ऐसे अभ्यर्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
2. परीक्षा हेतु रजिस्ट्रर्ड आवेदकों को उनके द्वारा चुने गये विकल्प शहर के आधार पर रेण्डम विधि से रोल नंबर प्रदाय किये जायेंगे।
3. अभ्यर्थियों हेतु हेल्पलाइन नंबर के द्वारा हेल्प डेस्क पर की गई पूछताछ कार्यालयीन समय में प्रातः 10.30 बजे से सायं 5:30 बजे तक, (अवकाश दिवस को छोड़कर) समुचित व्यवस्था की जाएगी:-

हेल्पलाइन नंबर :- 0731-2701086

4. अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंम्भ होने के 01 घण्टे पूर्व परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना आवश्यक है, ताकि उनकी प्रवेश संबंधी आवश्यक कार्यवाही समय रहते की जा सके। इस प्रक्रिया में समय लगता है. अतः अभ्यर्थी को परीक्षा प्रारम्भ होने के 01 घण्टे पूर्व परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना चाहिए। अभ्यर्थी को परीक्षा पूर्ण होने तक परीक्षा केन्द्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
5. अभ्यर्थी अपने साथ किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रानिक उपकरण एवं अन्य अनावश्यक सामग्री साथ में नहीं लाएं।
6. दिव्यांगजन के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार है :-

दिव्यांगजन श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु सहलेखक संबंधी नियम :-

1. दृष्टिबाधित ऊपरी हिस्से में (हाथ से) निशक्त तथा सेरिब्रल पाल्सी से दिव्यांगजन परीक्षार्थी।
2. मानसिक रूप से संस्तम (स्पेस्टिक) डाइसलेक्सिक पर्सनस विद डिसएबिलिटिज एक्ट 1995 में परिभाषित अशक्तता वाले परीक्षार्थी।
3. ऐसे परीक्षार्थी जो अचानक बीमार हो जाने की स्थिति में जब वह लिखने में असमर्थ हो, इस आशय का प्रमाण पत्र ऐसे शासकीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिया गया हो जो सहायक सर्जन रैंक से कम का न हो।
4. आकस्मिक दुर्घटना हो जाने पर जब परीक्षार्थी लिखने में असमर्थ हो और इस आशय का प्रमाण-पत्र ऐसे शासकीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिया गया हो जो सहायक सर्जन रैंक से कम का न हो।
5. उपरोक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को छोड़कर अन्य अभ्यर्थियों को सहलेखक एवं प्रतिपूरक समय की सुविधा प्रदान नहीं की जाएगी।

अ. उक्त श्रेणी के केवल ऐसे दिव्यांगजन को अतिरिक्त समय दिया जाएगा, जो सह-लेखक का प्रयोग करेंगे।

ब. ऐसे दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को जिन्हें सहलेखक की पात्रता होगी, को परीक्षा प्रश्न-पत्र हल किये जाने हेतु निर्धारित समय के 20 मिनिट प्रति घण्टे का अतिरिक्त समय दिया जावेगा, इस हेतु अभ्यर्थी सह-लेखक की अनुमति हेतु केन्द्राध्यक्ष से परीक्षा तिथि के एक दिन पूर्व आवश्यक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर तथा घोषणा-पत्र भरकर अनुमति प्राप्त करें।

स. सहलेखक की व्यवस्था अभ्यर्थी को स्वयं करनी होगी, जिसकी अनुमति केन्द्राध्यक्ष से अभ्यर्थी को लेनी होगी।

द. आयोग द्वारा सह-लेखक उपलब्ध नहीं कराया जाएगा और न ही सह-लेखक को किसी भी प्रकार का मानदेय/यात्रा भत्ता का भुगतान किया जावेगा।

इ. अभ्यर्थी को उसके सहलेखक का मूलफोटो युक्त मान्य परिचय पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। (मान्य परिचय-पत्र सूची हेतु देखें परिशिष्ट-4)

उ. सहलेखक के प्रयोग की अनुमति केन्द्राध्यक्ष द्वारा दी जाएगी। इस हेतु अभ्यर्थी परीक्षा तिथि के एक दिन पूर्व ही केन्द्राध्यक्ष से संपर्क करें।

ऊ. सह-लेखक की सुविधा हेतु दिव्यांगजन अभ्यर्थी को जिला चिकित्सा-मंडल/संभागीय चिकित्सा-मंडल/राज्य चिकित्सा-मंडल द्वारा जारी निःशक्तता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राप्त होगी। किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।

परिशिष्ट-4

(दिव्यांगजन के सह-लेखक हेतु मान्य परिचय पत्र हेतु सूची)

आयोग द्वारा निम्न फोटो आई.डी. कार्ड (पहचान पत्र) मान्य किये गये हैं, इनमें से किसी एक की मूल प्रति अभ्यर्थी को साथ में लाना आवश्यक होगा। इनकी फोटोकॉपी मान्य नहीं की जावेगी :-

1. पासपोर्ट
2. मतदाता पहचान-पत्र
3. ड्रायविंग लायसेंस
4. पैन कार्ड
5. आधार कार्ड
6. शासकीय सेवक के मामले में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय-पत्र
7. बैंक अथवा पोस्ट ऑफिस की फोटोयुक्त पासबुक
8. शैक्षणिक संस्थान द्वारा नवीनतम या अधिकतम एक वर्ष पूर्व तक जारी परिचय-पत्र
9. राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय-पत्र

परिशिष्ट-5

(परीक्षा के पूर्व व पश्चातवर्ती प्रक्रिया के संदर्भ में आवश्यक निर्देश)

1. अभ्यर्थी के परीक्षा केन्द्र पर पहुँचने के पश्चात परीक्षार्थी के मूल फोटो का परिचय-पत्र, एडमिट कार्ड एवं फोटो की जांच प्रवेश-पत्र एवं अभ्यर्थी के साथ मिलान किया जाएगा।
2. परीक्षा कक्ष में प्रवेश के पूर्व तलाशी (Firishing) की जावेगी। जिससे कि परीक्षार्थी अपने साथ किसी भी प्रकार की वर्जित वस्तुएं अन्दर न ले जा सके।
3. परीक्षा हेतु वर्जित वस्तुएं इस संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार हैं :-

अ. सामान्यतः परीक्षाओं में ऐसा पाया गया है कि अभ्यर्थी अपने कपड़ों, कफलिंक, चश्मा, जूते-मोजे, हाथ के वैंड हाथ में बंधे बंधन इत्यादि में नाना प्रकार के डिवाइस का प्रयोग करते हैं।

ब. परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित होगा। अभ्यर्थी चप्पल व सैण्डल पहनकर कक्ष में आ सकते हैं। चेहरे को ढंककर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा।

स. **एसेसिरीज:-** जैसे- बालों को बांधने का क्लचर/बक्कल, घड़ी, हाथ में पहने जाने वाले किसी भी प्रकार के वैंड कमर में पहने जाने वाले बेल्ट, धूप में पहने जाने वाले चश्मे, पर्स/वॉलेट टोपी वर्जित हैं।

द. सिर, नाक, कान, गला, हाथ-पैर कमर आदि में पहने जाने वाले समस्त प्रकार के बंधे धागे/कलावा/रक्षा सूत्र आदि का सूक्ष्मता से परीक्षण कर वीक्षकों द्वारा अभ्यर्थियों को कक्ष में जाने के पूर्व तलाशी भी ली जाएगी।

04. आयोग द्वारा निम्न फोटो- आई.डी. कार्ड (पहचान पत्र) मान्य किये गये हैं, इनमें से किसी एक की प्रति अभ्यर्थी को साथ में लाना आवश्यक होगा। इनकी फोटोकॉपी मान्य नहीं की जावेगी :-
1. पासपोर्ट, 2 मतदाता पहचान पत्र, 3 ड्रायविंग लायसेंस 4 पैन कार्ड 5 आधार कार्ड
05. शासकीय सेवक के मामले में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय-पत्र
06. बैंक अथवा पोस्ट ऑफिस की फोटोयुक्त पासबुक
07. शैक्षणिक संस्थान द्वारा नवीनतम या अधिकतम एक वर्ष पूर्व तक जारी परिचय-पत्र
08. राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय पत्र
09. **सेट-2022 ऑफलाइन परीक्षा की मुख्य विशेषताएं** :- यह परीक्षा ऑफलाइन मोड पर आयोजित होगी। सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। सेट-2022 में 02 (दो) प्रश्न पत्र होंगे, प्रथम प्रश्न पत्र (अनिवार्य):- सामान्य प्रश्न-पत्र : शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति (General Paper on Teaching and Research Aptitude) द्वितीय प्रश्न पत्र :- चयनित (ऐच्छिक) विषय का होगा। परीक्षा सत्र की समय अवधि बिना अन्तराल के तीन घंटे होगी।
1. संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था सी.सी.टी.वी. कैमरों की निगरानी में संचालित की जावेगी।
2. परिचय पत्र एवं प्रवेश-पत्र के वैरीफिकेशन के पश्चात परीक्षार्थी को रूम में प्रवेश दिया जाएगा।
3. ऑफलाइन परीक्षा हेतु सभी केंद्र पर आयोग द्वारा केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये हैं जो प्रश्न-पत्र एवं ओ.एम.आर. शीट (उत्तरपुस्तिका) को आयोग से सुरक्षित रूप में प्राप्त कर केंद्रों पर उपलब्ध कराएंगे।
4. परीक्षा के दौरान वीक्षक द्वारा उपस्थिति पत्रक पर परीक्षार्थियों के हस्ताक्षर एवं अंगूठे के निशान लिये जायेंगे।
5. परीक्षार्थी द्वारा अनुचित साधनों का प्रयोग किये जाने पर वीक्षक द्वारा तत्काल प्रकरण तैयार कर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। प्रकरण तैयार किये जाने के पश्चात भी यदि परीक्षार्थी पुनः परीक्षा में सम्मिलित होना चाहता है तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदाय की जा सकेगी, किन्तु यदि परीक्षार्थी आदेश का पालन नहीं करता है तो उसकी परीक्षा निरस्त की जाएगी। उक्त समस्त प्रकरण पर अंतिम निर्णय आयोग द्वारा लिया जायेगा।
6. परीक्षा ऑफलाइन मोड से आयोजित हो रही है अतः अभ्यर्थी ओ.एम.आर. सीट के आवश्यक निर्देश को परीक्षा के समय ध्यान पूर्वक पढें।

महत्वपूर्ण तिथियां सेट-2022

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारम्भिक तिथि 27.01.2023	ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 26.02.2023 दोपहर 12.00 बजे तक
त्रुटि सुधार की अवधि बिना विलम्ब शुल्क के अभ्यर्थियों हेतु 01.02.2023 से 28.02.2023 दोपहर 12.00 बजे तक	
विलंब शुल्क के साथ I ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि 01.03.2023 से 10.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक	
त्रुटि सुधार की अवधि विलम्ब शुल्क I के अभ्यर्थियों हेतु 02.03.2023 से 14.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक	
विलंब शुल्क के साथ II ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि 15.03.2023 से 21.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक	
त्रुटि सुधार की अवधि विलम्ब शुल्क II के अभ्यर्थियों हेतु 17.03.2023 से 24.03.2023 दोपहर 12.00 बजे तक	

पार्ट प्रथम - ऑप्टिकल स्कैनर द्वारा पढ़ी जाने वाली ओ.एम.आर. शीट के उपयोग संबंधी निर्देश तथा अन्य अनुदेश :-

1. ओ.एम.आर. शीट का मूल्यांकन आप्टिकल स्कैनर/कम्प्यूटर द्वारा किया जावेगा अतः ओ.एम.आर. शीट उपयोग अभ्यर्थी को परीक्षा देते समय नीचे बताई गई बातों पर आवश्यक ध्यान रखते हुये अत्यंत सावधानी पूर्वक करना चाहिये।
2. अभ्यार्थी अपने साथ परीक्षा कक्ष में कम से कम दो काले वॉल पाइन्ट पेन अवश्य लाएं।
3. गोले भरने के लिए केवल काला वाल पाईन्ट पेन का ही उपयोग करें। गोलों को पूरी तरह गहरा काला करें। अधूरा अस्पष्ट या हल्का काला करने पर ओ.एम.आर. शीट स्कैनर द्वारा नहीं जांची जा सकेंगी।
4. ओ.एम.आर. शीट पर किसी प्रकार का रफकार्य न किया जाए। इस कार्य के लिए प्रश्न-पत्र पर अलग से स्थान निर्धारित है।
5. ओ.एम.आर. शीट अत्यंत सावधानीपूर्वक रखें। उसे किसी तरह से मोड़ा या काटा न जाए और किसी प्रकार से गंदी न की जाए अन्यथा कम्प्यूटर/ऑप्टिकल स्कैनर उसे रद्द कर देगा।
6. उत्तर देना प्रारंभ करने के पहले सुनिश्चित कर लें कि ओ.एम.आर. सीट पर सभी प्रविष्टियां सही रूप से की गई हैं। अभ्यर्थी द्वारा उसे प्रदत प्रश्न-पत्र सेट ए.बी.सी.डी. अंकन न करने पर ओ.एम.आर. का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
7. आपकों प्रत्येक प्रश्न क्रमांक के सामने का केवल एक ही गोला काला करना है। एक से अधिक गोले को काला करने पर गोलों को हल्का अस्पष्ट या अधूरा काला करने पर या किसी अन्य पेंसिल या स्याही से काला करने पर किसी अन्य तरीके से कोई निशान लगाने पर ओ.एम.आर. शीट कम्प्यूटर/ऑप्टिकल स्कैनर द्वारा नहीं पढ़ी जाएगी।

पार्ट द्वितीय - ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर अंकन के लिये सामान्य निर्देश

1. अभ्यार्थी परीक्षा देते समय प्रश्नों के उत्तर ओ.एम.आर. शीट पर यथास्थान उत्तर अंकित करने के अनुदेश ध्यान से पढ़ें।
2. ओ.एम.आर. शीट में उत्तर अंकित कर उसे काटने/मिटाने/वाइटनर लगाने से उक्त प्रश्न का मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।
3. ओ.एम.आर. शीट के सामने के पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक, परीक्षा तिथि, प्रश्न-पत्र कोड आदि भरने के लिये बने खाने में प्रविष्टि के लिए काले वॉल पेन का उपयोग करें। प्रश्न-पत्र ए.बी.सी.डी. सेट में से एक ही सेट दिया जाएगा। अपने सेट का कोड क्रमांक सावधानी से नियत स्थान पर भरें एवं सेट के गोले को काले पेन से काला करें।
4. हस्ताक्षर ओ.एम.आर. शीट पर निर्धारित स्थान पर वॉल पेन से हस्ताक्षर करें।
5. रोल नम्बर की प्रविष्टि दिये गये निर्देश अनुसार करें। अनुक्रमांक के गोले न भरने पर या गलत भरने पर ओ.एम.आर. का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। अंकों में तथा गोले भरने में भिन्नता होने पर भी ओ.एम.आर. शीट का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
6. परीक्षार्थी को प्रत्येक सत्र के बाद उत्तरपुस्तिका वीक्षक को सौंपने के पश्चात एवं वीक्षक के निर्देश के पश्चात ही कक्ष छोड़ने की अनुमति होगी।

परीक्षा पश्चात कार्य प्रक्रिया :-

1. ऑफलाइन परीक्षा के उपरांत आयोग द्वारा निर्धारित समय पर परीक्षा में पूछे गये प्रश्न और उसके प्रावधिक उत्तरों की कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध होगी।
2. अभ्यर्थियों द्वारा आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन पध्दति से 07 दिवस की अवधि में प्रश्न पत्र से संबंधित प्रश्नों से आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। उक्त अवधि के पश्चात किसी भी अभ्यर्थी के अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा केवल ऑनलाइन प्राप्त आपत्तियों पर ही आयोग द्वारा गठित विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा विचार किया जाएगा। प्रति प्रश्न आपत्ति हेतु रुपये 100/- शुल्क देय होगा। आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क आपत्ति सही पाये जाने पर वापस किया जाएगा। **प्राप्त आपत्तियों पर विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा विचार कर निम्नलिखित अनुसार प्रश्न-पत्र से संबंधित प्रश्नों की त्रुटि निवारण की कार्यवाही की जाएगी-**
   - अ. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक उत्तर कुंजी में गलत उत्तर दिया गया है, और प्रश्न के वैकल्पिक उत्तरों में दूसरा सही उत्तर उपलब्ध है तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा।
   - ब. आपत्तियों के आधार पर निम्नलिखित अनुसार पाये गये प्रश्नों को प्रश्न पत्र से विलोपित किया जाएगा।
     (1) ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में सही उत्तर न हो।
     (2) ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर हो।
     (3) प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद में भिन्नता हो जिससे प्रश्न का मूल स्वरूप में परिवर्तन हो।
   - स. विषय-विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त ऑनलाइन प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी पर अभ्यर्थियों द्वारा किसी भी प्रकार के अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।
   - उ. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किये गये प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा।
3. सेट-2022 के प्रथम प्रश्न-पत्र (अनिवार्य) एवं द्वितीय प्रश्न-पत्र (ऐच्छिक) में से किसी भी प्रश्न पत्र में अनुपस्थित रहने वाले आवेदकों को अनर्ह माना जाएगा। उन अभ्यार्थियों का परीक्षा परिणाम तैयार नहीं किया जाएगा।

परिशिष्ट-6

निम्न पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध है-

M.P. STATE ELIGIBILITY TEST SET-2022

SYLLABUS AS PER U.G.C. NET & C.S.I.R. U.G.C. NET

S. No.	NAME OF SUBJECT	SYLLABUS IN Available Languages	SYLLABUS IN HINDI
00	अनिवार्य प्रथम प्रश्न-पत्र General Paper on Teaching & Research Aptitude	English	Hindi
	ऐच्छिक द्वितीय प्रश्न-पत्र		
1.	Arabic	Arabic	
2.	Chemical Sciences	English	
3.	Commerce	English	Hindi
4.	Computer Science & Application	English	
5.	Criminology	English	Hindi
6.	Defence & Strategic Studies	English	Hindi
7.	Earth Sciences	English	
8.	Economics	English	Hindi
9.	Electronics Science	English	
10.	English	English	
11.	Environmental Science	English	
12.	Geography	English	Hindi
13.	Hindi	Hindi	Hindi
14.	History	English	Hindi
15.	Home Science	English	Hindi
16.	Law	English	Hindi
17.	Library & Information Science	English	Hindi
18.	Life Science	English	
19.	Marathi	Marathi	
20.	Mathematical Sciences	English	
21.	Music	English	Hindi
22.	Performing Arts	English	Hindi
23.	Persian	Persian	
24.	Philosophy	English	Hindi
25.	Physical Education	English	Hindi
26.	Physical Science	English	
27.	Political Science	English	Hindi
28.	Psychology	English	Hindi
29.	Public Administration	English	Hindi
30.	Sanskrit	English	Hindi
31.	Sanskrit Traditional	Hindi	Hindi
32.	Social Work	English	Hindi
33.	Sociology	English	Hindi
34.	Urdu	Urdu	
35.	Visual Arts	English	Hindi
36.	Yoga	English	Hindi

परिशिष्ट-7

(दिव्यांगजन सह-लेखक का घोषणा-पत्र)

मैं यह घोषणा करती/करता हूँ कि अभ्यर्थी..... अनक्रमांक..... के सह लेखक के रूप में सेट-2022 की परीक्षा में सह-लेखक कार्य के लिए परीक्षा तिथि को उपस्थित हूं। मेरी शैक्षणिक योग्यता स्नातक/स्नातक से कम है। मैं वर्तमान में कक्षा की/का विद्यार्थी हूं। मैं अपनी अंतिम अंक सूची की छायाप्रति परीक्षा केन्द्राध्यक्ष को दे चुका/चुकी हूं जिसे उन्होंने परीक्षा केन्द्र में जमा करा दिया गया है। मैं परीक्षा कक्ष के अनुशासनात्मक सभी नियमों का पालन करूंगा/करूंगी। मेरे द्वारा असत्य जानकारी देने पर आयोग द्वारा की गई कार्यवाही मुझे मान्य होगी। मेरे द्वारा आयोग के विज्ञापन में उल्लेखित सह-लेखक के लिए मान्य परिचय-पत्र में से मेरे पास उपलब्ध परिचय-पत्र की छायाप्रति जमा करा दी गई है।

दिनांक.....

अभ्यर्थी के सह-लेखक हस्ताक्षर
नाम :- .....
पता :- .....

परिशिष्ट-8

(अभ्यर्थी द्वारा जमा किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची)

(केवल प्रावधिक रूप से सेट-2022 के प्रमाण पत्र के लिये अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर जारी सूचना के पश्चात अपने दस्तावेज लोक सेवा आयोग के सेट प्रकोष्ठ के कार्यालय में व्यक्तिशः या रजिस्ट्रर्ड/स्पीड पोस्ट डाक द्वारा निर्दिष्ट अन्तिम तिथि तक जमा कराना होंगे।)

- अ. जन्मतिथि संबंधी प्रमाण-पत्र केवल हाईस्कूल/हायर सेकेण्डी अथवा मैट्रीक्यूलेशन की अंकसूची/प्रमाण-पत्र जिसमें जन्म तिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।
- ब. शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण-पत्र- स्नातक एवं स्नातकोत्तर की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता सहित उन समस्त परीक्षाओं की अंकसूची जिन्हें अभ्यर्थी ने उत्तीर्ण किया है/समस्त वर्षो/सेमेस्टर की अंक सूचियां।
- स. शासकीय सेवक होने का प्रमाण पत्र यह प्रमाण-पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जारी होना चाहिए इस प्रमाण-पत्र में धारित पद तथा विभाग का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।
- द. निःशक्तता प्रमाण-पत्र : यह प्रमाण-पत्र जिला चिकित्सा मंडल द्वारा जारी होना चाहिये तथा न्यूनतम 40 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगजन प्रमाणित होना चाहिए।
- इ. जाति प्रमाण-पत्र अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग का स्थायी जाति प्रमाण-पत्र/ EWS/प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा उक्त प्रमाण-पत्र देने को अधिकृत है द्वारा जारी किया गया हो। आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें।
- ई. विवाहित महिलाओं का उनके नाम के साथ पिता का नाम उल्लेखित जाति प्रमाण-पत्र ही मान्य किया जाएगा। अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा ।
- उ. अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमीलेयर में न आने का प्रमाण भी आवश्यक है अर्थात् अन्य पिछड़ा वर्ग के जिन प्रमाण-पत्रों में क्रीमीलेयर में न आने संबंधी कंडिका कटी होगी या नहीं होगी ये प्रमाण-पत्र अन्य पिछड़ा वर्ग को देय छूटों हेतु मान्य नहीं होंगे।
- ऊ. अभ्यर्थी का घोषणा-पत्र।

परिशिष्ट-8/A

(अभ्यर्थी का घोषणा-पत्र)

मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि (अभ्यर्थी का नाम)..... पिता का नाम .....
मैं सेट-2022 की परीक्षा में अभ्यर्थी के रूप में शामिल हो रहा/रही हूं। मैं सेट- 2022 के पूर्व जिस विषय में सेट का आवेदन कर रहा/रही हूं उस विषय में मेरे द्वारा आज दिनांक तक सेट या यू.जी.सी. नेट या सी.एस.आई.आर., यू.जी.सी. नेट का पात्रता परीक्षा का प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं किया गया है। मैं यह घोषणा करती/करता हूं कि ऑनलाइन आवेदन पत्र में दी गई सभी जानकारी पूर्णतः सत्य है तथा उसका मैंने अपने दस्तावेजों से मिलान कर लिया है। मैंने सेट 2022 के विज्ञापन में वर्णित सभी शर्तों को ध्यान पूर्वक पढ़ लिया है तथा वह मुझे मान्य है यदि मेरे द्वारा दी गई कोई भी जानकारी असत्य पाई जाती है या उनका मेरे द्वारा प्रदत्त दस्तावेजों से मिलान नहीं हो पाता है या आयोग द्वारा दी गई निर्धारित समयावधि में दस्तावेज उपलब्ध कराने में असमर्थ रहता/रहती हूं तो मुझे सेट-2022 के अर्हता प्रमाण-पत्र से वंचित किया जा सकेगा व आयोग द्वारा प्रस्तावित की गई कार्यवाही मुझे मान्य होगी।

दिनांक.....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
(अभ्यर्थी का नाम)

जी-21922/48094/2023

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2019
दिनांक 10.01.2023

ऑनलाइन आवेदन अवधि	प्रवेश पत्र उपलब्धता अवधि	परीक्षा अवधि
दिनांक 23.01.2023 से दिनांक 22.02.2023 तक	दिनांक 10.04.2023	दिनांक 15.04.2023 से दिनांक 20.04.2023 तक

01 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2019 हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक 03/2019 दिनांक 14.11.2019 के संदर्भ में आयोजित की गई, प्रारंभिक परीक्षा का पुनरीक्षित परिणाम दिनांक 10.10.2022 को घोषित किया गया था ।

02 उक्त परिणाम के संदर्भ में मा. उच्च न्यायालय एकल पीठ द्वारा WP/23828/2022 में पारित निर्णय दिनांक 29.11.2022 के अनुपालन में केवल नवीन सफल अभ्यर्थियों हेतु राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 का आयोजन **दिनांक 15.04.2023 से दिनांक 20.04.2023 तक इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, शहडोल, छिंदवाड़ा, रतलाम, सतना, तथा बड़वानी (कुल 10)** स्थित परीक्षा केन्द्रों पर निम्नानुसार आयोजित की जाएगी :-

दिनांक	विषय	समय
15.04.2023	सामान्य अध्ययन-I	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
16.04.2023	सामान्य अध्ययन-II	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
17.04.2023	सामान्य अध्ययन-III	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
18.04.2023	सामान्य अध्ययन-IV	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
19.04.2023	सामान्य हिन्दी	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर पश्चात 1:00 बजे तक
20.04.2023	हिन्दी निबंध लेखन	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

टीप : इस संदर्भ में पुनः राज्य सेवा परीक्षा-2019 का पुनरीक्षित परिणाम यथाशीघ्र घोषित किया जाएगा। जिसमें उन नवीन अर्ह अभ्यर्थियों की जानकारी दी जाएगी जिनके लिए उक्त मुख्य परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। अभ्यर्थी इस हेतु आयोग की वेबसाइट का नियमित अवलोकन करें।

महत्वपूर्ण निर्देश :-

टीप :- (1) राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2019 प्रश्नोत्तर पुस्तिका (Structured Answer Copy/Question Answer Booklet) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। जिसमें अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका (Question Answer Booklet) में प्रश्न के नीचे उत्तर लिखने के लिए दिए गए स्थान पर ही निर्धारित शब्द सीमा में अपना उत्तर लिखना होगा। अन्यत्र किसी स्थान पर उत्तर लिखने पर अमान्य किया जाएगा। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 का पाठ्यक्रम, परीक्षा योजना एवं पूर्व की प्रश्नोत्तर पुस्तिका (Sample question answer booklet) अभ्यर्थियों के अध्यास हेतु वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

(2) परीक्षार्थियों की संख्या तथा प्रशासनिक कारणों से केन्द्रों की संख्या को कम किया जा सकता है।

(3) यह स्पष्ट किया जाता है कि पृष्ठ प्रश्न-पत्र **हिन्दी निबन्ध लेखन** प्रश्न-पत्र सभी अभ्यर्थियों को हिन्दी में ही हल करना होगा। अंग्रेजी माध्यम चयनित करने वाले अभ्यर्थियों को भी पृष्ठ प्रश्न-पत्र हिन्दी माध्यम से ही हल करना होगा।

02 अभ्यर्थियों को राज्य सेवा मुख्य परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र भरकर आवेदन एवं परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना। आवश्यक होगा मुख्य परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र **दिनांक 23.01.2023 (दोपहर 12:00 बजे) से 22.02.2023 (दोपहर 12:00 बजे) तक www.mponline.gov.in** तथा **www.mppsc.mp.gov.in** पर भरे जा सकते हैं। आवेदकों को मुख्य परीक्षा हेतु निम्नानुसार आवेदन एवं परीक्षा शुल्क देय होगा :

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) तथा दिव्यांगजन आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क
₹ 400/-	₹ 800/-
उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त पोर्टल शुल्क ₹ 40/- (सेवाकर सहित) अतिरिक्त देय होगा।	

आवेदन तथा परीक्षा शुल्क एवं पोर्टल शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य कोई राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्कधारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो एम.पी. आनलाइन से **हेल्पलाइन - 0755-6720200 तथा 0755-6720201** पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

03 **विलंब शुल्क सहित आवेदन** : आयोग की यह मान्यता है कि सभी अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन भर देंगे। अतः अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 22.02.2023 (दोपहर 12:00 बजे) तक ऑनलाइन आवेदन पत्र भर दें ताकि विलंब शुल्क के भुगतान की परिस्थिति उपस्थित न हो। अपरिहार्य कारणों से जो अभ्यर्थी अन्तिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन नहीं भर पाते हैं उनकी सुविधा हेतु अन्तिम तिथि के बाद विलंब शुल्क के साथ आवेदन की निम्नांकित व्यवस्था उपलब्ध करायी जा रही है :-

1. दिनांक 23.02.2023 से 01.03.2023 तक - ₹ 3000/-
2. दिनांक 02.03.2023 से 08.04.2023 तक - ₹ 25000/-

विशेष : 1. विलंब शुल्क की उपरोक्त राशि के साथ परीक्षा शुल्क तथा पोर्टल शुल्क का भुगतान पृथक से देय होगा।

2. ₹ 3000 विलंब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदनों में दिनांक 01.03.2023 तक तथा ₹ 25000 विलम्ब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदन पत्रों में दिनांक 08.04.2023 तक विहित शुल्क का भुगतान कर त्रुटि सुधार किया जा सकेगा।

04 आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र में दिनांक 25.01.2023 से दिनांक 24.02.2023 तक त्रुटि सुधार भी कर सकेंगे। त्रुटि सुधार अवधि के पश्चात आवेदन पत्र में कोई सुधार नहीं किए जा सकेंगे। त्रुटि सुधार हेतु प्रति सुधार सत्र ₹ 50/- (सेवाकर सहित) देय होंगे। जिन आवेदकों द्वारा मुख्य परीक्षा हेतु अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन पत्र नहीं भरे जाएंगे राज्य सेवा परीक्षा 2019 हेतु उनकी उम्मीदवारी स्वयमेव समाप्त हो जाएगी एवं इस संदर्भ में कोई अभ्यावेदन मान्य न करते हुए उन्हें नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा। **आवेदन भरने/ त्रुटि सुधार की समस्त प्रक्रिया ONLINE है। निर्धारित समयावधि के पश्चात इस संबंध में कोई भी आवेदन (ONLINE / OFFLINE) मान्य नहीं किया जाएगा।**

05 मुख्य परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र दिनांक 10.04.2023 से **www.mponline.gov.in** तथा **www.mppsc.mp.gov.in** पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे। प्रवेश पत्र डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से प्रेषित नहीं किये जाएंगे। प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु आवेदक mponline के अधिकृत कियोस्क का भी उपयोग कर सकते हैं। कियोस्क के माध्यम से प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु ₹ 5/- पोर्टल शुल्क देय होगा।

06 आवेदक कृपया ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश पत्र के साथ निम्न मान्य फोटो युक्त मूल पहचान पत्र प्रस्तुत करने एवं उससे पहचान की पुष्टि होने के पश्चात ही परीक्षा देने की अनुमति मिलेगी :-

1. मतदाता परिचय पत्र	2. आधार कार्ड (फोटोकॉपी मान्य)	3. ड्रायविंग लायसेंस
4. आयकर का पेन कार्ड	5. पासपोर्ट	6. फोटो सहित बैंक पासबुक
7. केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय एवं अन्य नियोक्ताओं द्वारा जारी फोटो युक्त सेवा पहचान पत्र		
8. शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत आवेदकों के मामले में शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा अधिकतम तीन वर्ष पूर्व जारी फोटो पहचान पत्र		
9. राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय-पत्र		

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 में सामान्य अध्ययन के चार प्रश्न-पत्र तथा सामान्य हिन्दी एवं हिन्दी निबन्ध लेखन के दो प्रश्न-पत्र होंगे। सामान्य अध्ययन के चारों प्रश्नपत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम में तथा शेष दोनों प्रश्न-पत्र (सामान्य हिन्दी तथा हिन्दी निबन्ध लेखन) केवल हिन्दी माध्यम में होंगे। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के आवेदन-पत्र में अभ्यर्थियों को सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्रों के भाषा विकल्प (हिन्दी अथवा अंग्रेजी) का चयन करना होगा।

08 राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 की परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** में प्रकाशित किया गया है।

जी-21728/48089/2023 **सचिव**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1386
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 526/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 12.01.2023**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 25.01.2023** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2022_WRD_237652	उमरिया जिले के अपलेखित किये गये शासकीय नलकूपों में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील वि./यां. सामग्री की नीलामी।	रीवा	1.54
2.	2023_WRD_237733	सिंहपुर बैराज की धरमपुरा वितरिका नहर की आर.डी. 2110 मी. पर डी.आर.वी. का निर्माण कार्य।	छतरपुर	4.53
3.	2022_WRD_237864	वि./यां. उपसंभाग सतना के भण्डार में रखी हुई अनुपयोगी एवं क्षयशील अपलेखित टी एन्ड पी. सामग्री की नीलामी।	रीवा	0.42
4.	2022_WRD_239701	परसोडी माइनर के चैन क्र. 0 से 82 का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	2.00
5.	2022_WRD_239702	भुरसाडोंगरी लघु जलाशय के चैन क्रमांक-4 एवं 17 के स्लूस का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	8.32
6.	2022_WRD_239704	वारामेन लघु जलाशय के वेस्टवियर का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	7.80
7.	2022_WRD_239705	उपसंभागीय भवन लांजी का मरम्मत कार्य।	बालाघाट	6.85
8.	2022_WRD_241007	विभिन्न संभागों के जलद्वारों का प्रदाय एवं फेविकेशन कार्य।	भोपाल	17.14
9.	2022_WRD_241010	विभिन्न संभागों के नहर जलद्वारों का प्रदाय एवं फेविकेशन कार्य।	भोपाल	19.81
10.	2022_WRD_241028	ईशाकपुर गेटेड वियर पर क्षतिग्रस्त पी शेप रबर सील का प्रदाय एवं फिक्सिंग कार्य।	मंदसौर	0.36
11.	2022_WRD_241031	मोल्याखेड़ी स्टॉप डेम पर क्षतिग्रस्त पी शेप रबर सील का प्रदाय एवं फिक्सिंग कार्य।	मंदसौर	0.99
12.	2022_WRD_241033	मुंजाखेडी तालाब का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	मंदसौर	3.09
13.	2022_WRD_241034	सोमिया तालाब का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	मंदसौर	6.99
14.	2022_WRD_241091	माही परियोजना की मुख्य नहर की आर.डी. 0 से 17 कि.मी. एवं शाखा नहर 1 से 32 कि.मी नहर पार्श्व में जहां है जैसी उपलब्ध हार्ड रॉक का विक्रय (छटवां आमंत्रण)	झाबुआ	17.70
15.	2022_WRD_241115	कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग क्र. 02 निवास का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	मंडला	4.77
16.	2022_WRD_241192	पिलुआ डेम के मोटर पैनल एवं ग्रेन्ट्री क्रेन का मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	5.94
17.	2022_WRD_241197	विभिन्न संभागों के जलद्वारों के लिए डब्ल्यू डब्ल्यू 90 हेड स्टॉक (63 एमएम डाया नट) के प्रदाय, काष्टिंग, मशीनिंग एवं असेम्बली का कार्य।	भोपाल	19.51
18.	2022_WRD_241576	बाणसागर सिंहावल नहर के आर.डी. 63.00 कि.मी. एवं 65.00 कि.मी. में स्थापित स्केप गेट एवं सी.आर. गेट का मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	शहडोल	3.36
19.	2022_WRD_241577	बाणसागर गुफ - मऊगंज उद्वहन सिंचाई योजना में स्थापित वी.टी. पम्प नम्बर 3 के वेयरिंग बदलीकरण का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	शहडोल	1.46
20.	2022_WRD_241716	बरखेड़ा बांध के निकट ग्राम टोल में एल.टी लाइन एक्सटेंशन एवं नवीन 11 के.वी. लाइन, 25 के.वी.ए. डी.टी.आर. एवं डी.पी. स्ट्रक्चर का स्थापना कार्य।	धार	5.13
		कुल योग		**137.71**

जी-21744/48091/2023 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स से प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा

भोपाल, मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन से प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। भोपाल सहित इन्दौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मण्डला, महेश्वर और बालाघाट में होने वाले आयोजनों से प्रदेश के सभी जिलों के युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर्स को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 30 जनवरी से शुरू होने वाले खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2022 की तैयारियों की समीक्षा के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम का शुभारंभ भोपाल के ताल्या टोपे स्टेडियम में 30 जनवरी को करेंगे। केन्द्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित होंगे। शुभारंभ कार्यक्रम में लगभग 21 हजार लोग सम्मिलित होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के खेलों के प्रति दृष्टिकोण पर प्रस्तुतिकरण भी होगा।

साथ ही तिरंगा लाइट शो, महाकाल और नर्मदा नदी पर विशेष प्रस्तुति होगी। सुप्रसिद्ध कलाकार अभिलिप्सा पांडा द्वारा हर-हर शंभु तथा नटराज ग्रुप द्वारा तांडव नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रदेश के विभिन्न अंचलों के नृत्य और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' थीम पर नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक शान, नीति मोहन तथा वैनीदयाल, देशभक्ति और खेलों पर आधारित गीत प्रस्तुत करेंगे। साथ ही जी-20 देशों के ध्वजों के साथ "वसुधैव कुटुम्बकम्" की थीम पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा और भव्य आतिशबाजी भी होगी।

जी-20 से भारत वैश्विक समस्याओं के निराकरण की आवाज बनेगा

भोपाल, भारत ने जिस प्रकार कोविड संकट के दौरान सारे विश्व को कोविड वैक्सीन उपलब्ध करवाकर मानवता की सेवा की, उसी प्रकार जी-20 के माध्यम से भारत विश्व के समक्ष आ रही चुनौतियों और समस्याओं के समाधान के लिये विश्व की आवाज बनेगा। समावेशी विकास, समावेशी वित्त और समानता मौजूदा समय की सबसे बड़ी आवश्यकताएं हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण के लिये जीवन मूल्य का जो मंत्र दिया है, उसे जी-20 के माध्यम से विश्व के कोने-कोने में पहुंचाया जायेगा। विश्व की गरीब जनसंख्या को ध्यान में रखकर नवीकरण और नियोजन पर अधिक ध्यान दिया जाये। विश्व के लिये नया विकास एजेंडा भारत बनायेगा।

भारत में होने वाली जी-20 समिट के परिप्रेक्ष्य में विशेष थिंक-20 कार्यक्रम में कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में "पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली के समावेशी विकास" विषय पर हुए प्लेनरी सेशन में वक्ताओं ने यह बात प्रमुखता से रखी। सत्र की अध्यक्षता इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स, साउथ अफ्रीका, प्रोफेसर एलिजाबेथ सिडिरोपोलस ने की।

प्रमुख वक्ता के रूप में कोलंबिया यूनिवर्सिटी, यूएसए के सेंटर ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट के निदेशक प्रोफेसर जैफ्रे डी सैश ऑनलाइन शामिल हुए। प्रोफेसर सैश ने कहा कि आज विश्व के समक्ष आर्थिक चुनौतियों के समाधान के लिये वैश्विक वित्तीय संरचना की आवश्यकता है। इस कार्य में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डेव्लपमेंट अल्टरनेटिव्स संस्था दिल्ली के प्रोफेसर अशोक खोसला ने कहा कि जी-20 वह मंच है, जिसके माध्यम से हम विश्व के समक्ष आ रही समस्याओं यथा आतंकवाद, प्रदूषण, जीवन-पद्धति, जीवन-मूल्य, जलवायु परिवर्तन, प्रजातियों का विलोपन, मंदी आदि का निराकरण कर सकते हैं। हमें दुनिया को "इक्सट्रेवल ग्रीन फ्यूचर" देना होगा। पूरे विश्व और लोगों की समृद्धि हमारा लक्ष्य है।

वांग्लादेश से आये सीवीएफ संस्था के श्री अबुल कलाम आजाद ने वर्चुअल माध्यम से कहा कि आज विश्व को जलवायु समृद्धि योजना (क्लाइमेट प्रोसपेरिटी प्लान) अपनाना होगा। यह प्रकृति आधारित योजना है, जिसे वांग्लादेश ने अपनाया है। इसके माध्यम से प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों के लिये रोजगार के अवसर बनाये जाते हैं। यह योजना वन अर्थ - वन फैमिली - वन फ्यूचर की जी-20 की अवधारणा को पूरा करती है।

संत रविदास जयंती से आरंभ होंगी विकास यात्राएं - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मंत्रीगणों के साथ बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, संत रविदास जी की जयंती पांच फरवरी से प्रदेश में विकास यात्राओं का क्रम आरंभ होगा। संत रविदास को नमन कर विकास यात्राएं शुरू की जाएंगी। विकास यात्रा में पूर्ण निर्माण कार्य का लोकार्पण तथा जो निर्माण कार्य शुरू करने हैं उनका प्रभारी मंत्री द्वारा शिलान्यास किया जाएगा। विकास यात्रा में हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान करने के साथ उनसे संवाद के लिए गांव या ग्राम पंचायत स्तर पर हितग्राही सम्मेलन होंगे। विकास यात्रा का रूट प्रभारी मंत्री तय करेंगे। मंत्रीगण विकास यात्रा के पहले दो दिन सघन दौरा अवश्य करें। शासन की विकास गतिविधियों और जन-कल्याणकारी कार्यों का लाभ जनता को निश्चित समय-सीमा में बिना किसी परेशानी के मिले यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। विकास यात्रा में हितग्राहियों से इन विषयों पर संवाद अवश्य किया जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज चौहान ने भोपाल में मंत्रीगण के साथ बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। सभी संभागायुक्त तथा जिला कलेक्टर बैठक में वर्चुअली सम्मिलित हुए।

मंत्री हितग्राहियों से संवाद अवश्य करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण के दौरे और विकास यात्रा प्रभावी हों, यह हमारी प्राथमिकता है। विकास यात्रा 5 फरवरी से शुरू होकर 20 फरवरी तक चलेगी, आवश्यकता होने पर विकास यात्रा की अवधि को प्रभारी मंत्री अधिकतम 25 फरवरी तक बढ़ा सकते हैं। विकास यात्रा में मंत्रीगण निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और पूर्ण होने की समय-सीमा, जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति और संतुष्टि स्तर के लिये हितग्राहियों से संवाद अवश्य करें। विकास यात्रा में सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा विभिन्न समाजों के प्रबुद्धजन से भी चर्चा की जाए। विकास यात्रा में जिला मुख्यालय के साथ विकासखंड स्तर तक दौरे होंगे और भी मंत्री लौटने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

जिला प्रशासन को दिए गए निर्देश

श्री चौहान ने विकास यात्रा के संबंध में जिला प्रशासन को आवश्यक व्यवस्था तथा समन्वय संबंधी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों तथा जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में राज्य स्तर पर जिले के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से समाधान कराया जाए। जिले के उत्कृष्ट कार्यों के प्रचार तथा अन्य स्थानों पर उनके अनुकरण को प्रोत्साहित किया जाए। शिक्षण संस्थाओं, छात्रावासों, आंगनवाड़ी, विद्युत और पेयजल व्यवस्था, जल जीवन मिशन के रेस्टोरेशन के कार्यों का निरीक्षण भी विकास यात्रा में होगा।

सामाजिक तथा स्वयंसेवी संस्थाओं को गणतंत्र दिवस उत्सव से जोड़ा जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस, जन-उत्सव के रूप में मनाया जाए। गणतंत्र दिवस उत्सव में शिक्षण संस्थाओं के साथ जिलों में सक्रिय सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और विभिन्न समाजों के प्रमुख व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित कर उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उत्सव के लिए 25 जनवरी से गतिविधियां आरंभ की जाएं। इसके लिए स्वच्छता अभियान तथा जागरूकता संबंधी गतिविधियों का संचालन भी हो।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव, जल-संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल, खनिज साधन मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदौरिया, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग, नर्मदा घाटी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री तुलसी सिलावट, सामान्य प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इंदर सिंह परमार, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल, जल-संसाधन एवं आयुष राज्यमंत्री श्री राम किशोर कांवरे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्यमंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव, लोक निर्माण राज्यमंत्री श्री सुरेश धाकड़ और नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओ.पी.एस. भदौरिया उपस्थित थे।

समाज के सहयोग से जबलपुर को बनायेंगे नम्बर वन -मुख्यमंत्री

जबलपुर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जबलपुर की समृद्ध विरासत है। यह मां नर्मदा, रानी दुर्गावती का शहर है। यहां त्रिपुरी कांग्रेस हुई थी। उद्योग, निवेश, पर्यटन, रेडीमेड गारमेंट आदि क्षेत्रों में यहां अपार संभावनाएं हैं। सरकार के संसाधन और समाज के सहयोग से इसे नम्बर वन बनाना है। जबलपुर, इंदौर के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करे। यहां की जनता अगर ठान ले तो निश्चित रूप से जबलपुर प्रगति और विकास के नये अध्याय लिखेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में नगर एवं क्षेत्र के विकास के लिये सामाजिक संगठनों और जन-प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन चर्चा के दौरान कहीं। चर्चा के दौरान कई महत्वपूर्ण सुझाव आये। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सुझाव पर तत्परता के साथ अमल कर न केवल जबलपुर नगर, बल्कि संपूर्ण क्षेत्र के विकास का रोडमैप बना कर कार्य किया जायेगा।

श्री चौहान ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर की सारी दुनिया में चर्चा है। इंदौर ने यह मुकाम केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनता के सहयोग से प्राप्त किया है। इंदौर के हर नागरिक में यह भावना है कि उसे अपने घर, मोहल्ले और नगर को स्वच्छ रखना है। जब तक आम नागरिक के मन में यह भाव नहीं जागता, पूरा विकास संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार मैं गणतंत्र दिवस प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में मनाऊंगा। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल रस्मी न रहे, बल्कि जनता का पर्व और त्योहार बने। इस पर्व से जन-मानस जुड़े। श्री चौहान ने कहा कि मैं जबलपुर के सामाजिक संगठनों, जन-प्रतिनिधियों और वरिष्ठजनों से चर्चा करने यहां आया हूं। जबलपुर की प्रगति एवं विकास के लिये सभी के सहयोग से समग्र प्रयास किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री के समक्ष सर्वप्रथम नन्ही बालिका शैल्वी ने नगर को स्वच्छ बनाने के लिये वक्तव्य दिया। मुख्यमंत्री ने उसकी बातों को ध्यान से सुना और सराहा। उन्होंने कहा कि जबलपुरवासी अपनी कॉलोनी, बाजार, क्षेत्र को स्वच्छ बनायें। इसके लिये प्रतिस्पर्धा हो। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने घोषणा की कि वे जन-सहयोग से जबलपुर के सभी 35 चौराहों का सौंदर्यीकरण करेंगे।

ऊर्जस पोर्टल पर बिजली कनेक्शन लेने की नई प्रक्रिया निर्धारित

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र अंतर्गत भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के उपभोक्ताओं को नवीन बिजली कनेक्शन सुगमता से मिलें, इसके लिए कंपनी द्वारा ऊर्जस पोर्टल पर कनेक्शन लेने की नई प्रक्रिया निर्धारित कर दी गई है। अब उपभोक्ताओं को नवीन कनेक्शन के आवेदन के साथ ही रजिस्ट्रेशन, सुरक्षा निधि, सप्लाई अफोर्डेंग एवं मीटर शुल्क संबंधी डिमांड नोट जारी हो जाएगा। इससे उपभोक्ताओं को त्वरित बिजली कनेक्शन मिलेगा, जिससे कनेक्शन की प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होने से उपभोक्ताओं को बचत होगी।

गौरतलब है कि पूर्व में उपभोक्ताओं को कनेक्शन लेने के लिये आवेदन करने के बाद कंपनी द्वारा परिसर का परीक्षण, विद्युत लाईन की स्थिति एवं आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने के बाद मांग-पत्र जारी किया जाता था। इसके अनुसार उपभोक्ता द्वारा राशि जमा करने के बाद अनुबंध संपादित कर सर्विस लाईन पूर्ण करने तथा टेस्ट रिपोर्ट जमा करने की लंबी प्रक्रिया की जाती थी। कंपनी द्वारा इस प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने के लिए ऊर्जस पोर्टल पर नवीन प्रक्रिया निर्धारित की है, जिससे एक ओर उपभोक्ताओं को कम समय में नवीन कनेक्शन उपलब्ध होगा और दूसरी ओर कंपनी को भी राजस्व हानि से बचाया जा सकेगा।

नवीन कनेक्शन हेतु आवेदन की प्रक्रिया

नवीन कनेक्शन हेतु कंपनी के पोर्टल https://nsc.mpcz.in:8080/urjasmpcz/home पर उपलब्ध लिंक पर अपने नाम, पता, ईमेल, मोबाइल नंबर, श्रेणी सहित अन्य जरूरी जानकारी मय दस्तावेजों के साथ भरनी होगा। आवेदक द्वारा वैध कॉलोनी में नवीन कनेक्शन हेतु आवेदन में प्रस्तुत जानकारी के आधार पर डिमांड नोट जारी होगा, जिसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क, सुरक्षा निधि, सप्लाई अफोर्डिंग एवं मीटर शुल्क संबंधी नोट जारी होगा। इसका भुगतान ऑनलाइन किया जा सकेगा। आवेदक द्वारा भरे गये आवेदन का एनएससी नंबर जनरेट होगा जो डिमांड नोट पर दर्शाया जाएगा। इस नंबर के आधार पर वितरण केन्द्र की पीओएस मशीन, एमपी ऑनलाइन पोर्टल अथवा केियोस्क के माध्यम से भुगतान किया जा सकेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आम जनता तक पहुंचायें

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भोपाल में हो रहे आठवें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का उपयोग प्रदेश के विद्यार्थियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में किया जाए। महोत्सव से बड़ी संख्या में स्कूली तथा महाविद्यालयीन स्तर के विद्यार्थियों को जोड़ा जाए। वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने तथा विज्ञान के नये रुझानों की ओर युवाओं को आकर्षित करने में इस आयोजन से सहायता मिलेगी। प्रयास यह हो की विद्यार्थियों को इस आयोजन से प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त हो। महोत्सव में भारत के प्राचीन वैज्ञानिक योगदान और दृष्टिकोण को भी प्रस्तुत किया जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित एक बैठक में कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये।

विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धियों का प्रचार हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग कर मध्यप्रदेश के युवाओं द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों का प्रचार किया जाए। महोत्सव में होने वाली विभिन्न गतिविधियों से प्रदेश के सभी विज्ञान महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई आदि को बर्चुअली जोड़ा जाए। महोत्सव में अद्वैत वेदांत को विज्ञान से संबद्ध करते हुए प्रस्तुत करें। युवा पीढ़ी को यह बताने की आवश्यकता है कि धर्म और विज्ञान एक दूसरे के विरोधी नहीं अपितु पूरक हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि आठवां अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव मेनिट भोपाल में किया जा रहा है। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा विज्ञान भारती द्वारा किये जा रहे इस कार्यक्रम का स्थानीय स्तर पर मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा समन्वय किया जा रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित कर आम जनता तक पहुंचाना और विज्ञान को उत्सव के रूप में मनाना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम के 15 प्रमुख घटक होंगे। इसमें भारतीय कारीगरों की प्रौद्योगिकी पर केंद्रित आर्टिसंस टेक्नोलॉजी विलेज-वोकल फॉर-लोकल, शोधकर्ताओं के बीच वैचारिक आदान-प्रदान के लिए फेस टू फेस विथ न्यू फ्रांटियर्स इन साइंस, गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स, इंटरनेशनल साइंस फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया, मेगा साइंस एंड टेक्नोलॉजी एग्जीविशन, नेशनल सोशल ऑर्गेनाइजेशन एंड इंस्टीट्यूशंस मीट, न्यू एज टेक्नोलॉजी शो, साइंस थ्रू गेम्स एंड टॉयज़, स्टार्टअप कॉनक्लेव, स्टेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल्स कॉनक्लेव, स्टूडेंट इनोवेशन फेस्टिवल, स्टूडेन्ट्स साइंस विलेज, वैज्ञानिका-साइंस लिटरेचर फेस्टिवल, यंग साइंटिस्ट कॉन्क्लेव, मेंटरिंग एंड काउंसिलिंग साईंटिफिक डिस्कशन सम्मिलित हैं।

प्रधानमंत्री के साझा अनुभवों एवं विचारों को आत्मसात करें विद्यार्थी

सभी विद्यालयों में होगा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

भोपाल, स्कूल शिक्षा एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रतिवर्ष 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम के माध्यम से परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए विद्यार्थियों से संवाद करते हैं। प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षार्थियों के तनाव को दूर करने के उपायों एवं स्वयं के अनुभवों को साझा करने से छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही अनुभवों एवं विचारों का अनुसरण विद्यार्थियों में आत्म-विश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा से जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्यक्रम में देश भर से विद्यार्थी, शिक्षक तथा अभिभावक वर्चुअल माध्यम से जुड़ते हैं।

बच्चों को परीक्षा से तनाव मुक्ति का गुर सिखायेंगे प्रधानमंत्री

स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'परीक्षा पर चर्चा' छठे संस्करण संवाद अंतर्गत प्रतिवर्ष की भांति विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा शिक्षकों से चर्चा करेंगे और बच्चों को परीक्षा से तनाव मुक्ति के गुर सिखाएंगे। इससे छात्रों को उनकी सभी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम बनाया जा सके। अपनी अनूठी और आकर्षक शैली में प्रधानमंत्री श्री मोदी विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब भी देते हैं। यह कार्यक्रम विगत चार वर्षों से निरंतर हो रहा है।

मध्यप्रदेश के विद्यार्थी भी सम्मिलित होंगे परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में

श्री परमार ने बताया कि 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम 27 जनवरी को प्रातः 11 बजे से नई दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के चयनित विद्यार्थी भी सम्मिलित होंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन द्वारा किया जाएगा। प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा, जिससे प्रधानमंत्री श्री मोदी के उद्बोधन से प्रदेश के अधिकाधिक विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक लाभन्वित हो सकें। आयुक्त लोक शिक्षण को 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम में प्रदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की अधिकाधिक उपस्थिति सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है।

भारतीय परंपराओं एवं मान्यताओं पर अनुसंधान करने की आवश्यकता

भोपाल, इंण्यावर अवॉर्ड-मानक 2021-22 राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी वर्ष मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों के वैज्ञानिक विचार एवं दृष्टिकोण के सामर्थ्य की परिचायक है। विगत 2 वर्ष से लगातार सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल कर विद्यार्थियों ने प्रदेश का गौरव बढ़ाया है, इसके लिए प्रदेश के नन्हें वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं। भारत के ज्ञान-विज्ञान का इतिहास प्राचीन है, यहां की प्राचीन परम्पराएं एवं मान्यताएं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समाहित किए हुए हैं। प्रचलित परंपराओं एवं मान्यताओं पर अनुसंधान करने की आवश्यकता है। ये बातें स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने आजादी के अमृत महोत्सव के परिप्रेक्ष्य में एलएनसीटी विश्वविद्यालय, भोपाल में इंण्यावर अवॉर्ड मानक 2021-22 राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

श्री परमार ने कहा कि भारतीय समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित मान्यता एवं परम्परा आज भी विद्यमान है। भारत ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में हमेशा से मजबूत रहा है। युवा पीढ़ी को अपनी मातृभूमि के गौरव एवं उपलब्धियों पर गर्व करना चाहिए। युवा विद्यार्थी भारत के भावी कर्णधार हैं, जो स्वामी विवेकानंद के सपनों के भारत के शिल्पकार हैं। भारत को आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक सर्व-शक्तिशाली, सर्व-संपन्न और जगतगुरु बनाने के लिये देश के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान

"संस्कृत भवनम्"

गेट वे ऑफ एक्सीलेंस फॉर संस्कृत

प्रदेश के विद्यार्थियों के लिये संस्कृत भाषा एवं साहित्य के साथ आधुनिक विषयों की उच्च गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क तथा आवासीय शिक्षा

शासकीय आदर्श कन्या आवासीय संस्कृत विद्यालय, भोपाल
कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु

विद्यालय की कक्षा 12वीं की 05 बालिकाओं का HCL कंपनी में प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से चयन

कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु

- श्री हरि त्रयम्बकेश्वर महादेव शास. बालक आवासीय संस्कृत विद्यालय, जिला - डिण्डोरी
- महर्षि वशिष्ठ, शासकीय आदर्श आवासीय संस्कृत विद्यालय सोहनगढ़, जिला - रतलाम

कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश हेतु

- शासकीय आदर्श संस्कृत विद्यालय, जिला - दतिया
- शासकीय आदर्श संस्कृत उ.मा. विद्यालय सिरोंज, जिला - विदिशा

- कक्षा 6ठीं से 12वीं तक संस्कृत भाषा एवं साहित्य की निःशुल्क शिक्षा
- परिपूर्ण सुविधायुक्त आवासीय छात्रावास
- निःशुल्क भोजन की व्यवस्था
- खेल/योग/स्काउट-गाइड/संगीत/ नाट्यशास्त्र की पाठ्येत्तर गतिविधियां
- सभी कक्षाओं में अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण भी
- विशेष प्रोजेक्ट/कार्यशालाओं के अंतर्गत छात्रों हेतु सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट प्लान
- छात्रों में अंतर्निहित क्षमता के विकास हेतु पृथक-पृथक कार्यक्रम
- परम्परागत संस्कृत के साथ कक्षा 6ठीं से 12वीं तक NCERT पाठ्यक्रम आधारित उच्च गुणवत्ता युक्त आधुनिक विषयों गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन में शिक्षण

परीक्षा तिथि - 26 फरवरी, 2023 (रविवार)

परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि - 18 फरवरी, 2023 (शनिवार)
परीक्षा केन्द्र - जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

विस्तृत जानकारी हमारी वेबसाइट https://www.mpssbhopal.org पर देखें।
आवेदन एम.पी. आनलाइन www.mponline.gov.in अथवा हमारी वेबसाइट https://www.mpssbhopal.org पर कर सकते हैं।

आवेदन शुल्क रु. 100/- निर्धारित है जो एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क पर देना होगा, इसमें कियोस्क शुल्क भी सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी राशि नहीं देनी होगी। कक्षा 6ठीं में प्रवेश हेतु कक्षा 5वीं में उत्तीर्ण अथवा 5वीं में अध्ययनरत एवं कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु कक्षा 8वीं में उत्तीर्ण अथवा 8वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में भाग लेने हेतु पात्र हैं।

नोट :- परीक्षा के प्रवेश पत्र हमारी वेबसाइट https://www.mpssbhopal.org अथवा www.mpsos.nic.in से डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश पत्र पर परीक्षा केन्द्र आदि की जानकारी अंकित होगी।

R-48102 मध्यप्रदेश माध्यम/108180/2023

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता बढ़ायी जाये - मुख्य सचिव

भोपाल, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस की अध्यक्षता में गत दिनों राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में वित्तीय मामलों से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर चर्चा की गई। हाल ही में प्राप्त शिकायतों का विश्लेषण रिजर्व बैंक द्वारा समिति सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

मुख्य सचिव श्री बैंस ने कहा कि वित्तीय मामलों में प्राप्त होने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक वित्तीय साक्षरता को भी बढ़ाया जाये। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी की रोकथाम के तंत्र को और अधिक मजबूती प्रदान करें।

बैठक में डिजिटल लैंडिंग ऐप्स से जुड़ी बढ़ती शिकायतों से निपटने के तरीकों और साइबर धोखाधड़ी पर चर्चा की गई। इस संबंध में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधियों से समिति को अहम जानकारियाँ प्राप्त हुईं। समिति सदस्यों को इस संबंध में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा हाल ही में उठाये गये कदमों से अवगत कराया गया। सदस्यों के बीच अंतर विनियामक समन्वय में सुधार के लिए मार्केट इंटेलीजेंस संबंधी इनपुट साझा किए गए। अपेजीकृत/अवैध निवेश के बढ़ते मामलों को कम करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने पर जोर दिया गया। बैठक में राज्य में निवेश सलाहकार फर्मों पर चर्चा की गई। साथ ही रिज़र्व बैंक द्वारा डिजिटल लेंडिंग ऐप्स की व्हाइट लिस्टिंग पर भी जानकारी दी गई।

बैठक में मध्यप्रदेश शासन के गृह, वित्त एवं विधि-विधायी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, संचालक संस्थागत वित्त, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न जांच संस्थाओं, राज्य शासन एवं पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न नियामकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश को सेतु बंधन योजना के लिए मिले 162.84 करोड़ रूपये

भोपाल, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सेतु बंधन योजना में मध्यप्रदेश के लिए चार महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। यह विकास परियोजनाएं भोपाल, सिवनी और ग्वालियर जिलों के लिए हैं।

छोला रेलवे ओवर ब्रिज काली परेड से अयोध्या बायपास भोपाल के निर्माण के लिए मंत्रालय ने 32 करोड़ 44 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। इसी प्रकार रेलवे ओवर ब्रिज नेशनल हाई-वे नंबर-7 सिवनी सिटी जिला सिवनी के लिए 126 करोड़ 40 लाख रुपए स्वीकृत किये हैं। यह राशि केंद्रीय सड़क और अधोसंरचना कोष अधिनियम 2000 सेतु बंधन योजना में स्वीकृत की गई है।

इसी प्रकार मंत्रालय ने सेतु बंधन योजना में रेलवे अंडर ब्रिज डबरा रेलवे स्टेशन के पास हरिशंकरपुरम से महलगांव रेलवे ट्रैक ग्वालियर और मोहना रेलवे ओवरब्रिज ग्वालियर के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने केंद्र सरकार को उक्त कार्यों की स्वीकृति के लिये धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इससे जिलों के विकास को और ज्यादा गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से मध्यप्रदेश को सड़क अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में पूरा सहयोग मिल रहा है। बढ़ती सड़क अधोसंरचना से मध्यप्रदेश देश की अर्थव्यवस्था में भरपूर योगदान देने में सक्षम बनेगा।

जबलपुर में गणतंत्र दिवस समारोह में सभी वर्गों को जोड़ा जाये - मुख्यमंत्री

शहर और जिले के प्रति लोगों में पैदा हो गर्व की भावना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर में गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये।

जबलपुर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि इस भव्य आयोजन से जिले के सभी नागरिकों, युवाओं, समाजसेवी, स्वयंसेवी संगठनों और जन-प्रतिनिधियों को जोड़ा जाये, जिससे लोगों में शहर और जिले के प्रति गर्व की भावना पैदा हो।

मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस समारोह को ऐतिहासिक बनाने जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के आमजन साक्षी बने इसके लिये जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न आयोजनों से वातावरण तैयार किया जाये। श्री चौहान ने स्वच्छता की थीम पर होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व तैयारियों के तहत लोगों से अपने गली, मोहल्ले और वार्ड की साफ-सफाई को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत बताई। उन्होंने जबलपुर में खेलो इंडिया के आयोजन की तैयारियों की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन में भी पूरे शहर की भागीदारी हो। ऐसा माहौल तैयार हो, जिसमें यहां विभिन्न राज्यों से आने वाले खिलाड़ी और मेहमानों के बीच जबलपुर की अच्छी छवि बने और देश में इसकी पहचान बने।

बैठक में जबलपुर कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने पॉवर प्रजेंटेशन के माध्यम से गणतंत्र दिवस समारोह में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य और ऐतिहासिक बनाने समाज के सभी वर्गों, नागरिकों, स्वयंसेवी एवं समाज सेवी संगठनों, औद्योगिक एवं व्यापारिक संघों तथा जन-प्रतिनिधियों के सहयोग से यहां की ऐतिहासिक इमारतों, राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, चौराहों और सड़कों को सजाया-संवारा जा रहा है। साथ ही नागरिकों के सहयोग से घरों और प्रतिष्ठानों में गणतंत्र दिवस पर रोशनी की जायेगी। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं सभी शासकीय भवनों को सजाया संवारा जा रहा है।

बैठक में लोक निर्माण मंत्री एवं जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोपाल भार्गव, सांसद श्री राकेश सिंह, विधायक श्री अजय विश्नोई एवं श्री अशोक रोहाणी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जीतेन्द्र जामदार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बरकड़े, श्री अभिलाष पांडे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उमेश जोगा, उप पुलिस महानिरीक्षक आरआरएस परिहार सहित जन-प्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन, नगर निगम आयुक्त आशीष वशिष्ट, जिला पंचायत की सीईओ डॉ. सलोनी सिडाना, स्मार्ट सिटी की सीईओ निधि सिंह राजपूत एवं मुख्य अभियंता लोक निर्माण एससी वर्मा मौजूद थे।

जी-20 समिट

सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में भारत का मॉडल ऐतिहासिक

भोपाल, जी-20 के सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में स्थानीयकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है और इसमें सरकार, समाज और निजी संगठनों का त्रिकोणीय सहकार आवश्यक है। इसके द्वारा हम वैश्विक परिदृश्य बदल सकते हैं। त्रिकोणीय सहकार में भारत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। कोविड महामारी और यूक्रेन संकट के समाधान में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में भारत का मॉडल ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यूगांडा में वर्ष 2018 में स्थानीय क्षमता को अधिक से अधिक बढ़ाने पर जोर दिया था। सतत विकास के 2030 एजेंडे को पूरा करने की दिशा में भारत तेजी से बढ़ रहा है।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर जी-20 के विशेष थिंक-20 कार्यक्रम में 'सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण में त्रिकोणीय सहकार' सत्र में वक्ताओं द्वारा यह बात प्रमुखता से रखी गई। सत्र की अध्यक्षता आरआईएस नई दिल्ली के विद्वान, राजदूत श्री अमर सिन्हा ने की। उन्होंने सत्र के निष्कर्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण में त्रिकोणीय सहकार के लिये प्रभावी मॉनीटरिंग सिस्टम, इनोवेटिव फायनेंसिंग, विभिन्न हितधारकों का स्वामित्व, अवधारणा को कार्य में परिवर्तित करने, जी-20 के विकास लक्ष्यों के लिये कार्य कर रहे विभिन्न समूहों को केन्द्र में लाने, प्राकृतिक आपदा से निपटने के साथ उन्हें रोकने के प्रयास, लैंगिक असमानता को दूर करने आदि की आवश्यकता है। कुछ मामलों में स्थानीय सरकारों को नियंत्रित करने की भी आवश्यकता है, जहां पर जी-20 के सतत विकास लक्ष्यों के विरुद्ध कार्य किया जा रहा है, जैसे कि अफगानिस्तान।

सत्र के प्रमुख वक्ता विदेश मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री संदीप चक्रवर्ती ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये मिश्रित वित्त पोषण, सोलर एनर्जी, पर्यावरण संरक्षण, चक्रीय अर्थव्यवस्था आदि की आवश्यकता है। त्रिकोणीय सहकार से भारत में इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। भारत वैश्विक नवाचार कार्यक्रम पर तेज गति से कार्य कर रहा है। भारत और फ्रांस के सहयोग से कई राष्ट्रीय उद्यानों का संधारण किया जा रहा है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिये भारत में कई प्रयोग किये जा रहे हैं। होटलों से निकलने वाले फूड वेस्ट को बायोगैस में बदला जा रहा है।

जर्मनी की वक्ता ऊवे गैहलेन ने कहा कि त्रिकोणीय सहकार में भारत और जर्मनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डिजिटलाइजेशन में भारत में जो कार्य हुआ है, वो पूरे विश्व में अद्वितीय है। इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च ब्राजील के डॉ. आंद्रे डिसूजा ने कहा कि सरकारों के साथ विभिन्न निजी संस्थाओं की जी-20 के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। स्थानीयकरण में समाज का पूरा-पूरा योगदान लिया जाना चाहिए। डयूसबर्ग यूनिवर्सिटी जर्मनी के श्री गैरारडो ब्राव्हो ने कहा कि स्वामित्व की स्थानीय अवधारणा की अवहेलना नहीं की जानी चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये संबंधित देश की प्राथमिकता को समझना होगा और वहां के नागरिकों का सशक्तिकरण करना होगा।

एमपीआईडीएसए नई दिल्ली की डॉ. रूचिता बेरी ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए त्रिकोणीय सहकार, साउथ-साउथ को-ऑपरेशन, 2030 एजेंडे को पूरा करने, कोलम्बो प्लान पर कार्य, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा, स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण, दक्षता संवर्द्धन आदि क्षेत्रों में भारत निरंतर कार्य कर रहा है। जीआईडीएस, जर्मनी के डॉ. स्टीफन क्लिंगेबाइल ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विकास सहयोग और स्थानीयकरण के क्षेत्र में भारत को और कार्य करना चाहिए।

सत्र को ऑनलाइन संबोधित करते हुए एशिया फाउंडेशन की निदेशक सुश्री एंथिया मूलाकाला ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए स्थानीयकरण के कार्य में त्रिकोणीय सहयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर, छिन्दवाड़ा, बीना, धार एवं अशोकनगर जिलों में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006, 9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

चर्चा

ए.सी. चरानिया

भारतवंशी नासा के मुख्य प्रौद्योगिकीविद् बने

एयरोस्पेस उद्योग के विशेषज्ञ भारतवंशी ए.सी. चरानिया को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का मुख्य प्रौद्योगिकीविद् नियुक्त किया गया है। वे नासा मुख्यालय में प्रशासक बिल नेल्सन के प्रधान सलाहकार के तौर पर प्रौद्योगिकी नीति और कार्यक्रमों पर सलाह देंगे। उन्होंने एयरोस्पेस कंपनी व्यू ओरिजन के व्यू मून लूनर लैंडर कार्यक्रम और नासा के साथ कई टेक्नोलॉजी पर काम किया है।

छत्तीसगढ़ में

सहेजकर रखा गया लोक वाद्य-यंत्र झुनका

छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र का लोक वाद्य यंत्र झुनका बाजा (शिकारी बाजा) आज भी सुरक्षित है। माना जाता है कि इसकी आवाज से शेर भी रीझकर दौड़ा आता था। जबकि घुमरा बाजे की आवाज से दूर भागता था। झुनका करीब 200 साल पुराना लोक वाद्य यंत्र है। सामंती शासन में जब राजा शिकार करने जाता था, तब अपने साथ इसे लोक-वाद्य यंत्र के बजाने वालों को साथ ले जाता था, क्योंकि इस बाजे में शेर जैसे जंगली जनवरों को ललचाने की क्षमता होती थी।

रिच रोटेला ने

अपनी लंबाई बढ़ाने के लिए 84 लाख रुपये खर्च किए

अमेरिका में रहने वाले 38 साल के रिच रोटेला ने अपनी लंबाई बढ़ाने के लिए 84 लाख रुपये खर्च किए हैं। रिच ने सर्जरी के जरिये अपने पैरों की लंबाई 5 फीट 5 इंच थी, अब 3 इंच बढ़कर 5 फीट 8 इंच हो गई है। रिच पेशे से अभिनेता हैं, उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद उन्हें 3 महीने तक दर्दनाक फिजियोथेरेपी से भी गुजरना पड़ा था।

भारतीय वायुसेना

सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम का प्रभावशाली एयर शो

भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने एक प्रभावशाली एयर शो की शानदार तस्वीरें अपने ट्वीटर हैंडल पर शेयर की हैं। इसमें विमान एक अद्वितीय फॉर्मेशन में उड़ान भरते दिख रहे हैं। रोमांचित कर देने वाला यह दृश्य अद्भुत बन पड़े हैं। इन तस्वीरों से यूजर्स इस कार्यक्रम से चकित हो गए हैं।

नार्वेजियन सागर में

मछुआरे को मिली विचित्र मछली

रूस के प्रसिद्ध मछुआरे रोमन फेडोरेंसोव ने नार्वेजियन सागर से एक विचित्र मछली पकड़ी है। इसका मुंह फूला हुआ और आंखें उभरी हुई हैं जो डरावनी प्रतीत हो रही है। कहा जा रहा है कि गहरे समुद्र से वापस जाने पर यह सामान्य हो जाती है। म्यूजियम विक्टोरिया रिसर्च इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं के अनुसार गहरे समुद्र में ऐसे जीवों की भरमार है, जिनकी प्रजाति के बारे में सटीक पता नहीं लगाया जा सका है। यह मछली भी उन्हीं में से एक है।

बस्तर

केरल की तर्ज पर होगी राफ्ट राइड

छत्तीसगढ़ के बस्तर में ईको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फ्लोटिंग राफ्ट राइड की शुरुआत होगी। बांस की राफ्टर (नाव) पर पर्यटक केलाश झील में प्रकृति को करीब से देख सकेंगे। बस्तर में होम स्टे को बढ़ावा देने के लिए फ्लोटिंग राफ्ट राइड शुरू की जा रही है। कांगेर वैली नेशनल पार्क के डायरेक्टर धम्मशील के अनुसार अभी तक फ्लोटिंग राफ्ट की सुविधा सिर्फ केरल में ही है।

मनप्रीत मोनिका

अमेरिका में पहली महिला सिख जज बनीं

अमेरिका में भारतीय मूल की मनप्रीत मोनिका सिंह पहली सिख जज बन गई हैं। मोनिका ने हैरिस काउंटी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली है। मोनिका का जन्म ह्यूस्टन में हुआ और वहीं पली-बढ़ी हैं। उन्होंने टेक्सास में लॉ नंबर 4 में हैरिस काउंटी सिविल कोर्ट के जज के रूप में शपथ ली।

ऑस्ट्रेलिया में

अब पढ़ाई जाएगी पंजाबी

तमिल और हिंदी के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के स्कूलों में पंजाबी भी पढ़ाई जाएगी। ऑस्ट्रेलिया की शिक्षा मंत्री सू एलेरी ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में इस साल प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं के पाठ्यक्रमों में बदलाव किया जाएगा। इस दौरान स्कूलों में पंजाबी भी पढ़ने का विकल्प दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में करीब 2.39 लाख लोग घर पर पंजाबी बोलते हैं और जनगणना के अनुसार इसके बोलने वाले 5 साल में 30 प्रतिशत बढ़े हैं।

विकास पुरोहित को

मेटा ने बनाया ग्लोबल बिजनेस ग्रुप का हेड

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा ने टाटा क्लिक के पूर्व सीईओ विकास पुरोहित को इंडिया में ग्लोबल बिजनेस ग्रुप का हेड नियुक्त किया है। मेटा ने जानकारी पोर्टल पर जारी की है। जानकारी के अनुसार विकास इंडिया में बिजनेस का विस्तार करेंगे। टाटा और रिलायंस जैसी कंपनियों में काम कर चुके विकास आईआईएम बेंगलुरु के छात्र रहे हैं।

एलिजाबेथ बागले

ब्राजील में अमेरिका की राजदूत नियुक्त

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने ब्राजील में अगले दूत के रूप में नियुक्त राजदूत एलिजाबेथ बागले को शपथ दिलायी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता के अनुसार बागले को उनके परिवार के सदस्यों के सामने पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी गई। कमला हैरिस ने बागले को शपथ दिलाने के बाद उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

रंज पिल्लई

कनाडा में युकोन क्षेत्र के प्रमुख बने

युकोन लिबरल पार्टी के नेता भारतवंशी रंज पिल्लई कनाडा के एक प्रांत के दसवें प्रमुख के रूप में शपथ लेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रांत युकोन का नेतृत्व करने वाले वह दूसरे भारतवंशी राजनेता होंगे। रंज को 8 जनवरी को सर्वसम्मति से युकोन लिबरल पार्टी का नेता चुना गया था। उन्होंने कहा कि वे युकोन को अत्याधुनिक बनाएंगे। उन्हें युकोन स्थित सरकारी कार्यालय में पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलायी गई।

श्री थानेदार

समोसा कॉकस ग्रुप के सदस्य बने

भारतीय अमेरिकी सांसदों का एक अनौपचारिक ग्रुप समोसा कॉकस में भारतवंशी श्री थानेदार उर्वे भारतवंशी सदस्य के रूप में शामिल हो गए हैं। समोसा कॉकस यूएस हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स या फिर सीनेट में चुने गए डेमोक्रेटिक सांसदों का समूह है। एंटरप्रेन्योर से राजनेता बने श्री थानेदार ने बीते साल के अंत में मिडटर्म के चुनाव जीतने के बाद सदस्यता ली है। इन समूह में डेमोक्रेटिक सांसद डॉक्टर एमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना और राज कृष्णमूर्ति शामिल हैं।

उषा रेड्डी

कंसास की सीनेटर बनीं

भारतवंशी राजनीतिज्ञ उषा रेड्डी ने अमेरिका के कंसास में डिस्ट्रिक्ट-22 के लिए सीनेटर के रूप में शपथ ली है। 2013 से मैनहैटन सिटी कमीशन में काम करने वाली रेड्डी ने मैनहैटन सीनेटर टॉम हॉक की जगह ली, जिन्होंने पिछले महीने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की थी। रेड्डी सीनेटर हॉक के शेष कार्यकाल को पूरा करेंगी जो 2025 में समाप्त होगा।

वर्जिन ऑर्बिट बोइंग

ब्रिटेन की धरती से कक्षा में पहला रॉकेट लॉन्च विफल

ब्रिटेन की धरती से कक्षा में पहला रॉकेट लॉन्च करने का प्रयास विफल हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक वर्जिन ऑर्बिट बोइंग 747 ने 70-फुट (21-मीटर) के रॉकेट को ले जाने के लिए दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के कॉर्नवॉल में एक स्पेसपोर्ट से उड़ान भरी। लेकिन 35,000 फीट की ऊंचाई पर योजनानुसार रॉकेट कक्षा में प्रवेश करने और अपने 9 उपग्रहों को छोड़ने में असफल हो गया।

भारतीय शांतिरक्षक

यूएन मेडल से सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन में सेवा देने वाले 1171 भारतीय शांति रक्षकों को यूएन के प्रतिष्ठित डैग हैमरशोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें डचूटी के दौरान दिखाए गए अदम्य साहस के लिए दिया गया है। ज्ञात रहे दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईएसएस) में तैनात भारतीय शांति सैनिकों को समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। इस समारोह में पहली बार भारतीय सेना की महिला अधिकारी मेजर जैस्मीन ने परेड का नेतृत्व किया।

फिल्म आरआरआर के गीत

नाटू-नाटू को मिला गोल्डन ग्लोब पुरस्कार

कैलिफोर्निया में 80वें गोल्डन ग्लोब पुरस्कार समारोह में सुपरहिट फिल्म 'आरआरआर' के गाने नाटू-नाटू ने मोशन पिक्चर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत का पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार जीतने वाली 'आरआरआर' पहली भारतीय फिल्म है। इस फिल्म के निर्देशक एस.एस. राजामौली हैं। इस गाने को संगीतकार एम.एम. कीरावानी ने संगीतबद्ध किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आरआरआर की टीम के सदस्यों को बधाई प्रेषित की।

अमेरिका की

आर. बोनी गेब्रियल चुनी गईं मिस यूनिवर्स

अमेरिका की आर. बोनी गेब्रियल ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीत लिया। अमेरिका के न्यू ऑर्लेयंस शहर में 71वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत की पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज सिंधू ने उन्हें ताज पहनाया। भारत की दिविता रॉय टॉप 16 में भी जगह नहीं बना सकीं। वेनेजुएला की आमांडा डुडामेल न्यूमेन पहली व डॉमिनिकन रिपब्लिक की एंड्रीना मॉर्टिनेज दूसरी रनर अप रहीं।

स्मृति शेष

ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता रहमान राही का निधन

प्रसिद्ध कवि एवं जम्मू-कश्मीर के एकमात्र ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता प्रोफेसर रहमान राही का 98 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रोफेसर राही ने अन्य भाषाओं की कविताओं का कश्मीरी भाषा में अनुवाद करने का भी कार्य किया था। प्रोफेसर राही को 2004 के लिए 2007 में सर्वोच्च ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया था।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मरे का निधन

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रूस मरे का 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मरे दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज थे, जिन्होंने फरवरी 1968 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने 13 मैचों में 23.92 की औसत से 598 रन बनाए, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे।

यूनान के अंतिम राजा कॉन्स्टेंटाइन द्वितीय का निधन

यूनान के अंतिम राजा कॉन्स्टेंटाइन द्वितीय का 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वर्ष 1964 में 23 वर्ष में यूनान के राजा बनने वाले कॉन्स्टेंटाइन द्वितीय ने ओलिंपिक में स्वर्ण पदक भी जीता था। यूनान के राजा ने नौकायान में ओलिंपिक का स्वर्ण पदक जीता था।

भारतीय हिन्दी फिल्मों के प्रोडक्शन डिजाइनर सुनील बाबू का निधन

सीताराम्म, गजनी, एम.एस. धोनी जैसी फिल्मों के प्रोडक्शन डिजाइनर और आर्ट डायरेक्टर सुनील बाबू का 50 वर्ष की उम्र में केरल में हृदयघात से निधन हो गया। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्म केसाथ ही हिंदी फिल्में 'सिंह इज किंग', 'पा', 'लक्ष्य', 'स्पेशल 26' जैसी तमाम बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने काम का जौहर दिखाया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2019, परीक्षा दिनांक 12.01.2020 (रविवार)
संशोधित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम
(माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा निर्णित याचिका क्र. - 23828/2022, निर्णय दिनांक 29.11.2022 एवं निर्णित याचिका क्रमांक - 542/2021, दिनांक 07.04.2022 तथा अन्य संलग्न याचिकाओं के परिपालन में)

विज्ञप्ति क्र. 13040/05/2021/अनु.-10 **इन्दौर, दिनांक : 13.01.2023**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-04/2019/14.11.2019, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 09.12.2019, (1) शुद्धि पत्र क्रमांक-01/03-04/2019 दिनांक 18.11.2019 (परीक्षा शुल्क के संबंध में।), (2) शुद्धि पत्र क्रमांक-04/03-04/2019 दिनांक 09.12.2019 (अधिकतम आयु सीमा एवं ऑनलाइन आवेदन अवधि में वृद्धि की सूचना के संबंध में।), के अंतर्गत **कुल-06** पदों हेतु राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019, दिनांक 12.01.2020 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र सामान्य अभिरुचि परीक्षण अपराह्न 02:15 से 04:15 तक प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों पर राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 के साथ सम्मिलित रूप से आयोजित की गई थी।

02/ उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की श्रेणीवार कुल संख्या निम्नानुसार थी : -

श्रेणी	कुल विज्ञापित पद
अनारक्षित (UR)	2
अनुसूचित जाति (SC)	1
अनुसूचित जनजाति (ST)	1
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	1
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	1
कुल	**6**

03/ पूर्व में आयोग द्वारा राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 का परीक्षा परिणाम आयोग द्वारा विज्ञप्ति क्रमांक-7062/05/2019/अनु.-10 दिनांक 21.12.2020 को घोषित किया गया था। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 के परिणाम को माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक-542/2021 एवं अन्य समान याचिकाओं द्वारा चुनौती दी गई थी। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक 542/2021 एवं अन्य समान याचिकाओं में दिनांक 07.04.2022 के आदेशानुसार आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 के पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम दिनांक 10.10.2022 के साथ ही राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 का पुनरीक्षित परिणाम भी जारी किया गया था। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 के पुनरीक्षित घोषित परीक्षा परिणाम को पुनः याचिका क्रमांक-23828/2022 एवं अन्य समान याचिकाओं द्वारा पुनः चुनौती दी गई थी। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक-23828/2022 एवं अन्य समान याचिकाओं में दिनांक 29.11.2022 के निर्णय के परिपालन में उपरोक्त घोषित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम विज्ञप्ति क्रमांक-7821/05/2021/अनु.-10 दिनांक 10.10.2022 को तत्काल निरस्त किया जाता है।

04/ माननीय न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक-23828/2022 एवं अन्य समान याचिकाओं में राज्य सेवा परीक्षा-2019 के प्रारंभिक परीक्षा परिणाम दिनांक 21.12.2020 के संदर्भ में दायर याचिका क्रमांक-542/2021 के निर्णय का पालन करते हुए केवल नवीन अर्ह अभ्यर्थियों की विशेष मुख्य परीक्षा का आयोजन किए जाने हेतु आदेशित किया गया है।

तद्नुसार डब्ल्यू.पी.-542/2021 के निर्णय दिनांक 07.04.2022 के परिपालन में प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम असंशोधित राज्य सेवा परीक्षा नियम-2015 के अनुसार किया जा रहा है। अतएव पूर्व घोषित-11 अभ्यर्थी जिन्हें पूर्व घोषित प्रारंभिक परीक्षा परिणाम दिनांक 21.12.2020 में मुख्य परीक्षा हेतु अर्ह घोषित किया गया था अब उन्हें अनर्ह घोषित किया जाता है जिनके प्रारंभिक परीक्षा के अनुक्रमांक निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
STATE FOREST SERVICE PRELIMINARY EXAMINATION 2019
ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES DISQUALIFIED FOR MAINS

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	109177	7.	200936
2.	113982	8.	205681
3.	128390	9.	333016
4.	140676	10.	340631
5.	163374	11.	347279
6.	165390		

इसी अनुक्रम में पूर्व घोषित राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2019 का परीक्षा परिणाम विज्ञप्ति क्रमांक-8656/11/2021/अनु.-10, दिनांक 31.12.2021 को भी निरस्त किया जाता है।

05/ राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के "पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022" के प्रकाश में आयोग द्वारा अपनी बैठक दिनांक 29.09.2022 के निर्णय क्र.-26 में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन करते हुए राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 का संशोधित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया :-

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जाए :-

1. सर्वप्रथम सभी विज्ञापनों में अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्तमान विज्ञापित पदों को 27 प्रतिशत मान्य करते हुए उन्हें 14 प्रतिशत मुख्य भाग हेतु एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग हेतु गणना कर पृथक-पृथक किया जाए। साथ ही समस्त विभागों से 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के विज्ञापित पदों का विभाजित विवरण मांग लिया जाए।
2. उपरोक्त विभाजित 14 प्रतिशत पदों को अन्य वर्गों हेतु विज्ञापित पदों में जोड़कर कुल विज्ञापित पदों के 87 प्रतिशत को मुख्य भाग लेकर परीक्षा परिणाम घोषित किया जाए।
3. उपरोक्त (1) की गणना के अनुसार प्राप्त अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 13 प्रतिशत पदों के लिए अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को लेकर विज्ञापित पद संख्या के आधार पर प्रावधिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
4. समस्त चयन प्रक्रियाओं में साक्षात्कार आयोजन के समय तक संबंधित विभागों से सामान्य प्रशासन विभाग के संदर्भित पत्र के संदर्भ में पुनरीक्षित अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विभाजित पद विवरण सहित सभी पदों का विज्ञापित पद विवरण अनिवार्यतः मांग लिया जाए। विभागों से पुनरीक्षित पद विवरण प्राप्त होने के उपरांत विज्ञापित पदों के मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के पदों की विज्ञप्ति प्रकाशित की जाए।
5. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का वचन-पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।
6. तत्पश्चात् मुख्य भाग (87) प्रतिशत का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर अनुशंसा संबंधित विभागों को प्रेषित की जाए।
7. प्रावधिक भाग का अंतिम चयन परिणाम दोनों वर्गों (अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग) के लिए तैयार कर दो पृथक-पृथक सीलबंद लिफाफों में रख दिया जाए। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के पश्चात् जिस भी वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में निर्णय होता है वह लिफाफा खोलकर चयन परिणाम घोषित कर विभागों को अनुशंसा प्रेषित की जाए।
8. सभी लंबित लिखित परीक्षाओं/साक्षात्कार होने वाले या सम्पन्न हो चुके भर्ती परीक्षाओं के परिणाम यथाशीघ्र घोषित किए जाए।
9. उपरोक्त प्रक्रिया का पालन करने के पूर्व सामान्य प्रशासन विभाग के संदर्भित पत्र का उल्लेख करते हुए परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया से संबंधित विज्ञप्ति प्रकाशित की जाए।
10. माननीय उच्च न्यायालय मुख्यपीठ, जबलपुर द्वारा डब्ल्यू.पी.-542/2021 एवं अन्य याचिकाओं के अंतिम निर्णय दिनांक 07.04.2022 के परिपालन में राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 का पूर्व घोषित परीक्षा परिणाम दिनांक 21.12.2020 निरस्त किया जाता है। इस अनुक्रम में पूर्व घोषित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा परिणाम-2019 का परीक्षा परिणाम दिनांक 31.12.2021 भी निरस्त किया जाता है।
11. समस्त परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन होंगे।

उपरोक्त प्रक्रिया का पालन करते हुए संशोधित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम निम्नानुसार दो भागों में है - (अ) मुख्य भाग (87 प्रतिशत के आधार पर) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)। राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 के पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम दिनांक 10.10.2022 में मुख्य परीक्षा हेतु **मुख्य भाग - अ** के लिए विज्ञापित पदों के 15 गुना + समान अंक प्राप्त कुल - 99 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा हेतु प्रावधिक अर्ह घोषित किए गए थे जिनका श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार है :-

मुख्य भाग - अ

श्रेणी	कुल अर्ह अभ्यर्थी
अनारक्षित (UR)	30
अनुसूचित जाति (SC)	16
अनुसूचित जनजाति (ST)	17
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	20
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	16
कुल	**99**

राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 के **संशोधित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम में मुख्य परीक्षा हेतु भाग-अ** के लिए प्रावधिक रूप से अर्ह पाए गए कुल-99 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है:-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
STATE FOREST SERVICE PRELIMINARY EXAMINATION 2019 - REVISED PART-A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	100642	26.	130716	51.	302370	76.	363987
2.	106151	27.	134335	52.	305502	77.	367117
3.	106824	28.	137330	53.	314617	78.	370174
4.	110176	29.	138855	54.	316715	79.	376737
5.	112667	30.	149111	55.	318100	80.	379128
6.	112706	31.	151166	56.	318978	81.	379345
7.	113165	32.	165630	57.	323974	82.	381862
8.	115310	33.	189386	58.	326175	83.	382124
9.	115857	34.	194900	59.	326295	84.	384435
10.	116041	35.	200243	60.	326563	85.	393179
11.	116126	36.	201202	61.	326597	86.	400232
12.	117461	37.	209078	62.	327676	87.	400838
13.	119138	38.	209790	63.	329293	88.	403892
14.	119861	39.	219001	64.	332264	89.	404192
15.	119980	40.	220193	65.	339184	90.	409605
16.	121030	41.	224111	66.	341605	91.	409624
17.	123042	42.	225305	67.	343141	92.	419699
18.	123455	43.	227419	68.	344307	93.	420108
19.	123698	44.	237294	69.	344741	94.	420598
20.	126467	45.	241170	70.	344875	95.	423204
21.	126755	46.	258824	71.	346463	96.	439226
22.	128714	47.	267246	72.	347289	97.	448562
23.	129352	48.	277411	73.	354189	98.	453719
24.	129994	49.	287597	74.	355393	99.	463073
25.	130090	50.	295816	75.	357736		

उपरोक्त कुल-99 अभ्यर्थियों में से **संशोधित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम में मुख्य भाग-अ** के लिए **विशेष मुख्य परीक्षा** हेतु उपरोक्त पदों के 15 गुना + समान अंक प्राप्त नवीन प्रावधिक रूप से अर्ह कुल अभ्यर्थियों की श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार है :-

मुख्य भाग - अ

श्रेणी	कुल अर्ह अभ्यर्थी
अनारक्षित (UR)	-
अनुसूचित जाति (SC)	-
अनुसूचित जनजाति (ST)	-
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	8
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	5
कुल	**13**

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय कलेक्टर
(जनजातीय कार्य विभाग) जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

एनआईटी. क्र./4327/AC TRIBAL/SECL/CSR/2022-23 Dindori, Dt. : 16.01.2023

ई-निविदा विज्ञप्ति (प्रथम आमंत्रण)

(अशासकीय राशि CSR मद)

एतद् द्वारा लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों से प्रतिशत दर के आधार पर तालिका में अंकित कार्य हेतु Under CSR Activity of SECL (South Estern Coal Field Ltd.) अंतर्गत **अशासकीय राशि** से निम्नलिखित कार्य की ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं -

क्र.	Online Tender No.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अनुमानित लागत राशि (लाखों में)	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2023_TAD_245124	ग्राम बड़गांव तहसील शहपुरा जिला डिण्डौरी में जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल के परिसर में प्रस्तावित नर्मदांचल विद्यापीठ स्कूल एवं बालक एवं बालिकाओं के लिये दो 100 सीटर छात्रावास का निर्माण।	30000/-	1435.18	1435180/-	12 माह वर्षाकाल सहित

अभिलेखों की सूची एवं निविदा शर्तें

1. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि **19.01.2023 से 01.02.2023 सायं 5.30 बजे** तक है।
2. ऑनलाइन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 01.02.2023 सायं 5.30 बजे तक है।
3. निविदा दिनांक 03.02.2023 से कार्यालयीन समय में खोली जायेंगी।
4. ठेकेदार द्वारा केवल ऑनलाइन के माध्यम से ही निम्नलिखित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य होगा- (अ) अमानत राशि (e-EMD) एवं टेंडर फार्म खरीदी की रसीद। (ब) टेंडर फार्म के Annexure-B अनुसार शपथ पत्र (Affidavit) नोटरी सहित। (स) केंद्रीयकृत लोक निर्माण विभाग का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र। (द) पेन नंबर, जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन एवं Organization Detail (Annexure-II) (ई) टेक्नीकल बिड (Annexure-I)
5. निविदाकार को CSR में कार्य करने का अनुभव अनिवार्य है।
6. स्वीकृत कार्य Under CSR Activity of SECL (South Estern Coal Field Ltd.) अंतर्गत प्रदत्त **अशासकीय राशि** के आधार पर कराया जावेगा।
7. ठेकेदार को अनुबंध करते समय दर अनवर्केबल होने विभाग के नियमानुसार अतिरिक्त परफॉरमेंस सिक्योरिटी जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा अमानत राशि राजसात कर ली जावेगी।
8. निविदा जारीकर्ता अधिकारी किसी भी निविदा को बिना किसी कारण बताये अमान्य अथवा निरस्त कर सकता है। किसी भी प्रकार के वाद-विवाद की स्थिति में कलेक्टर महोदय डिण्डौरी का निर्णय सर्व मान्य होगा।
9. निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन में केवल ऑनलाइन संशोधन किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं।
10. लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.)/मध्यप्रदेश शासन/विभाग द्वारा आज दिनांक तक जारी (सभी संशोधनों सहित) सभी नियम/शर्तें/आदेश/निर्देश उक्त कार्य में लागू होंगे, जिनका पालन सभी निविदाकारों को करना होगा।
11. अतिरिक्त जानकारी वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर टेंडर डॉक्यूमेंट पर देखी जा सकती है या विभाग में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

सहायक आयुक्त

जी-21913/48120/2023 **जनजातीय कार्य विभाग, जिला-डिण्डौरी (म.प्र.)**

मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना में चलेंगी 20 ट्रेनें

दो माह में 20 हजार तीर्थ यात्री विभिन्न धार्मिक स्थलों का करेंगे दर्शन

भोपाल, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में मार्च 2023 तक 20 हजार श्रद्धालु तीर्थ-यात्रा कर दर्शन कर सकेंगे। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने बताया है कि 21 जनवरी से 29 मार्च के बीच 20 ट्रेनों से मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के पात्र श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे।

योजना में पहली ट्रेन डॉ. अम्बेडकर नगर महू से 21 जनवरी को रामेश्वरम् धाम के लिये रवाना हुई। इसमें इंदौर जिले के 398, बड़वानी के 250 और शाजापुर के 325 श्रद्धालु यात्रा कर रहे हैं। यह ट्रेन 26 जनवरी को लौटेगी। दूसरी ट्रेन रीवा से द्वारका के लिये 24 जनवरी को रवाना होकर 29 जनवरी वापस आएगी। इसमें रीवा के 273, पन्ना के 200 और सतना एवं नरसिंहपुर के 250-250 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। तीसरी ट्रेन बुरहानपुर से रामेश्वरम् के लिये 27 जनवरी को रवाना होकर 1 फरवरी को लौटेगी। इसमें बुरहानपुर के 348, हरदा के 300 और बैतूल के 325 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। चौथी ट्रेन अनूपपुर से कामाख्या जी के लिये 30 जनवरी को रवाना होगी और 4 फरवरी को वापस आएगी। इसमें उमरिया से 300, अनूपपुर से 323 और शहडोल के 350 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। पांचवीं ट्रेन छतरपुर से शिर्डी के लिये 2 फरवरी को रवाना होगी और 5 फरवरी को लौटेगी। इसमें विदिशा के 300, टीकमगढ़ के 325 और छतरपुर के 348 श्रद्धालु दर्शन के लिये जाएंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में 6 फरवरी को छठवीं ट्रेन एक बार फिर डॉ. अम्बेडकर नगर से जगन्नाथपुरी लिये रवाना होगी और 11 फरवरी को लौटेगी। इसमें धार के 200, सीहोर के 375 और इंदौर के 398 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। सातवीं ट्रेन 8 फरवरी को रेलवे स्टेशन सरईग्राम से जगन्नाथपुरी के लिये कटनी के 225, सिंगरौली के 248, सीधी और दमोह के 250-250 और श्रद्धालु को लेकर रवाना होगी और 13 फरवरी को लौटेगी। आठवीं ट्रेन बैतूल से अयोध्या के लिये 11 फरवरी को रवाना होगी और 14 फरवरी को लौटेगी। इसमें बैतूल के 298, नर्मदापुरम् के 325 और भोपाल 350 यात्री दर्शन के लिये जायेंगे। नौवीं ट्रेन बालाघाट से काशी (वाराणसी) के लिये 14 फरवरी को रवाना होगी। इसमें मण्डला के 200, बालाघाट के 223, सिवनी के 250 और जबलपुर के 300 यात्री दर्शन कर 17 फरवरी को लौटेंगे। दसवीं ट्रेन 16 फरवरी को भिण्ड से जगन्नाथपुरी के लिये जाएगी। इसमें भिण्ड के 298, दतिया के 325 और ग्वालियर के 350 श्रद्धालु दर्शन कर 21 फरवरी को लौटेंगे। ग्यारहवीं ट्रेन 19 फरवरी को डॉ. अम्बेडकर नगर महू से 19 फरवरी को काशी (वाराणसी) के लिये रवाना होगी। इसमें बड़वानी के 200, सीहोर के 375 और इंदौर के 398 श्रद्धालु यात्रा कर 22 फरवरी को लौटेंगे। बारहवीं ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन भोपाल से 23 फरवरी को राजगढ़ से 223, आगर-मालवा के 200, शाजापुर के 250 और भोपाल के 300 श्रद्धालुओं को जगन्नाथपुरी के दर्शन करा कर 28 फरवरी को लौटेगी। तेरहवीं ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन भोपाल के रामेश्वरम् के लिये 25 फरवरी को रवाना होगी। इसमें मुरैना के 298, दतिया के 325 और भोपाल के 350 श्रद्धालु 2 मार्च को यात्रा कर वापस लौटेंगे। चौदहवीं ट्रेन खंडवा से 28 फरवरी को अयोध्या के लिये रवाना होगी। इसमें खंडवा के 298, खरगोन के 200, हरदा के 225, सीहोर के 250 श्रद्धालु 3 मार्च को यात्रा करके वापस लौटेंगे। पंद्रहवीं ट्रेन सरईग्राम से द्वारका के लिये 13 मार्च को रवाना होगी। सिंगरौली के 248, सीधी के 250, कटनी के 225 और जबलपुर के 250 श्रद्धालु यात्रा कर 18 मार्च को लौटेंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में 16 मार्च को सोलहवीं ट्रेन खंडवा से कामाख्या के लिये रवाना होगी। इसमें खण्डवा के 323, रायसेन के 300 और भोपाल के 350 श्रद्धालु दर्शन कर 21 मार्च को लौटेंगे। सत्रहवीं ट्रेन शिवपुरी से 21 मार्च को काशी (वाराणसी) के लिये रवाना होगी। इसमें शिवपुरी के 348, गुना के 325 और अशोकनगर 300 श्रद्धालु दर्शन कर 24 मार्च को लौटेंगे। अठारहवीं ट्रेन छतरपुर से द्वारका जी के लिये 24 मार्च को रवाना होगी। इसमें छतरपुर के 323, टीकमगढ़ के 300 और विदिशा के 350 श्रद्धालु दर्शन कर 29 मार्च को लौटेंगे। उन्नीसवीं ट्रेन नीमच से 25 मार्च को रामेश्वरम् के लिये रवाना होगी। इसमें नीमच के 348, रतलाम के 375 और झाबुआ के 250 श्रद्धालु दर्शन कर 30 मार्च को लौटेंगे। बीसवीं ट्रेन 29 मार्च को जगन्नाथपुरी के लिये रवाना होगी। इसमें शिवपुरी के 248, गुना के 225, शाजापुर और आगर-मालवा के 250-250 श्रद्धालु दर्शन कर 3 अप्रैल 2023 को लौटेंगे।

(पिछले पृष्ठ का शेष)

माननीय न्यायालय के याचिका क्रमांक-23828/2022 के निर्णय दिनांक 29.11.2022 के परिपालन में उपरोक्त **संशोधित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम में मुख्य भाग-अ** के केवल नवीन अर्ह-13 अभ्यर्थियों की विशेष मुख्य परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिनके अनुक्रमांक निम्नानुसार हैं :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION

STATE FOREST SERVICE PRELIMINARY EXAMINATION 2019-SECOND REVISED PART-A (MAIN)

ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	116041	6.	194900	10.	347289
2.	121030	7.	318100	11.	357736
3.	123455	8.	318978	12.	420108
4.	126755	9.	326175	13.	448562
5.	138855				

प्रावधिक भाग-ब

राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 में अन्य पिछड़ा वर्ग का 1 पद विज्ञापित किया गया है। माननीय उच्च न्यायालय में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर प्रकरण विचाराधीन हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग का विज्ञापित में 1 पद विज्ञापित है यदि सामान्य प्रशासन विभाग म.प्र. शासन के पत्र दिनांक 15.12.2020 के दिशा-निर्देशों के अनुसार विज्ञापित अन्य पिछड़ा वर्ग की पद संख्या 1 को 27 प्रतिशत मान्य किया गया एवं यदि माननीय न्यायालय का निर्णय अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 14 प्रतिशत का भी होता है तब भी अन्य पिछड़ा वर्ग की पद संख्या यथावत 1 (एक) ही रहेगी। अतएव पदों का श्रेणीवार विवरण यथावत रखा जा रहा है। माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिकाओं 5901/2019 एवं अन्य संलग्न याचिकाओं में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 19.03.2019, 31.01.2020, 16.02.2020 एवं 27.04.2022 तथा सामान्य प्रशासन विभाग के **"पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022"** के परिप्रेक्ष्य में आयोग की बैठक दिनांक 29.092022 के निर्णय क्रमांक-26 के परिपालन में राज्य सेवा/वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2019 का पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम परीक्षा दिनांक 10.10.2022 को घोषित किया गया था। **सामान्य प्रशासन के संदर्भित दिशा-निर्देश 29.09.2022 को लागू करने पर भी राज्य वन सेवा प्रारंभिक-2019 का संशोधित पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम मुख्य भाग-अ तक ही सीमित रहेगा एवं प्रावधिक भाग-ब निरंक होगा।**

प्रावधिक भाग-ब

श्रेणी	कुल अर्ह अभ्यर्थी
अनारक्षित (UR)	निरंक
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	निरंक
कुल	निरंक

माननीय न्यायालय के याचिका क्रमांक-23828/2022 के निर्णय दिनांक 29.11.2022 के परिपालन में उपरोक्त मुख्य भाग-अ के केवल नवीन अर्ह अभ्यर्थियों की ही विशेष मुख्य परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी विशेष राज्य वन सेवा परीक्षा-2019 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो मुख्य परीक्षा हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिन्होंने शासन द्वारा निर्धारित छूट का लाभ नहीं लिया है तथा जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. विशेष राज्य वन सेवा परीक्षा-2019 की लिखित परीक्षा की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. प्रारंभिक परीक्षा में विशेष मुख्य परीक्षा हेतु प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी विशेष राज्य वन सेवा परीक्षा-2019 में बैठने हेतु आवेदन एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से **दिनांक 23.01.2023 (दोपहर 12:00 बजे) से दिनांक 22.02.2023 (दोपहर 12:00 बजे) तक** से भर सकेंगे। इसकी विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर जारी कर दी गई है।
5. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
6. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
7. विशेष राज्य वन सेवा परीक्षा-2019 हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
8. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।
9. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं समान अन्य याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
10. राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा का परीक्षा परिणाम असंशोधित राज्य सेवा परीक्षा नियम-2015, दिनांक 02 नवंबर 2015 के अनुसार जारी किया गया है।

जी-21924/48095/2023 **उप परीक्षा नियंत्रक**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआआविनि/44/प.यं/भोपाल-02/तशा/2023
भोपाल, दिनांक 17.01.2023

प्रेस विज्ञप्ति

"सीएम राईज योजना अंतर्गत जिला भोपाल में शासकीय बालक उ.मा.वि. वैरसिया भोपाल परिसर में स्थित पुराना जर्जर भवन एवं प्रशासनिक स्कूल भवन का ध्वस्तीकरण कार्य तथा मलबे को हटाकर स्थल की साफ-सफाई के कार्य हेतु निविदा क्रमांक-16/2022-23 ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. -2023_MPPHC_245390_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 25.01.2023 समय 5.00 बजे तक ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/108181/आर-48103/2023 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति बरेली

जिला- रायसेन (म.प्र.)
क्र./मंडी/निर्माण/22-23/905 बरेली, दिनांक : 16.01.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक **2023_MPSAM_245209_1, 2023_MPSAM_245210_1** के **अंतर्गत ऑनलाइन निविदायें दिनांक 17.02.2023 को शाम 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।** निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.co.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट : आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/108197/आर-48104/2023 **सचिव**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, फ्लैट क्र. 303 एवं 304 थर्ड फ्लोर साक्षी ग्रीन बिल्डिंग हरदौल गार्डन के फ्रन्ट पर सचिन तेन्दुलकर मार्ग, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना-21/2022-23

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र.-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 21/2022-23 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_245387_1, निविदा प्रपत्र **दिनांक 27.01.2023 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/108202/आर-48106/2023 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, फ्लैट क्र. 303 एवं 304 थर्ड फ्लोर, साक्षी ग्रीन बिल्डिंग, हरदौल गार्डन के फ्रन्ट पर, सचिन तेन्दुलकर मार्ग, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना-22/2022-23

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र. 2 द्वारा निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 22/2022-23 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_245497_1, एवं MPPHC_245498_1, हैं। निविदा प्रपत्र **दिनांक 07.02.2023 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/108210/आर-48107/2023

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र. मप्रपुआआविनि/53/प.यं/भोपाल-02/तशा/2023 भोपाल, दि. : 17.01.2023

प्रेस विज्ञप्ति

"सीएम राईज योजना अंतर्गत जिला भोपाल में शासकीय महात्मा गांधी उ.मा.वि., बी.एच.ई.एल., भोपाल के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-17/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2023_MPPHC_245621_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 03.02.2023 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/108212/आर-48108/2023 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal–462011(M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./908/22/D-12/MPRRDA/2023 Bhopal, Dated : 19.01.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 1059 UPG

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.

- **Name of Work : Up-gradation (UPG)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Rewa	1	8243000.00
2.	Satna	1	16402000.00
3.	Waidhan	1	36137410.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website **from 23.01.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/108249/R-48110/2023 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal–462011 (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./911/22/D-12/NIT-Maint./2023 Bhopal, Dated : 19.01.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 202/MTN/2023
(Flood Damage-SR)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work : Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage).**
- **SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.09.2017 and amendments upto issue date of NIT.**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Bhopal	2	3271000.00
2.	Chhindwara	4	13264000.00
3.	Dindori	1	836000.00
4.	Harda	2	1321000.00
5.	Indore	1	2704000.00
6.	Khargone	1	625000.00
7.	Narmadapuram	3	1513000.00
8.	Neemuch	1	1513000.00
9.	Rajgarh	2	1023000.00
10.	Raisen	3	1594000.00
11.	Seoni	2	8178000.00
12.	Sehore	2	1128000.00
13.	Shahdol	1	3626000.00
14.	Vidisha	24	33080000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 23.01.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P.Madhyam/108250/R-48111/2023 **(TENDER)**

आम-सूचना

"सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा (मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत) निम्नलिखित पात्रता परीक्षाओं का आयोजन किया जाना है :-

(1) मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग तथा मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2023

(2) मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय शिक्षक), माध्यमिक शिक्षक (खेल, संगीत-गायन वादन), प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत-गायन वादन, नृत्य) के आयोजन हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया है तथा मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय शिक्षक) एवं प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत-गायन वादन) पात्रता परीक्षा-2023 उक्त परीक्षाएं बिना किसी विवाद के संचालित हो सकें इस संबंध में बोर्ड द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर खंडपीठ इंदौर एवं ग्वालियर म.प्र. के समक्ष केविएट दायर की जा रही है। यदि किसी अन्य द्वारा इस संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की जाती है, तो उसकी एक प्रति बोर्ड के अधिवक्ता-(1) श्री राहुल दिवाकर अधिवक्ता- 751 अग्रवाल कॉलोनी, जबलपुर (2) श्री कौस्तुभ पाठक, अधिवक्ता-102 बी ब्लॉक प्रकृति कार्पोरेट 18/2 बाय.एन. रोड, इंदौर एवं (3) श्री प्रवीण नेवास्कर, अधिवक्ता- के. ऑफ श्री के.एन. गुप्ता सीनियर एडवोकेट, सरदार आंगरे का बाड़ा, लाला का बाजार, लश्कर, ग्वालियर म.प्र. को उपलब्ध कराने का कष्ट करें"।

विज्ञापन क्रमांक-48/2023

संचालक
म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल
चयन भवन, मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल
म.प्र. माध्यम/108175/आर-48099/2023

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.) मोबा. 9406808103
फोन नं. 0734-2527715, E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in
क्र. 125/पयं/मप्रपुहाइडेकालि/23 उज्जैन, दिनांक :19.01.2023

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 26/2022-23

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा **क्रमांक 26/2022-23 दिनांक 19.01.2023** के अंतर्गत जिला उज्जैन, आगर मालवा, रतलाम, मंदसौर, नीमच एवं देवास जिले के विभिन्न थाना भवनों में विशेष मरम्मत कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2023_MPPHC_245566, 2023_MPPHC_245568, 2023_MPPHC_245569, 2023_MPPHC_245570, 2023_MPPHC_245571, 2023_MPPHC_245573, 2023_MPPHC_245574, 2023_MPPHC_245576, 2023_MPPHC_245577, 2023_MPPHC_245580, 2023_MPPHC_245581 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र **ऑनलाइन दिनांक 19.01.2023 17.00 बजे से** क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/108229/आर-48109/2023 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र. 1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./62/तशा/प.यं./2023 दिनांक : 18.01.2023

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थूवोन, जिला अशोकनगर के निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2023_MPPHC_245787_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 07.02.2023 समय 17.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/108251/आर-48112/2023 **परियोजना यंत्री**

आम-सूचना

"सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा (समूह- ब उप समूह- 4 के अंतर्गत सहायक संपरीक्षक व अन्य पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा 2023) का आयोजन किया जाना है। उक्त परीक्षा बिना किसी विवाद के संचालित हो सके इस संबंध में बोर्ड द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर खंडपीठ, इंदौर एवं ग्वालियर म.प्र. के समक्ष केविएट दायर की जा रही है। यदि किसी अन्य द्वारा इस संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की जाती है, तो उसकी एक प्रति बोर्ड के अधिवक्ता-(1) श्री राहुल दिवाकर अधिवक्ता- 751 अग्रवाल कॉलोनी, जबलपुर (2) श्री कौस्तुभ पाठक, अधिवक्ता-102 बी ब्लॉक प्रकृति कार्पोरेट 18-2 बाय.एन. रोड, इंदौर एवं (3) श्री प्रवीण नेवास्कर अधिवक्ता- के. ऑफ श्री के.एन. गुप्ता सीनियर एडवोकेट, सरदार आंगरे का बाड़ा, लाला का बाजार, लश्कर, ग्वालियर म.प्र. को उपलब्ध कराने का कष्ट करें"।

विज्ञापन क्रमांक-47/2023

संचालक
म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल
चयन भवन, मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल
म.प्र. माध्यम/108176/आर-48100/2023

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16–A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal -462011 (M.P.)
Telephone No. : 0755-4853297
E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in, ajay.nagaria@mp.gov.in
NIT No. : 1403/MPBDC/PROC/2023/NIT-19 Bhopal, Dtd. : 16.01.2023

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites online tender from bidders for the following works : -

S. No.	Name of Work	Probable Amount Rs. in Lacs	Period of Contract (in Months)
1.	Engagement of travel agency for providing, running, operating and maintenance of various vehicles on monthly basis to MPBDC for Head Office and divisional offices in MP.	294.77	24
2.	Photo copy and spiral binding.	6.32	24
3	Deployment of manpower for office and personnel and services for office, security and housekeeping jobs.	160.24	24
4	Printing of stationary and binding work for MPBDC Head office Bhopal.	13.83	24

Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased online only from 18.01.2023 (18:00 hrs.) to 08.02.2023 (15:30 hrs.) from website **www.mptenders.gov.in**.

M.P. Madhyam/108179/R-48101/2023 **MANAGING DIRECTOR**

SICA COLLEGE

AEGIS : SICA EDUCATIONAL TRUST

(Affiliated to DAVV, Indore & Recognized by DHE, Bhopal, Govt. of M.P)

REQUIREMENTS

(Under College Code 28)

INVITE APPLICATIONS FOR

PRINCIPAL (As per UGC / DAVV Norms)

QUALIFICATIONS: First Class Post Graduate with Ph.D., preferably with Science & Management background. Worked as a Principal / any Senior position in Academic, Administration with experience of at least 15 years.

ASSISTANT PROFESSOR

(As per UGC / DAVV Norms)

In Commerce, Management, Computer Science, Journalism & Mass Communication, Mathematics, Physics, English Literature, Hindi, Political Science, History.
Required for Courses: + **B.Com.** (Plain, Tax, CA, Hons.) + **B.Sc.** (C.S.) + **B.B.A.** + **B.A.** (History, Political Science, English Literature & Computer App.) + **B.A.** (Journalism & Mass Communication)

LIBRARIAN (As per UGC / DAVV Norms)

Email to : **sicatrust@gmail.com** within 5 days along with application, CV and self-attested photocopies of all testimonials.

CAMPUS : Near ISKCON Vihar Colony, Nipania Main Road, INDORE **- Managing Trustee**

VISCAS/C

R-48096/2023

व्यवहारिक रूप से तय की जाए बड़ी परियोजनाओं की समय-सीमा

भोपाल, निर्माण विभाग अपने कार्यों की समय-सीमा, विभिन्न विभागों से मिलने वाली अनुमतियों, भू-अर्जन में लगने वाले समय तथा अन्य तकनीकी कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए व्यवहारिक रूप से निर्धारित करें। साथ ही अंतर विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए विभागों द्वारा स्वयं पहल की जाए। निर्माण कार्यों में गतिरोध से राज्य की प्रगति प्रभावित होती है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेमवर्क के अंतर्गत परियोजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। समत्व भवन में आयोजित बैठक में अपर मुख्य सचिव जल संसाधन श्री एस.एन. मिश्रा, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सागर जिले की बंडा तहसील में बेवस नदी पर पगरा बांध तथा पंचम नगर बैराज, धार जिले में राजौदा मल्टी विलेज वॉटर सप्लाई स्कीम में 79 गांवों के लिए जलापूर्ति योजना, मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड अंतर्गत बैतूल जिले की आमला, बैतूल बाजार और सारणी जल प्रदाय योजना तथा भिंड जिले की आलमपुर, दबोह, मिहोना, फूफकलां जल प्रदाय योजना तथा भोपाल के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर मार्ग (कोलार रोड) के उन्नयन तथा पुनर्निर्माण के लिए जारी गतिविधियों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं का त्वरित निदान कर, निर्माण कार्यों को गति देते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

DHAR COLLEGE OF EDUCATION, DHAR

Affiliated to DAVV & MP Board, Bhopal (M.P.)
Recognized by NCTE (New Delhi) & Higher Education (Bhopal)

REQUIRES FOR D.EL.ED. & B.ED.

PRINCIPAL, HOD, PROFESSOR, ASSOCIATE PROFESSOR & ASSISTANT PROFESSOR

Eligibility : B.Ed., M.Ed., PG with 55% Marks & Ph.D./NET
Salary : As Per Govt. Norms.
Interested Candidates may apply within 7 days between 10AM-5PM

City Office - Sundarvan Colony, Magajpura Road, Behind Jat Dharmshala, Dhar
Campus - 156-160, Gyanpura, Dhar (M.P.)
Phone.- 7000803171, 9589637800 Email- dharcollegebedded@gmail.com

Chairman

R-48098/2023

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE- 452007 (M.P.)
Phone : (O) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629
E-mail : ed.roind@mpidc.co.in Website: www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850

No. MPIDC/R.O.I./Tech/2023/10642 Date : 17.01.2023

NOTICE INVITING TENDER (First Call)

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system– http://www.mptenders.gov.in as mention below-

S. No.	Name of work	PAC (Rs. in Lacs)	Cost of tender form	EMD
1.	Selection of Supervision, Quality Control/Project Management Consultant for Construction of IT Park-3 complex adjoining crystal IT park, Ring Road, Indore including a 5 Star Hotel. Work comprises all allied services like HVAC, Electrical, lifts, Plumbing, Firefighting, Landscape, STP, BMS, Outer development works etc.	Rs. 386.98 Lacs	Rs. 17700/- i/c GST	Rs. 386980/-

The Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased after publication in newspaper within 7 working days from website – **http://www.mptenders.gov.in**
M.P. Madhyam/108199/R-48105/2023 **EXECUTIVE ENGINEER**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन-456010 (मध्यप्रदेश)
E-mail : regpsvvmp@rediffmail.com
Website : www.mpsvv.ac.in

आरक्षित (अ.ज.जा.) हेतु विज्ञापन

विश्वविद्यालय में आरक्षित (अ.ज.जा.) शैक्षणिक (सहायक आचार्य एवं सह आचार्य) पदों हेतु अर्ह अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mpsvv.ac.in** पर उपलब्ध है। आवेदन करने की **अंतिम तिथि 03 फरवरी 2023** निर्धारित की गयी है।

म.प्र. माध्यम/108255/आर-48113/2023 **कुलसचिव**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 1060 (RCPLWEA-Bridge) (Batch-I, Year 2022-23)

No./966/22/D-12/MPRRDA/2023 Bhopal, Dated : 20.01.2023

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below;

- **Name of work - Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction.**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Bridge	Total PAC (In Rs.)
1.	Balaghat	20	24	1116985000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **24.01.2023 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **08.02.2023 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/108272/2023 R-48114/2023 **(TENDER)**

DALY COLLEGE OF BUSINESS MANAGEMENT

Affiliated to DAVV Indore & Approved by Higher Education Department Government of MP, Bhopal.

REQUIRES

under college code 28

PROFESSOR/ ASSISTANT PROFESSOR

Qualification, Experience, Eligibility & Salary as per UGC/AICTE Norms.

Interested candidates should mail their resume to **admin@dcbm.edu.in** within 7 days from this advertisement.
(Tel.: 0731-2710131)

DEESHA

R-48118/2023

APPOINTMENTS

Under College Code 28

Affiliated to DAVV

A renowned educational group Renaissance has requirement at RENAISSANCE COLLEGE OF COMMERCE & MANAGEMENT
45, Anurag Nagar, Behind Press Complex, Indore (M.P.)

DEDICATED & HARD WORKING

PROFESSOR, ASSOCIATE PROFESSORS & ASSISTANT PROFESSORS

FOR COMMERCE, MANAGEMENT, MATHEMATICS, STATISTICS, ECONOMICS, COMPUTERS, MASS COMMUNICATION, HINDI & ENGLISH

SPORTS OFFICER & LIBRARIAN

Qualification & Salary as per UGC norms.

Candidate should have good command over English language.

Apply within 7 days.

City Office : 45, Anurag Nagar, Behind Press Complex, Indore
Phone : **0731-4262100-2**
e-mail: **rccm.college@gmail.com**

Renaissance College of Commerce & Management

Director

VISCAS/C

R-48097/2023

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16-A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (M.P.) - 462011
Telephone No. : 0755- 4853297
E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in,ajay.nagaria@mp.gov.in

NIT No. : 1434/GM/MPBDC/CW/23/NIT-20 Bhopal, Dated : 20.01.2023

NOTICE INVINTING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites online tender for the construction of following works :-

S. No.	Name of Work	Probable Amount of Contract (PAC) in Lacs	Completion Period in Months Including Rainy Season
1.	CM Rise School Building at Ichhawar District Sehore	3017.48	15
2.	Critical Care Hospital Block (CCHB) at Datia	1398.94	11
3.	Critical Care Hospital Block (CCHB) at Gwalior	1393.41	11

From bidders registered in M.P. PWD Department under appropriate category. Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased online only from **25.01.2023 (18:00 hrs.) to 22.02.2023 (15:30 hrs.)** from website **www.mptenders.gov.in.**
M.P. Madhyam/108281/48115/2023 **MANAGING DIRECTOR**

सामान्य प्रबंध पटवारी के लिए

उन्नति के नाम से रु.200 में मार्केट में उपल्बध करा दी है, यह पुस्तक आपको पटवारी बनने में मदद करेगी अतः यह पुस्तक जरूर, खरीदें। नाम से मॉगें कोई भी समस्या होने पर *Helpline* नंबर पर **9425063647, 9977074767** पर कॉल करें इसके अलावा उन्नति के नाम से MPGK (Eng.), NCC हिन्दी में भी उपलब्ध है।

R-48119/2023

COMPUTER PROFICIENCY CERTIFICATION TEST

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited
State IT Center, 47-A, Arera Hill, Bhopal-462011

EXAM REGISTRATION OPENS

MPSEDC/CPCT/Exam/2023/

म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु **संविदा/नियमित नियुक्तियों** के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्यागिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि :25 फरवरी 2023, शनिवार | **पंजीयन तिथि : 23 जनवरी 2023 से 06 फरवरी 2023**

आवेदन-पत्र में संशोधन करने की तिथि : 08 फरवरी 2023 से 10 फरवरी 2023

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निःशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (**www.cpct.mp.gov.in**) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाईपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।
- CPCT परीक्षा का संचालन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान परीक्षा कराने के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेज़ी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/108285/48117/2023 **मुख्य महाप्रबंधक**

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

वन विभाग के अंतर्गत वन रक्षक, क्षेत्र रक्षक (कार्यपालिक) एवं जेल विभाग के अन्तर्गत जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक (कार्यपालिक) पदों की सीधी भर्ती परीक्षा-2022-23 के संबंध में आवश्यक सूचना

जेल विभाग के पत्र क्रमांक/2237/सामान्य-स्थापना/2023 भोपाल, दिनांक 20.01.2023 के अनुसार जेल अधीक्षक (कार्यपालिक) पद के द्वितीय चरण (शारीरिक दक्षता परीक्षण) के नियमों में संशोधन किया गया है। अतः समस्त अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए संशोधित नियमों को समाहित करने के उपरांत आवेदन पत्र भरने की तिथियों में निम्नानुसार परिवर्तन किया जाता है :-

स.क्र.	विवरण	वर्तमान निर्धारित तिथि	संशोधित तिथि
1.	आवेदन पत्र भरने की प्रारंभ तिथि	20.01.2023	25.01.2023
2.	आवेदन पत्र में संशोधन करने की प्रारंभ तिथि	20.01.2023	25.01.2023
3.	आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	03.02.2023	08.02.2023
4.	आवेदन पत्र में संशोधन करने की अंतिम तिथि	08.02.2023	13.02.2023

+ परीक्षा की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

विज्ञापन क्र. 49/2023

संचालक

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

Madhya Pradesh Employees Selection Board (MPESB)

'चयन भवन' मेन रोड नं.-1, बिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011

आर-48116/2023 **Fax : +91-0755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in** म.प्र. माध्यम/108282/2023

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 01/16/2022 से 53/2022, दिनांक 10.01.2023

सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन

01 आयोग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन हेतु सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों की पूर्ति हेतु कुल 38 विज्ञापन क्रमांक 16/2022 से 53/2022 दिनांक 30.12.2022 को आयोग की वेबसाइट **https://mppsc.mp.gov.in** तथा रोज़गार और निर्माण दिनांक 09.01.2023 के अंक में प्रकाशित किए गए हैं। उक्त समस्त विज्ञापनों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31.07.2023 एवं त्रुटिसुधार की अंतिम तिथि 02.08.2023 निर्धारित की जाती है।

02 विज्ञापनों की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

जी-21736/48090/2023 **उप सचिव**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2019 (विशेष परीक्षा) के आयोजन की सूचना दिनांक 18.01.2023

ऑनलाइन आवेदन अवधि	प्रवेश-पत्र उपलब्धता अवधि	परीक्षा तिथि
दिनांक 03.02.2023 से दिनांक 22.02.2023 तक	दिनांक 13.03.2023	19.03.2023

01 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य वन सेवा परीक्षा **2019** हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक **04/2019** दिनांक **14.11.2019** के संदर्भ में **माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा पारित निर्णित याचिका क्रमांक 23828/2022, निर्णय दिनांक 29.11.2022 एवं निर्णित याचिका क्रमांक-512/2021, दिनांक 07.04.2022** तथा अन्य संलग्न याचिकाओं के परिपालन में प्रारंभिक परीक्षा का पुनरीक्षित परिणाम दिनांक 13.01.2023 को घोषित किया गया है। उक्त परीक्षा में सफल आवेदकों हेतु राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा **2019 (विशेष परीक्षा) दिनांक 19.03.2023 को इंदौर** स्थित परीक्षा **केंद्र** पर निम्नानुसार आयोजित की जाएगी :-

प्रश्न पत्र	विवरण	समय
प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन, मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय, प्रारंभिक गणित, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेज़ी आदि	प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक
द्वितीय प्रश्न पत्र	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण	दोपहर 02:00 बजे से 04:00 बजे तक

प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा परीक्षा ऑनलाइन पद्धति से OMR आधारित होगी

02 **वन सेवा मुख्य परीक्षा हेतु** सफल आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरकर आवेदन एवं परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना आवश्यक होगा। मुख्य परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक **03.02.2023** (दोपहर 12:00 बजे) से **22.02.2023 (दोपहर 12:00 बजे तक)** तक **www.mponline.gov.in** तथा **www.mppsc.mp.gov.in** पर भरे जा सकते हैं। आवेदकों को मुख्य परीक्षा हेतु निम्नानुसार आवेदन एवं परीक्षा शुल्क देय होगा :-

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क
₹ 400/-	₹ 800/-

उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त पोर्टल शुल्क 40/- (सेवाकर सहित) अतिरिक्त देय होगा

03 आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र में दिनांक **08.02.2023** से दिनांक **24.02.2023** (दोपहर 12:00 बजे) तक त्रुटि सुधार भी कर सकेंगे। त्रुटि सुधार अवधि के पश्चात आवेदन पत्र में कोई सुधार नहीं किए जा सकेंगे। त्रुटि सुधार हेतु प्रति त्रुटि सुधार सत्र ₹ 50/- (सेवाकर सहित) देय होंगे। जिन आवेदकों द्वारा मुख्य परीक्षा हेतु अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन पत्र नहीं भरे जाएंगे राज्य वन सेवा परीक्षा 2019 हेतु उनकी उम्मीदवारी स्वयंमेव समाप्त हो जाएगी एवं इस संदर्भ में कोई अभ्यावेदन मान्य न करते हुये उन्हें नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा।

04 **विलम्ब शुल्क सहित आवेदन** :- आयोग की यह मान्यता है कि सभी अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन भर देंगे। अतः अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 22.02.2023 (दोपहर 12:00 बजे) तक ऑनलाइन आवेदन पत्र भर दें ताकि विलम्ब शुल्क के भुगतान की परिस्थिति उपस्थित न हो। अपरिहार्य कारणों से जो अभ्यर्थी अंतिम तिथि तक ऑनलाइन आवेदन नहीं भर पाते हैं तो उनकी सुविधा हेतु अंतिम तिथि के बाद विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन की निम्न व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है :-

1. दिनांक 23.02.2023 से 02.03.2023 तक - ₹ 3000/-
2. दिनांक 03.03.2023 से 12.03.2023 तक - ₹ 25000/-

विशेष : 1. विलम्ब शुल्क की उपरोक्त राशि के साथ परीक्षा शुल्क तथा पोर्टल शुल्क का भुगतान पृथक से देय होगा।

2. ₹ 3000 विलंब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदनों में दिनांक 02.03.2023 तक तथा ₹ 25000 विलम्ब शुल्क के साथ प्रस्तुत आवेदन पत्रों में दिनांक 12.03.2023 तक विहित शुल्क का भुगतान कर त्रुटि सुधार किया जा सकेगा।

05 मुख्य परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र दिनांक 13.03.2023 से **www.mponline.gov.in** तथा **mppsc.mp.gov.in** पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे। प्रवेश पत्र डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से प्रेषित नहीं किये जाएंगे। प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु आवेदक mponline के अधिकृत कियोस्क का भी उपयोग कर सकते हैं। कियोस्क के माध्यम से प्रवेश पत्र प्राप्ति हेतु ₹ 5/- पोर्टल शुल्क देय होगा।

06 आवेदक कृपया ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश पत्र के साथ निम्न मान्य फोटोयुक्त मूल पहचान-पत्र प्रस्तुत करने एवं उससे पहचान की पुष्टि होने के पश्चात ही परीक्षा देने की अनुमति मिलेगी :-

1.	मतदाता परिचय पत्र	2.	आधार कार्ड	3.	ड्रायविंग लायसेंस
4.	आयकर का पैन कार्ड	5.	पासपोर्ट	6.	फोटो सहित बैंक पासबुक
7.	केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय एवं अन्य नियोक्ताओं द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र	8.	शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत आवेदकों के मामले में शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा अधिकतम तीन वर्ष पूर्व जारी फोटो पहचान पत्र		
9.	राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय-पत्र				

07 मध्यप्रदेश के ऐसे मूल निवासी अभ्यर्थियों को जो कहीं सेवारत न हों तथा मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी हों को मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेखित वर्तमान पते के शहर/ग्राम से उन्हें आवंटित परीक्षा शहर तक आने-जाने के यात्रा व्यय का भुगतान वापसी यात्रा के पूर्व परीक्षा केन्द्र पर केन्द्राध्यक्ष द्वारा किया जाएगा। अभ्यर्थियों को इसके लिये केन्द्राध्यक्ष को वांछित घोषणा-पत्र भरकर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से संबंधित निम्न अभिलेख प्रस्तुत करना होंगे :-

(1) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।

(2) यात्रा टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गई, तथा किराये की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो।

09 राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2019 की परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम राज्य वन सेवा परीक्षा 2019 के विज्ञापन में प्रकाशित किया गया है।

जी-21926/48121/2023 **सचिव**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री

लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी, (म.प्र.)

एनआईटी नं.-02/2023/केन्द्रीकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/.... **जबलपुर, दिनांक : 10.01.2023**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निवदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क. एवं कार्य का नाम :- 1. ग्राम नरिया जिला डिण्डौरी में सी.एम. राईज योजनांतर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2023_PWPIU_243609_1	डिण्डौरी	2830.53	1415265/-	50000/-	18 माह वर्षाऋतु सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mpeproc.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/केशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 12.01.2023 समय 09.00 से दिनांक 28.01.2023 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-21833/48093/2023 **लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) डिण्डौरी, (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED office

इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001

फोन एवं फैक्स नं. : 0761-2622333, ईमेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 25/व.ले.लि./2022-23 **जबलपुर, दिनांक : 11.01.2023**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. - 25

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माफर्त निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र ऊक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. रानी दुर्गावती समाधि मार्ग लंबाई 20.332 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण (बी.टी. नवीनीकरण) का कार्य।

टेण्डर आई.डी.	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2023_PWDRB_243818_pack_1	प्रथम	403.50 लाख	403500/-	15000/-	3 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. मझगवां बघराजी मार्ग लंबाई 11.57 कि.मी. में विशेष मजबूतीकरण (बी.टी. नवीनीकरण) का कार्य।

2023_PWDRB_243819_pack_1	प्रथम	210.19 लाख	210190/-	15000/-	3 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. मीरगंज साइड (बायें तरफ), एन.एच. 7 से लक्ष्टेटाघाट भेड़ाघाट मीरगंज मार्ग प्रस्तावित बी.टी. लंबाई 2.70 कि.मी. एवं आमाहिनौता मार्ग लंबाई 0.825 कि.मी. कुल लंबाई 3.525 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।

2023_PWDRB_243820_pack_1	प्रथम	68.23 लाख	68300/-	10000/-	3 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. शंकरशाह नगर उपखण्ड के अंतर्गत आवासीय भवनों में रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य।

2023_PWDRB_243821_pack_1	प्रथम	15.00 लाख	30000/-	2000/-	4 माह (वर्षाऋतु सहित)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. टी.एफ.आर.आई. जबलपुर में बोरवेल खुदाई एवं पम्प हाउस का निर्माण कार्य।

2023_PWDRB_243823_pack_1	प्रथम	4.14 लाख	8300/-	2000/-	2 माह (वर्षाऋतु सहित)

टीप :- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाइन अपलोड करने की तिथि **दिनांक 16.01.2023 समय 10.30 से दिनांक 31.01.2023 समय 17.30 बजे तक** है। इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जावेंगे। (2) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाइन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पृनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-21822/48092/2023 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान

1. म.प्र. में सुपारी के खिलौने बनाने हेतु कौनसा क्षेत्र प्रसिद्ध है?
(अ) रीवा (ब) उज्जैन
(स) सीहोर (द) ग्वालियर
उत्तर- (अ) रीवा।

2. मध्यप्रदेश में पचमढ़ी के समीप कौन से शैलाश्रय प्राप्त हुये हैं?
(अ) आदमगढ़ शैलाश्रय
(ब) मामा-भांजा शैलाश्रय
(स) उपरोक्त दोनों
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (स) उपरोक्त दोनों।

3. बौद्ध ग्रंथों में उज्जैन नगरी किस नाम से उल्लेखित है?
(अ) तकसिल (ब) सिंहल
(स) अच्युत्तगामी (द) सीहक
उत्तर- (स) अच्युत्तगामी

4. निम्न में से कौनसा राजवंश म.प्र. से संबंधित है?
(अ) कलचुरी (ब) प्रतिहार
(स) चालुक्य (द) काकतीय
उत्तर- (अ) कलचुरी

5. चंड-प्रद्योत्त किस प्राचीन गणराज्य के शासक थे?
(अ) अवंति (ब) अंग
(स) काशी (द) वज्जि
उत्तर- (अ) अवंति।

6. म.प्र. में प्रागैतिहासिक शिलाचित्र कहां पाये गये हैं?
(अ) बाघ की गुफाएं
(ब) उदयगिरी की गुफा
(स) सोनगिरी
(द) भीमवेटका
उत्तर- (द) भीमवेटका

7. खेरला का किला म.प्र. के किस जिले में अवस्थित है?
(अ) बुरहानपुर (ब) जबलपुर
(स) सीहोर (द) बैतूल
उत्तर- (द) बैतूल।

8. मंडला किस राजवंश की राजधानी थी?
(अ) परमार (ब) गोंड
(स) होल्कर (द) सिंधिया
उत्तर- (ब) गोंड की।

9. किस राजवंश के द्वारा म.प्र. के प्रसिद्ध खजुराहो के मंदिरों का निर्माण करवाया गया?
(अ) होल्कर (ब) मौर्य
(स) परमार (द) चंदेल
उत्तर- (द) चंदेल।

10. तानसेन का मकबरा कहां स्थित है?
(अ) ग्वालियर (ब) शिवपुरी
(स) भोपाल (द) आगरा
उत्तर- (अ) ग्वालियर।

11. होल्कर वंश के संस्थापक थे?
(अ) यशवन्तराव (ब) तुकोजीराव
(स) मल्हारराव (द) काशीराव
उत्तर- (स) मल्हारराव।

12. 1857 की क्रांति में चंदेरी के किस शासक ने अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ी?
(अ) महाराज मर्दन सिंह जूदेव
(ब) देवी सिंह
(स) बहादुर सिंह
(द) राजा ठाकुर प्रसाद
उत्तर- (अ) महाराजा मर्दन सिंह जूदेव।

13. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत मध्यप्रदेश में किस जिले में हुई थी?
(अ) विदिशा (ब) इंदौर
(स) ग्वालियर (द) जबलपुर
उत्तर- (अ) विदिशा।

14. म.प्र. की भोपाल रियासत स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय संघ में कब शामिल हुई थी?
(अ) 15 अगस्त 1947
(ब) 1 जून 1949
(स) 1 नवंबर 1956
(द) 24 अक्टूबर 1948
उत्तर- (ब) 1 जून 1949।

15. संधवा में किसके नेतृत्व में आदिवासियों ने आंदोलन किया था?
(अ) भीमा नायक (ब) वीरसा
(स) गंजन सिंह (द) कोंडु
उत्तर- (अ) भीमा नायक।

16. भारतीय मानक समय निर्धारित करने वाली 82.30 पूर्वी देशान्तर म.प्र. के कि स शहर से गुजरती है?
(अ) उज्जैन (ब) सिंगरौली
(स) सिंगरौली (द) जबलपुर
उत्तर- (ब) सिंगरौली।

17. म.प्र. का कुल क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल के कितने प्रतिशत है?
(अ) 7.25% (ब) 10.05%
(स) 9.38% (द) 12.70%
उत्तर- (स) 9.38%।

18. म.प्र. में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग है?
(अ) उज्जैन (ब) भोपाल
(स) नर्मदापुरम (द) इन्दौर
उत्तर- (स) नर्मदापुरम।

19. धसान नदी का उद्गम स्थल है?
(अ) सीहोर (ब) होशंगाबाद
(स) अनूपपुर (द) रायसेन
उत्तर- (द) रायसेन।

20. तकिया टापू स्थित है?
(अ) इंदौर
(ब) भोपाल
(स) सागर
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (ब) भोपाल।

21. हरसी परियोजना किस नदी पर निर्मित परियोजना है?
(अ) कूनो (ब) पार्वती
(स) कालीसिंध (द) कोलार
उत्तर- (ब) पार्वती।

22. निम्न में से कौनसी नदी यमुना नदी में नहीं मिलती?
(अ) केन (ब) बेतवा
(स) सोन (द) चंबल
उत्तर- (स) सोन।

23. बाणसागर बांध का निर्माण किस नदी पर हुआ है?
(अ) केन (ब) सोन नदी
(स) नर्मदा (द) चम्बल
उत्तर- (ब) सोन नदी।

24. म.प्र. के किस क्षेत्र में न्यूनतम औसत वार्षिक वर्षा होती है?
(अ) दतिया (ब) भिण्ड
(स) विदिशा (द) सिंगरौली
उत्तर- (ब) भिण्ड।

25. म.प्र. में काली मिट्टी के क्षेत्र का बाहुल्य कहां है?
(अ) मालवा पठार
(ब) छत्तीसगढ़ मैदान
(स) बुन्देलखण्ड
(द) बघेलखंड
उत्तर- (अ) मालवा का पठार।

26. म.प्र. में बलराम ताल योजना की शुरुआत किस वर्ष की गई?
(अ) 2005 (ब) 2006
(स) 2007 (द) 2008
उत्तर- (स) 2007।

27. म.प्र. में कृषि अभियांत्रिकी अनुसंधान केन्द्र कहां स्थित है?
(अ) जबलपुर (ब) ग्वालियर
(स) इंदौर (द) भोपाल
उत्तर- (द) भोपाल।

28. म.प्र. राज्य वन विकास निगम की स्थापना की गई?
(अ) 24 जुलाई 1975
(ब) 1 नवम्बर 1956
(स) 1 नवम्बर 1981
(द) 19 फरवरी 1980
उत्तर- (अ) 24 जुलाई 1975।

29. म.प्र. में ईको पर्यटन विकास बोर्ड की स्थापना किस वर्ष की गई?
(अ) 2000 (ब) 2005
(स) 2010 (द) 2015
उत्तर- (ब) 2005।

30. बाघ जनगणना 2019 के अंतर्गत म.प्र. में बाघों की कुल संख्या है?
(अ) 500 (ब) 524
(स) 526 (द) 530
उत्तर- (स) 526।

31. सैलाना अभ्यारण म.प्र. के किस जिले में अवस्थित है?
(अ) रायसेन (ब) सीहोर
(स) मुरैना (द) रतलाम
उत्तर- (द) रतलाम।

32. देश का प्रथम गौ अभ्यारण, कामधेनु गौ अभ्यारण किस जिल में अवस्थित है?
(अ) अलीराजपुर
(ब) रीवा
(स) आगर-मालवा
(द) बैतूल
उत्तर- (स) आगर-मालवा।

33. म.प्र. में मैग्नीज का सबसे बड़ा स्रोत कहां है?
(अ) बालाघाट (ब) मंडला
(स) छिंदवाड़ा (द) सतना
उत्तर- (अ) बालाघाट।

34. म.प्र. का मलाजखण्ड किस खनिज से संबंधित है?
(अ) हीरा (ब) लौह अयस्क
(स) टंगस्टन (द) तांबा
उत्तर- (द) तांबा।

35. म.प्र. में कहां पर विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट (तैरता हुआ सोलर प्लांट) बनाया गया है?
(अ) रीवा (ब) अनूपपुर
(स) ओंकारेश्वर (द) जबलपुर
उत्तर- (स) ओंकारेश्वर।

36. म.प्र. में पोषण आहार संयंत्र कहां स्थापित है?
(अ) धार (ब) भोपाल
(स) सीहोर (द) इन्दौर
उत्तर- (अ) धार।

37. मालनपुर औद्योगिक विकास केन्द्र अवस्थित है?
(अ) भिण्ड (ब) छिंदवाड़ा
(स) गुना (द) राजगढ़
उत्तर- (अ) भिण्ड।

38. म.प्र. में जेम्स व ज्वेलरी पार्क कहां अवस्थित है?
(अ) धार (ब) भोपाल
(स) ग्वालियर (द) इंदौर
उत्तर- (द) इंदौर।

39. परधान किस जनजाति वर्ग की उपजाति है?
(अ) गोंड (ब) वैगा
(स) भील (द) बंजारा
उत्तर- (अ) गोंड।

40. बूढ़ादेव म.प्र. की किस जनजाति के प्रमुख देवता हैं?
(अ) कोल (ब) भील
(स) वैगा (द) गोंड
उत्तर- (स) वैगा।

41. जनसंख्या के आधार पर म.प्र. का सबसे बड़ा शहर है -
(अ) इंदौर (ब) भोपाल
(स) जबलपुर (द) ग्वालियर
उत्तर- (अ) इंदौर।

42. म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का मुख्यालय है?
(अ) इंदौर (ब) जबलपुर
(स) भोपाल (द) ग्वालियर
उत्तर- (स) भोपाल।

43. म.प्र. लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(अ) पी.वी. दीक्षित
(ब) डी.वी. रेगे
(स) अजय कुमार मित्तल
(द) अश्विन सिंह
उत्तर- (ब) डी.वी. रेगे।

44. उज्जैन का छीपा शिल्प किस नाम से विख्यात है?
(अ) पंजा
(ब) भैरूगढ़
(स) उपरोक्त दोनों
(द) उपयुक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (ब) भैरूगढ़।

45. म.प्र. में कलसा नृत्य किस क्षेत्र में प्रसिद्ध है?
(अ) बघेलखण्ड (ब) बुन्देलखण्ड
(स) मालवा (द) निमाड़
उत्तर- (अ) बघेलखण्ड।

46. म.प्र. के किस जिले में रतनगढ़ मेला लगता है?
(अ) सतना (ब) उमरिया
(स) दतिया (द) टीकमगढ़
उत्तर- (स) दतिया।

47. म.प्र. में प्रथम आदिवासी खेलकूद विद्यालय कहां स्थित है?
(अ) झाबुआ (ब) अलीराजपुर
(स) धार (द) शहडोल
उत्तर- (ब) अलीराजपुर।

48. म.प्र. खेल प्राधिकरण का गठन किस वर्ष किया गया?
(अ) 2000 (ब) 2005
(स) 2011 (द) 2016
उत्तर- (स) 2011

- श्रद्धा सुमन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं।)

कृषकों को उर्वरक सुगमता से उपलब्ध कराने बनाएं कार्ययोजना

भोपाल, सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने भोपाल में आयोजित विभागीय बैठक में कहा कि कृषकों को सुगमता से उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए वर्ष 2023-24 की कार्य-योजना अभी से तैयार करें। डॉ. भदौरिया ने कहा कि उर्वरकों के अग्रिम भण्डारण के लक्ष्य में वृद्धि कर शत-प्रतिशत भण्डारण के प्रयास किए जाए। खरीफ के लिए लक्ष्य 8.40 लाख मी. टन के स्थान पर 10.90 लाख मी. टन अग्रिम भण्डारण किया जाना प्रस्तावित किया गया। अग्रिम भण्डारण का समय एक मार्च के स्थान पर एक फरवरी से हो, जिससे लंबी अवधि के लिए सम्पूर्ण भण्डारण किया जा सके।

डॉ. भदौरिया ने कहा कि विपणन संघ के 280 डबल लॉक केन्द्र हैं, इनमें आवश्यकतानुसार वृद्धि की जा सकती है। वर्तमान में 110 विपणन समितियों द्वारा उर्वरक वितरण का कार्य किया जा रहा है, जिसे बढ़ा कर 160 विपणन समितियों से उर्वरक विक्रय कराया जायेगा। विपणन संघ से संबद्ध लगभग 110 अन्य समितियों यथा बीज उत्पादक समिति, फल-फूल उत्पादक समिति, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी एवं अन्य सहकारी समितियों से कलेक्टर के अनुमोदन के बाद उर्वरकों का वितरण कराया जायेगा। ऐसे क्षेत्र जहां डबल केन्द्र अथवा समितियां समीप किसी स्थान पर उपलब्ध नहीं है, वहां विपणन संघ द्वारा सेल प्रमोटर नियुक्त कर उर्वरकों का वितरण कराया जायेगा, जिससे दूरस्थ क्षेत्र के किसानों को भी उर्वरक सुगमता से मिल सके। विपणन संघ द्वारा सहकारिता क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्ध कुल मात्रा का 35 प्रतिशत उर्वरक का वर्तमान में नगद विक्रय किया जा रहा है, जिसे बढ़ा कर 50 प्रतिशत किया जायेगा।

राज्यपाल भोपाल में और मुख्यमंत्री जबलपुर में करेंगे ध्वजारोहण

भोपाल, गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल भोपाल में राज्य स्तरीय समारोह में और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम रीवा जिले में ध्वजारोहण करेंगे। प्रदेश के 29 जिला मुख्यालयों पर मंत्रीगण और 20 जिला मुख्यालय पर कलेक्टर मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे और मुख्यमंत्री के प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे।

गृह, जेल, संसदीय कार्य और विधि-विधायी कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया में, लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव सागर, जल संसाधन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट इंदौर, वन मंत्री श्री विजय शाह खण्डवा, वाणिज्यिक कर, वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा मंदसौर, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री विशालूलाल सिंह अनूपपुर, खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी, जनजातीय कार्य और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह मांडवे उमरिया, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल हरदा, राजस्व और परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत दमोह, खनिज साधन और श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह पन्ना, चिकित्सा शिक्षा, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री विश्वास केलाश सारंग विदिशा, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी रायसेन, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह सिसोदिया गुना, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ग्वालियर, पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल बड़वानी, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा नीमच, पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर देवास, सहकारिता और लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया भिण्ड, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग रतलाम, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव धार, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण (स्वतंत्र प्रभार), नर्मदा घाटी विकास राज्यमंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह मुरैना, स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार शाजापुर, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री रामकेलावन पटेल सतना, आयुष (स्वतंत्र प्रभार), जल संसाधन राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कांवरे बालाघाट, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्यमंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव अशोकनगर, लोक निर्माण राज्यमंत्री श्री सुरेश धाकड़ श्योपुर, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्री ओ.पी.एस. भदौरिया निवाड़ी में ध्वजारोहण करेंगे।

गणतंत्र दिवस पर खरगोन, झाबुआ, अलीराजपुर, बुरहानपुर, आगर-मालवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, छतरपुर, टीकमगढ़, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम्, बैतूल, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मण्डला और डिण्डोरी जिले में आयोजित मुख्य समारोह में संबंधित जिले के कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य अध्ययन

1. होमो सेपियन्स के रूप में वर्गीकृत किए जाने वाले प्रारंभिक होमिनाइड्स कौन थे -
(अ) निएंडरथल
(ब) अर्गेस्टर लाइन
(स) क्रो-मैग्नन
(द) प्रोकांसल
उत्तर- (स) क्रो-मैग्नन

2. निम्न में से कौन-सी रासायनिक प्रतिक्रिया की प्रकृति हमेशा ऊष्माशोषी होती है -
(अ) दहन प्रतिक्रिया
(ब) अपघटन
(स) विस्थापन
(द) संयोजन
उत्तर- (ब) अपघटन प्रतिक्रिया

3. 'सीड-योजना' (SEED) का संबंध है -
(अ) घुमंतु व अर्धघुमंतु समुदायों के कल्याण से
(ब) खाद्य प्रसंस्करण से
(स) भारत की आर्कटिक नीति से
(द) आपदा प्रबंधन से
उत्तर- (अ) घुमंतु व अर्धघुमंतु समुदायों के कल्याण से

4. 'परम पोरूल' नामक अत्याधुनिक सुपर कम्प्यूटर की स्थापना कहां की गई है -
(अ) आईआईटी मद्रास
(ब) NIT तिरुचिरापल्ली
(स) ISRO
(द) C-DAC
उत्तर- (ब) NIT तिरुचिरापल्ली

5. नायलॉन का धागा किससे बना होता है -
(अ) पॉलीएस्टर पॉलीमर
(ब) पॉलीएमाइड पॉलीमर
(स) पॉलीविनाइल पॉलीमर
(द) पॉलीसैकेराइड
उत्तर- (ब) पॉलीएमाइड पॉलीमर

6. निम्न में से किसे 'सिन्गैस' कहा जाता है -
(अ) $C(s) + H_2O_{(g)}$
(ब) $CO_{(g)} + H_2O_{(g)}$
(स) $CO_{(g)} + H_{2(g)}$
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) $CO_{(g)} + H_{2(g)}$

7. निम्न में से कौन-सा एक गैर सेल्यूलोसी रेशा का उदा. है -
(अ) जूट
(ब) रेयॉन
(स) नायलॉन
(द) लिनन
उत्तर- (स) नायलॉन

8. माओरी नामक जनजाति किस क्षेत्र में पाई जाती है -
(अ) न्यूजीलैंड
(ब) दक्षिण अफ्रीका
(स) पाकिस्तान
(द) यूक्रेन
उत्तर- (अ) न्यूजीलैंड

9. चिहुआहुआ नामक खनिज खनन केन्द्र किस खनिज हेतु प्रसिद्ध है -
(अ) तांबा
(ब) चांदी
(स) टिन
(द) सीसा
उत्तर- (ब) चांदी

10. 'ब्रंटलैन्ड रिपोर्ट' का संबंध है -
(अ) सतत विकास
(ब) जैव-विविधता संरक्षण
(स) ओजोन संरक्षण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) सतत विकास

11. भारतीय पर्यटन के 'स्वर्णिम त्रिभुज' में सम्मिलित शहर कौन-से हैं -
(अ) आगरा, दिल्ली तथा जयपुर
(ब) मथुरा, आगरा तथा ग्वालियर
(स) आगर, कानपुर तथा लखनऊ
(द) दिल्ली, मथुरा, आगरा
उत्तर- (अ) आगरा, दिल्ली तथा जयपुर

12. 'मिथन' नामक जनजातीय त्योहार का संबंध किस जनजाति से है -
(अ) भोटिया (ब) नागा
(स) मुण्डा (द) उरॉव
उत्तर- (ब) नागा

13. 'जनजातीय सलाहकार परिषद्' का गठन संविधान की किस अनुसूची के अंतर्गत किया जाता है -
(अ) अनुसूची-5
(ब) अनुसूची-7
(स) अनुसूची-8
(द) अनुसूची-4
उत्तर- (अ) अनुसूची-5

14. भारत की संकटग्रस्त जनजाति 'लेप्चा' किस राज्य में पाई जाती है -
(अ) तमिलनाडु
(ब) सिक्किम
(स) छत्तीसगढ़
(द) उत्तराखण्ड
उत्तर- (ब) सिक्किम

15. शरीर के अंदर रक्त किसकी उपस्थिति के कारण जमा नहीं होता है -
(अ) हीमोग्लोबिन
(ब) हेपरिन
(स) फाइब्रिन
(द) प्लाज्मा
उत्तर- (ब) हेपरिन

16. भारत में राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद् का अध्यक्ष कौन होता है -
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) जल संसाधन मंत्री
(स) पर्यावरण एवं वनमंत्री
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) प्रधानमंत्री

17. निम्न में से कौन-सा सुमेलित नहीं है -
(अ) स्टेनली जलाशय - तमिलनाडु
(ब) कोयना जलाशय - महाराष्ट्र
(स) जलापुट जलाशय - उड़ीसा
(द) भद्रा जलाशय - आंध्र प्रदेश
उत्तर- (द) भद्रा जलाशय - आंध्र प्रदेश

18. 'नाथपा झाकरी परियोजना' किस नदी पर अवस्थित है -
(अ) शरावती
(ब) सतलज नदी
(स) कृष्णा
(द) चिनाब
उत्तर- (ब) सतलज नदी

19. भारत में किस प्रकार के वनों का क्षेत्रफल सर्वाधिक है -
(अ) ऊष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
(ब) ऊष्ण कटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन
(स) मरुस्थलीय वन
(द) सदाबहार वन
उत्तर- (अ) ऊष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन

20. भारत में प्रवेश करने वाले शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति कहां होती है -
(अ) अरब सागर
(ब) भू-मध्य सागर
(स) हिन्द महासागर
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) भू-मध्य सागर

21. किस संविधान संशोधन के तहत 'मेघालय' को असम से अलग करके एक स्वायत्त राज्य बनाया गया -
(अ) 22वां संशोधन
(ब) 23वां संशोधन
(स) 12वां संशोधन
(द) 14वां संशोधन
उत्तर- (अ) 22वां संशोधन

22. केन्द्र व राज्यों के मध्य होने वाले विवादों का निर्णय करने की भारत के उच्चतम न्यायालय की शक्ति किसके अंतर्गत आती है -
(अ) परामर्शी अधिकारिता के अंतर्गत
(ब) अपीली अधिकारिता
(स) मूल अधिकारिता के अंतर्गत
(द) रिट अधिकारिता के अंतर्गत
उत्तर- (स) मूल अधिकारिता के अंतर्गत

23. भारत शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियां किसे दी गई थीं -
(अ) संघीय विधान मण्डल को
(ब) गवर्नर जनरल को
(स) प्रांतीय विधान मण्डल को
(द) प्रांतीय राज्यपालों को
उत्तर- (ब) गवर्नर जनरल को

24. निम्नलिखित में से कौन वित्त आयोग की प्रत्येक अनुशंसा को संसद में रखने के लिए बाध्य कर सकता है -
(अ) भारत के राष्ट्रपति
(ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) भारत के प्रधानमंत्री
(द) केन्द्रीय वित्त मंत्री
उत्तर- (अ) भारत के राष्ट्रपति

25. भारतीय संविधान में कौन-से अनुच्छेद में 'बजट' शब्द का उल्लेख किया गया है -
(अ) अनु. 266
(ब) अनु. 112
(स) अनु. 265
(द) किसी में नहीं
उत्तर- (द) किसी में नहीं

26. 'सेतुबंध' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ की रचना किसके द्वारा की गई थी -
(अ) प्रवरसेन-II
(ब) वाकपति
(स) हर्षवर्द्धन
(द) भास्कर वर्मन
उत्तर- (अ) प्रवरसेन-II

27. 'कण्णगी पूजा' का आरंभ किस शासक के द्वारा करवाया गया था -
(अ) नेडुजेराल
(ब) शेनगुट्टुवन
(स) नेंडुजेलियन
(द) नेडियोन
उत्तर- (ब) शेनगुट्टुवन

28. मौर्यकालीन अधिकारी 'रूपदर्शक' किस विभाग से संबंधित था -
(अ) टकसाल
(ब) सेनाध्यक्ष
(स) मुद्रा परीक्षण
(द) वस्त्र उद्योग
उत्तर- (स) मुद्रा परीक्षण

29. सम्राट अशोक के किस शिलालेख में 'स्त्री महामात्रों' की नियुक्ति का वर्णन है -
(अ) बारहवां (ब) पांचवां
(स) सातवां (द) तेरहवां
उत्तर- (अ) बारहवां शिलालेख

30. यजुर्वेद में उल्लेखित शब्द 'व्रीही' से क्या आशय है -
(अ) पानी (ब) चावल
(स) गृह (द) यज्ञ
उत्तर- (ब) चावल

31. नाटो (NATO) नामक संगठन की स्थापना किस वर्ष की गई थी -
(अ) 1952 (ब) 1946
(स) 1949 (द) 1951
उत्तर- (स) 1949

32. ओलिम्पिक खेलों में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी किस वर्ष से प्रारंभ हुई -
(अ) 1920 (ब) 1928
(स) 1968 (द) 1900
उत्तर- (द) 1900 (पेरिस/फ्रांस से)

33. द्रव प्रणोदक प्रणाली केन्द्र (LPSC) की इकाई कहां अवस्थित है -
(अ) भोपाल
(ब) अहमदाबाद
(स) जयपुर
(द) महेन्द्रगिरि
उत्तर- (द) महेन्द्रगिरि

34. FSH नामक हार्मोन का स्रावण किस अंतः स्रावी ग्रंथि से होता है -
(अ) पिट्यूटरी ग्रंथि
(ब) थायरॉइड ग्रंथि
(स) B-कोशिका
(द) वृषण से
उत्तर- (अ) पिट्यूटरी ग्रंथि

35. 'परकिन्सन' नामक रोग में कौन सा हार्मोन अल्प होता है-
(अ) एण्डोरफिन
(ब) डोपामिन
(स) STH
(द) इन्सुलिन
उत्तर- (ब) डोपामिन

36. 'दृष्टिवैषम्य' (Astigmatism) नामक नेत्र रोग में किस प्रकार का लेंस प्रयोग किया जाता है -
(अ) उत्तल लेंस
(ब) अवतल लेंस
(स) सिलैण्ड्रीकल लैंस
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) सिलैण्ड्रीकल लैंस

37. 'आर्थोपोडा नामक जन्तु किस अंग द्वारा उत्सर्जन करते हैं -
(अ) विशिष्ट नलिका द्वारा
(ब) वृक्क द्वारा
(स) मैल्पीघियन ट्यूब
(द) मूत्र अंग
उत्तर- (स) मैल्पीघियन ट्यूब द्वारा

38. एक ग्राम वसा के पाचन से हमें कितनी ऊर्जा प्राप्त होती है -
(अ) 9.3 किलो कैलोरी
(ब) 4 किलो कैलोरी
(स) 15 किलो कैलोरी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) 9.3 किलो कैलोरी

39. भारत की पहली 'कन्या पंचायत' या 'बालिका पंचायत' किस राज्य में शुरू की गई -
(अ) गुजरात
(ब) आंध्रप्रदेश
(स) असम
(द) राजस्थान
उत्तर- (अ) गुजरात

40. 'विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक (world competitiveness index) 2022 में भारत को कौन-सा स्थान प्राप्त हुआ है -
(अ) 43वां
(ब) 37वां
(स) 45वां
(द) 30वां
उत्तर- (ब) 37वां स्थान

41. 'प्राची यादव' का संबंध किस खेल से है -
(अ) तीरंदाजी
(ब) शूटिंग
(स) तैराकी
(द) कयाकिंग-कैनोइंग
उत्तर- (द) कयाकिंग-कैनोइंग

42. 'BBC Indian Sport woman of the year award'-2022 किसे दिया गया है -
(अ) सैफाली वर्मा
(ब) अवनी लखेरा
(स) कर्णम मल्लेश्वरी
(द) मीराबाई चानू
उत्तर- (द) मीराबाई चानू

43. 'भारत गौरव योजना' किस पर आधारित है -
(अ) पर्यटन
(ब) बजट
(स) महिला
(द) मछली
उत्तर- (अ) पर्यटन

44. जिव्हाला योजना का संबंध किससे है -
(अ) महिलाओं के शक्तिकरण से
(ब) जेल के कैदियों से
(स) बाल-मजदूरों से
(द) बुजुर्गों से
उत्तर- (ब) जेल के कैदियों से

45. ऊर्जा मंत्रालय द्वारा घोषित नीति में किस वर्ष तक हरित हाइड्रोजन के घरेलू उत्पादन को 5 मिलियन टन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है -
(अ) 2025
(ब) 2035
(स) 2030
(द) 2040
उत्तर- (स) 2030

46. कन्हेरी की गुफाएं कहां पर अवस्थित हैं -
(अ) मुम्बई
(ब) ऐरण
(स) अहमदाबाद
(द) दिल्ली
उत्तर- (अ) मुम्बई

47. 'कार्कोट वंश' के संस्थापक कौन थे -
(अ) ललितादित्य
(ब) दुर्लभवर्धन
(स) चन्द्रपीड
(द) तारापीड
उत्तर- (ब) दुर्लभवर्धन

48. 'धर्म गार्जियन 2022' नामक युद्धाभ्यास किन दो देशों की सेनाओं के मध्य हुआ -
(अ) भारत-जापान
(ब) भारत-बांग्लादेश
(स) भारत-श्रीलंका
(द) भारत-फ्रांस
उत्तर- (अ) भारत-जापान

49. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना किस वर्ष की गई -
(अ) 1990
(ब) 1993
(स) 1995
(द) 1985
उत्तर- (ब) 1993

50. 'थेरी मरुस्थल' कहां अवस्थित है -
(अ) राजस्थान
(ब) तमिलनाडु
(स) आंध्रप्रदेश
(द) कर्नाटक
उत्तर- (ब) तमिलनाडु

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं।)

भारत के 'सफेद सोने' पर निर्भर होगी पूरी दुनिया

पशुधन और दूध से जुड़े व्यवसाय भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। हमारी इस विरासत ने भारत के डेयरी सेक्टर को कुछ विशेषताओं से सशक्त कर दिया है। चूंकि दूध खाद्य पदार्थ के रूप में हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज दूध से न सिर्फ दही, घी और पनीर बल्कि अनगिनत खाद्य पदार्थ दुनियाभर में बनाए जाते हैं। दूध की महत्ता को देखते हुए ही इसे सफेद सोना भी कहा जाता है। दूध का प्रयोग जहां शरीर के विकास में लाभकारी होता है, वहीं आज यह रोज़गार का भी साधन बन गया है। भारत में केंद्र सरकार की ओर से डेयरी विकास और दुग्ध उत्पादन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारत को तेजी से आगे बढ़ता देख यह कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में भारत इतना दुग्ध उत्पादन करेगा कि पूरी दुनिया उसके 'सफेद सोने' पर निर्भर होगी। फिलहाल, भारत में उत्पादित होने वाले दूध की अत्यधिक खपत देश में ही हो जाती है। भारत सरकार ने इस क्षेत्र में अधिक लाभ कमाए जाने की संभावनाओं को पहचानते हुए 2 लाख डेयरियां खोलने के बारे में निर्णय लिया है। डेयरी सेक्टर का सामर्थ्य न सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है, बल्कि दुनियाभर में करोड़ों लोगों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है।

पंचायत स्तर पर खोली जाएंगी 2 लाख प्राथमिक दुग्ध डेयरी

भारत सरकार ने हाल ही में देश को अग्रणी दुग्ध उत्पादक और निर्यातक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पंचायत स्तर पर करीब 2 लाख प्राथमिक दुग्ध डेयरियां खोले जाने की बड़ी घोषणा की है। दुग्ध उत्पादकों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने की दिशा में भारत सरकार ने ये कदम उठाया है। इस लक्ष्य को पूरा करने का समय वैसे तो तीन साल रखा गया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि साल 2023 इस कार्य के लिए शुरुआती और निर्णायक साबित होने वाला है। इस कार्य हेतु देशभर में पंचायत स्तर पर दो लाख प्राथमिक दुग्ध डेरियां खोली जाएंगी। इसकी घोषणा 30 दिसंबर 2022 को कर्नाटक में एक मेगा डेयरी का उद्घाटन करने के बाद मांड्या में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने की थी। इस कार्य के लिए सहकारी दुग्ध उत्पादकों को सहकारिता मंत्रालय की ओर से हर तरह की तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश

वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। साल 2018-19 में भारत ने 188 मिलियन टन दूध का उत्पादन किया था, जबकि 2019-20 में 198 टन दूध का उत्पादन हुआ। हालांकि, कोरोना काल का असर डेयरी सेक्टर पर भी पड़ा, जिसके चलते वित्तीय वर्ष 2020-21 में उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन भारत एक बार फिर इस क्षेत्र में अपनी ताकत आजमाता नजर आ रहा है। प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता की बात करें, तो साल 2014 में जहां यह 307 ग्राम प्रति व्यक्ति थी, वहीं 2019-20 में बढ़कर 406 ग्राम प्रति व्यक्ति हो गयी है। यही कारण है कि आज दुनिया के तमाम देश इस सेक्टर में भी भारत से सीख ले रहे हैं।

डेयरी सेक्टर में सुधार

20वीं पशु जनगणना रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल 54 करोड़ पशुधन हैं। सरकार पशुपालन और डेयरी विकास को ध्यान में रखते हुए, निरंतर एक के बाद एक कदम उठा रही है, जिनमें राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से पशु प्रजनन, पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य, पशुधन एवं आहार विकासेपण तथा अध्ययन केंद्र, सरकारी सेवाएं, अभियांत्रिकी सेवाएं, वित्तीय एवं योजना सेवाएं, सहकारी प्रशिक्षण, उत्पाद एवं प्रक्रिया पद्धति, क्षेत्रीय विश्लेषण एवं अध्ययन शामिल है, जिससे पशुओं के संवर्धन में किसी तरह की समस्याएं न हों। उल्लेखनीय है कि पशुधन परंपरागत कृषि के अलावा लाखों लोगों को रोज़गार के साधन मुहैया करवाते हैं। दुग्ध उत्पादन और डेयरी विकास इनमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देश के लाखों पशुपालक अपने पशुधन की हिफाजत और सेवा अपने बच्चों की तरह करते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि इन पशुपालकों की आजीविका का साधन यही पशु बनते हैं। पशुपालक दूध और उससे जुड़े उत्पाद को बेचकर अपने परिवार चलाते हैं। पशुपालकों के अलावा दूध से जुड़े उत्पादों को बनाने वाली आज बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां हैं, जहां प्रसंस्करण का काम बहुत तेजी से किया जाता है। इन फैक्ट्रियों में हजारों की संख्या में लोगों को रोज़गार मिलता है। सरकार ने भी डेयरी प्रसंस्करण एवं बुनियादी ढांचा विकास निधि का गठन किया है, जो डेयरी सहकारी समितियों, किसानों के निरंतर लाभ के लिए प्रतिस्पर्धी है। केंद्र सरकार ने 2018-19 से 2022-23 के दौरान डेयरी प्रसंस्करण और बुनियादी ढांचा विकास कोष के क्रियान्वयन के लिए कुल 11,184 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिससे डेयरी क्षेत्र और इससे जुड़े लोगों को मजबूती मिल सके।

भारत में डेयरी कोऑपरेटिव का एक विशाल नेटवर्क

आज भारत में डेयरी कोऑपरेटिव का एक ऐसा विशाल नेटवर्क है, जिसकी मिसाल पूरी दुनिया में मिलना मुश्किल है। ये डेयरी कॉपरेटिव्स देश के दो लाख से ज्यादा गांवों में, करीब-करीब दो करोड़ किसानों से दिन में दो बार दूध जमा करती हैं और उसे ग्राहकों तक पहुंचाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में बीच में कोई मिडिल मैन नहीं होता, और ग्राहकों से जो पैसा मिलता है, उसका 70 प्रतिशत से ज्यादा किसानों की जेब में ही जाता है। पूरे विश्व में इतना ज्यादा रेश्यो किसी और देश में नहीं है। भारत के डेयरी सेक्टर में बूमन पावर यानी महिलाएं 70 प्रतिशत वर्कफोर्स का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- भारत, डेयरी पशुओं का सबसे बड़ा डेटाबेस तैयार कर रहा है। डेयरी सेक्टर से जुड़े हर पशु की टैगिंग हो रही है। आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से सरकार पशुओं की बायोमैट्रिक पहचान कर रही है। सरकार द्वारा इसे 'पशु आधार' नाम दिया गया है।
- भारत में सरकार पशुओं के यूनिवर्सल वैक्सीनेशन पर भी बल दे रही है। सरकार का संकल्प है कि 2025 तक हम शत-प्रतिशत पशुओं को फुट एंड माउथ डिजीज और ब्रुसलोसिस की वैक्सीन लगाएंगे।
- 2022 में चार दिवसीय विश्व डेयरी सम्मेलन 12 से 15 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन 'पोषण और आजीविका के लिए डेयरी' विषय पर केंद्रित था। इस सम्मेलन से भारतीय डेयरी किसानों को दुनिया की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी हासिल करने में भी मदद मिली। बता दें कि इस तरह का पिछला सम्मेलन भारत में लगभग आधी सदी पहले 1974 में आयोजित किया गया था।
- दुनिया में डेयरी क्षेत्र में विकास दर 2 प्रतिशत है जबकि भारत में यह दर 6 प्रतिशत है। आने वाले समय में भारत में इस क्षेत्र में विकास दर और बढ़ेगी।
- देशभर में "राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी)" नामक केंद्रीय योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसका लक्ष्य बेहतर दूध उत्पादन के लिए अवसंरचना का सृजन और उसे मजबूत बनाना, राज्य कार्यान्वयन एजेंसी (एसआईए), यानि राज्य सहकारी दुग्ध संघ के जरिए दूध और दुग्ध उत्पादों की खरीद, प्रसंस्करण और विपणन है। जुलाई 2021 में योजना को दोबारा दुरुस्त और संशोधित किया गया। संशोधित एनपीडीडी योजना को 2021-22 से 2025-26 में कार्यान्वित किया जाएगा, जिसका बजट प्रावधान 1790 करोड़ रुपए है। योजना का लक्ष्य दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता को बढ़ाना तथा संगठित खरीद, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्द्धन और विपणन की हिस्सेदारी में इजाफा करना है।
- केंद्र सरकार के प्रयासों से देश में उत्पादकता में सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के क्रम में, किसानों के लिए दुग्ध व्यवसाय को ज्यादा लाभकारी बनाने के उद्देश्य से गोवंशियों के अनुवांशिकीय उन्नयन और स्वदेशी नस्लों के विकास एवं संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' चलाया गया।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान – खेल

1. **वर्ष 2022 में आईसीसी महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप किस देश में खेला जा रहा है।**
(अ) ऑस्ट्रेलिया
(ब) पाकिस्तान
(स) यूएई
(द) दक्षिण अफ्रीका

2. **भारतीय ओलिंपिक संघ की नव निर्वाचित अध्यक्ष बनीं हैं।**
(अ) पी.टी. उषा
(ब) अंजू बॉबी जॉर्ज
(स) कृष्णा पूनिया
(द) इनमें से कोई नहीं

3. **इनमें से किस देश ने अब तक यूएफा यूरो कप नहीं जीता है।**
(अ) फ्रांस
(ब) बेल्जियम
(स) जर्मनी
(द) पुर्तगाल

4. **एमा राडुकानू किस देश की युवा टेनिस खिलाड़ी हैं।**
(अ) ब्रिटेन
(ब) जर्मनी
(स) स्विट्जरलैंड
(द) बेलारूस

5. **वर्ष 2025 में महिला रग्बी वर्ल्डकप किस देश में आयोजित किया जायेगा।**
(अ) ऑस्ट्रेलिया
(ब) इंग्लैंड
(स) अमेरिका
(द) वेल्स

6. **ब्रिटेन के मार्क सेल्बी किस खेल के दिग्गज खिलाड़ी हैं।**
(अ) स्नूकर
(ब) रग्बी
(स) टेनिस
(द) तैराकी

7. **अनिल कुंबले ने टेस्ट क्रिकेट में किस देश के खिलाफ एक पारी में सभी 10 विकेट लिए थे।**
(अ) ऑस्ट्रेलिया
(ब) श्रीलंका
(स) दक्षिण अफ्रीका
(द) पाकिस्तान

8. **वर्ष 2022 में सिनसिनाटी ओपन में महिला एकल वर्ग की विजेता बनी है।**
(अ) ईगा स्वितेक
(ब) पेत्रा क्वितोवा
(स) कैरोलिना गार्सिया
(द) आर्यना सबालेंका

9. **टोक्यो ओलिंपिक-2022 में भारतीय पहलवानों ने कुश्ती में कितने पदक जीते थे।**
(अ) एक
(ब) दो
(स) तीन
(द) पांच

10. **इनमें से किस भारतीय मुक्केबाज ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में स्वर्ण पदक जीता है।**
(अ) रोहित टोकस
(ब) मोहम्मद हसमुद्दीन
(स) अमित पंघल
(द) सागर अहलावत

11. **वर्ष 2022 में सैयद मुश्ताक अली ट्रर्नामेंट किस टीम ने जीता है।**
(अ) कर्नाटक
(ब) मुंबई
(स) मध्यप्रदेश
(द) दिल्ली

12. **एमिलियानो मार्टिनेज किस देश की फुटबॉल टीम के गोलकीपर है।**
(अ) अर्जेंटीना
(ब) फ्रांस
(स) क्रोएशिया
(द) इटली

13. **वर्ष 2022 में किस खिलाड़ी ने एटीपी फाइनल्स टूर्नामेंट जीता है।**
(अ) राफेल नडाल
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) कैस्पर रूड
(द) इनमें से कोई नहीं

14. **भारत ने कितनी बार ब्लाइंड टी-20 वर्ल्डकप का खिताब जीता है।**
(अ) एक बार
(ब) दो बार
(स) तीन बार
(द) इनमें से कोई नहीं

15. **क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इनमें से किस क्लब के लिए नहीं खेला है।**
(अ) मैनचेस्टर यूनाइटेड
(ब) जुवेंटस
(स) रियल मैड्रिड
(द) वारिसिलोना

16. **फीफा वर्ल्डकप में किस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा गोल दागे हैं।**
(अ) लियोनेल मेसी
(ब) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(स) किलियन एम्बापे
(द) रॉबर्ट लेवानडोवस्की

17. **वर्ष 2023 के फॉर्मूला-वन सत्र में कुल कितनी रेस आयोजित की जायेगी।**
(अ) 20 (ब) 21
(स) 22 (द) 23

18. **वर्ष 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल वर्ग की विजेता है।**
(अ) नाओमी ओसाका
(ब) एश्ले बार्टी
(स) कैरोलिना प्लिस्कोवा
(द) सेरेना विलियम्स

19. **ऑस्ट्रेलियन टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने कितने ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं।**
(अ) 2 (ब) 3
(स) 5 (द) 6

20. **वर्ष 2022 में इनमें से किस बैडमिंटन खिलाड़ी को अर्जुन अवॉर्ड मिला है।**
(अ) किदांबी श्रीकांत
(ब) समीर वर्मा
(स) लक्ष्य सेन
(द) इनमें से कोई नहीं

21. **बन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं।**
(अ) रोहित शर्मा
(ब) एबी डिविलियर्स
(स) शाहिद अफरीदी
(द) जोस बटलर

22. **ओलिवियर गियोड किस देश के दिग्गज फुटबॉलर हैं।**
(अ) फ्रांस
(ब) जर्मनी
(स) बेल्जियम
(द) क्रोएशिया

23. **इनमें से किस ऑस्ट्रेलियन बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक नहीं बनाया है।**
(अ) मैथ्यू हेडन
(ब) डेविड वॉर्नर
(स) माइकल क्लार्क
(द) स्टीव स्मिथ

24. **वर्ष 2023 में वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप किस शहर में आयोजित की जायेगी।**
(अ) कोपेनहेगन
(ब) पेरिस
(स) टोक्यो
(द) रोम

25. **वर्ष 2022 में किस खिलाड़ी ने एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता है।**
(अ) मेडी हिंच
(ब) सविता पूनिया
(स) वेलेन सुची
(द) रशेल लिंच

उत्तर

1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब), 6. (अ), 7. (द), 8. (स), 9. (ब), 10. (स), 11. (ब), 12. (अ), 13. (ब), 14. (स), 15. (द), 16. (स), 17. (द), 18. (अ), 19. (ब), 20. (स), 21. (ब), 22. (अ), 23. (द), 24. (अ), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

फीफा ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए जारी किये नामांकन

ज्यूरिख, विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने सालाना दिए जाने वाले पुरस्कारों के लिए दावेदार खिलाड़ियों के नाम का ऐलान कर दिया है। फीफा ने सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर पुरस्कार के लिए नामित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी। सूची में 14 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, इनमें वर्ष 2022 में विश्वकप का खिताब जीतने वाले कप्तान लियोनेल मेसी, किलियन एमबाप्पे, केविन डि ब्रूएन, नेमार जूनियर, जूलियन अल्वारेज, करीम बेंजेमा, जुड बेलिंघम, एर्लिंग हॉलंड, अचरफ हकीमी, रॉबर्ट लेवानडोव्स्की, साडियो माने, लुका मोड्रिक, मोहम्मद सालाह और विनिसियस जूनियर शामिल है। फीफा ने सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर अवॉर्ड के लिए एमिलियानो मार्टिनेज, एलिसन बेकर, थिबॉट कॉर्टियस, एडरसन और वासिन वाउजु को नामांकित किया है। फीफा ने कहा कि इन पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन वोटिंग शुरू हो गई है, जो तीन फरवरी तक चलेगी।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान से जीती वन-डे सीरीज

कराची, पाकिस्तान दौरे पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों की वन-डे सीरीज 2-1 से जीत ली है। न्यूजीलैंड ने 54 वर्ष बाद पाकिस्तान में सीरीज जीती है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने वर्ष 1969 में सीरीज जीती थी। तीसरे मैच में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया। मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट खोकर 280 रन बनाये। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने 101 रनों की पारी खेली, वहीं मोहम्मद रिजवान ने 77 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम को सलामी बल्लेबाज फिन एलन (25) और डेवोन कोन्वे (52) ने बढ़िया शुरुआत दिलाई। इनके बाद केन विलियमसन (53) और डेरिल मिशेल (31) ने पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में ग्लेन फिलिप ने 42 गेंदों में 63 रनों की पारी खेलकर न्यूजीलैंड को 2 विकेट से जीत दिलाई। इससे पहले सीरीज का पहला मैच पाकिस्तान ने 6 विकेट से तथा दूसरा मैच न्यूजीलैंड ने 79 रन से जीता था।

ह्यूगो लॉरिस ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

पेरिस, फ्रांस की फुटबॉल टीम के कप्तान और गोलकीपर ह्यूगो लॉरिस ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। लॉरिस वर्ष 2018 में फीफा विश्वकप जीतने वाली फ्रांसीसी टीम के कप्तान थे। लॉरिस ने वर्ष 2022 में आयोजित फीफा विश्वकप में भी टीम की कमान संभाली थी। विश्वकप में फ्रांसीसी टीम फाइनल में अर्जेंटीना से हारकर उपविजेता रही थी। इसके अलावा लॉरिस की कप्तानी में फ्रांस ने वर्ष 2020-21 में नेशंस लीग का खिताब भी जीता है। लॉरिस ने 145 अंतर्राष्ट्रीय मैच में फ्रांस का प्रतिनिधित्व किया है।

लॉरिस के नाम फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने वर्ष 2008 में उरूग्वे के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था। लॉरिस ने कहा कि वह इंग्लिश प्रीमियर लीग में टॉटनहम हॉटस्पर क्लब के लिए खेलना जारी रखेंगे।

भारत ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दर्ज की सबसे बड़ी जीत

तिरुवनंतपुरम, विराट कोहली और शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारत ने श्रीलंका को तीन मैचों की वन-डे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। भारत ने सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में श्रीलंका को 317 रन से हराया। मैच में भारत ने 390 रन बनाये, जिसके जवाब में श्रीलंका की टीम 73 रन के स्कोर पर ढेर हो गई। ये वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। भारत से पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम था, न्यूजीलैंड ने वर्ष 2008 आयरलैंड को 290 रन से हराया था।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत को सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की। रोहित 42 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विराट कोहली ने शुभमन के साथ पारी को आगे बढ़ाया और 131 रनों की साझेदारी की। मैच में शुभमन गिल ने अपने वन-डे कैरियर का दूसरा शतक पूरा किया। शुभमन 116 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, लेकिन विराट कोहली लगातार रन बनाते रहे। विराट ने 85 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। शतक बनाने के बाद विराट ने रन गति तेज कर दी। विराट ने मैच में 110 गेंदों का सामना करते हुए 166 रन बनाये। इस पारी के दौरान विराट ने 13 चौके और 8 छक्के लगाए। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 5 विकेट खोकर 390 रन बनाये।

- **भारत ने इससे पहले वन-डे क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत वर्ष 2007 में बरमूडा (257) के खिलाफ दर्ज की थी।**
- **भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 10वीं द्विपक्षीय वन-डे सीरीज जीती है।**
- **श्रीलंका के खिलाफ भारत की यह वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 96वीं जीत है, जो किसी भी देश के खिलाफ सबसे ज्यादा है।**
- **मैच में विराट कोहली ने अपने वन-डे कैरियर का 46वां शतक जमाया।**
- **विराट का पिछली चार पारियों में ये तीसरा वन-डे शतक है।**
- **विराट का घरेलू मैदान पर 21वां वन-डे शतक है।**
- **इस मामले में विराट ने सचिन तेंदुलकर (20) को पीछे छोड़ दिया है।**
- **विराट का यह श्रीलंका के खिलाफ 10वां वन-डे शतक है।**
- **किसी एक टीम के खिलाफ 10 वन-डे शतक बनाने वाले विराट विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।**

जीत के लिए मिले विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम शुरुआत से दबाव में नजर आई। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने घातक गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम को झझकोर दिया। श्रीलंका का कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाया। श्रीलंका के लिए नाविंदु फर्नांडो ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाये। श्रीलंका के तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। भारतीय गेंदबाजों ने महज 22 ओवरों में श्रीलंका की पारी समेट दी। भारत के लिए मोहम्मद सिराज ने 32 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट लिए। सीरीज में 283 रन बनाने वाले विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

गैस्केट ने जीता ऑकलैंड ओपन खिताब

ऑकलैंड, फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी रिचर्ड गैस्केट ने एएसबी क्लासिक ऑकलैंड ओपन खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में गैस्केट ने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। 36 वर्षीय गैस्केट के टेनिस कैरियर का ये 16वां एटीपी टूर खिताब है। ऑकलैंड ओपन के फाइनल मुकाबले में कैमरन नॉरी पहले सेट में गैस्केट पर भारी पड़े। नॉरी ने यह सेट 6-4 से जीता इसके बाद दूसरे सेट में गैस्केट ने पलटवार किया और जीत दर्ज की। तीसरा सेट मैच का निर्णायक सेट रहा। इस सेट में गैस्केट को आठ ब्रेक प्वाइंट मिले, इनमें से चार मौकों को गैस्केट ने भुनाया और जीत दर्ज की।

यश चावड़े ने घरेलू क्रिकेट में खेली 508 रनों की पारी

नागपुर, महाराष्ट्र के 13 वर्षीय युवा वल्लेबाज यश चावड़े ने घरेलू क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। यश ने नागपुर में खेले गए अंडर-14 इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में सीमित ओवर ग्रास्प में नाबाद 508 रनों की पारी खेली। टूर्नामेंट में 40 ओवर के एक मैच में यश की टीम सरस्वती विद्यालय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिद्धेश्वर स्कूल के खिलाफ 40 ओवरों में बिना विकेट गवाएं 714 रन बनाये। इनमें यश ने 178 गेंदों का सामना करते हुए 81 चौके और 18 छक्कों की मदद से 508 रन बनाये। यश किसी भी इंटर स्कूल सीमित ओवर क्रिकेट मैच में 500 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इस वर्ग में सबसे बड़ी पारी खेलने का विश्व रिकॉर्ड श्रीलंका के चिरथ सेलपेरूमा के नाम है। सेलपेरूमा ने वर्ष 2022 में एक अंडर-15 मैच में 533 रन की पारी खेली थी।

भारतीय हॉकी टीम ने विश्वकप के नॉकआउट राउंड में बनाई जगह

भुवनेश्वर, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के नॉकआउट राउंड में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने अपने आखिरी ग्रुप मैच में वेल्स को हराकर नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया। हालांकि भारतीय टीम गोल अंतर से पिछड़ने के कारण सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह नहीं बना सकी। ग्रुप राउंड में भारत और इंग्लैंड के 7-7 अंक हैं, लेकिन इंग्लैंड गोल अंतर बेहतर होने से सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है, जबकि भारतीय टीम को क्रॉस ओवर मैच खेलना होगा।

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में स्पेन के खिलाफ 2-0 की जीत से शुरुआत की थी, इसके बाद टीम को इंग्लैंड से गोलरहित ड्रॉ खेलना पड़ा। इसके बाद वेल्स को हराकर भारतीय टीम एक बार फिर जीत की पटरी पर लौट आई है। वेल्स के खिलाफ भारत ने 4-2 से जीत दर्ज की। मैच में भारत के लिए आकाशदीप सिंह ने दो गोल दागे, वहीं शमशेर सिंह और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक-एक गोल दागा। वेल्स की ओर से जैकब ड्रेपर और फ्लॉग गैरेथ ने एक-एक गोल किया।

मैच में पहला गोल शमशेर सिंह ने 22वें मिनट में किया, वहीं आकाशदीप सिंह ने 33वें मिनट में गोल किया। इसके बाद वेल्स ने 43 और 45वें मिनट में गोल दाग कर बराबरी की, लेकिन आकाशदीप ने एक और गोल कर भारत को फिर बढ़त दिलाई। मैच के अंतिम क्षणों में हरमनप्रीत ने गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

- **क्रॉस ओवर मैच में भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा।**
- **इस मैच के विजेता को क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम से मुकाबला खेलना होगा।**

एक्सेलसन ने लगातार दूसरी बार जीता मलेशिया ओपन खिताब

क्वालालंपुर, डेनमार्क के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने मलेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। एक्सेलसन ने लगातार दूसरी बार यह खिताब जीता है। एक्सेलसन ने वर्ष 2022 में भी मलेशिया ओपन में जीत दर्ज की थी। इस वर्ष टूर्नामेंट के फाइनल में एक्सेलसन ने जापान के युवा शटलर कोडाई नाराओका को आसान मुकाबले में 21-6, 21-15 से हराया।

एक्सेलसन ने मैच के पहले गेम में नाराओका को संभलने का मौका भी नहीं दिया और 21-6 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में नाराओका ने एक्सेलसन को टक्कर देने की कोशिश की, लेकिन एक्सेलसन ने अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए नाराओका को 21-15 से हराकर मलेशिया ओपन में जीत दर्ज की।

महिला वर्ग में यामागुची बनीं विजेता

मलेशिया ओपन में महिला वर्ग में जापान की अकाने यामागुची विजेता बनीं। यामागुची ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में दक्षिण कोरिया की आन से यंग को बेहद रोमांचक मुकाबले में 12-21, 21-19, 21-11 से हराया। मैच के पहले गेम में यामागुची लयहीन नजर आईं। यंग ने यामागुची के खिलाफ शुरुआत से बढ़त बनाई और गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में यामागुची ने शानदार पलटवार किया। इस गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में यामागुची ने बेहद कम अंतराल से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में यामागुची ने यंग को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और खिताब पर कब्जा जमाया।

- **एक्सेलसन ने वर्ष 2022 में विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप का खिताब भी जीता है।**
- **एक्सेलसन के बैडमिंटन कैरियर का यह आठवां सुपर सीरीज खिताब है।**

स्पेनिश सुपर कप

बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 14वीं बार जीता खिताब

जेद्दाह, बार्सिलोना ने स्पेनिश सुपर कप का खिताब अपने नाम किया है। बार्सिलोना ने सउदी अरब में खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल मैच में रियल मैड्रिड को 3-1 से हराया। बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 14वीं बार स्पेनिश सुपर कप जीता है। बार्सिलोना की जीत के हीरो मिडफील्डर गावी रहे। गावी ने मैच में एक गोल किया और दो गोल असिस्ट किए।

बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में रियल वेटिस और रियल मैड्रिड ने वेलेंसिया को हराकर फाइनल मुकाबले में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर की उम्मीद थी, लेकिन मैच में बार्सिलोना ने प्रभावी प्रदर्शन से रियल मैड्रिड पर दबाव बनाये रखा। बार्सिलोना ने मैच में शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच का पहला गोल 33वें मिनट में

हुआ। बार्सिलोना के गावी ने रियल मैड्रिड के डिफेंस को भेदते हुए शानदार गोल दागा। इसके बाद मैच के 45वें मिनट में गावी के पास पर रॉबर्ट लेवानडोवस्की ने गोल कर बार्सिलोना की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले हाफ तक स्कोर 2-0 से बार्सिलोना के पक्ष में रहा।

दूसरे हॉफ में भी बार्सिलोना ने अपनी आक्रामक रणनीति को बरकरार रखा। बार्सिलोना के लिए तीसरा गोल पेड्री गोंजालेज ने 69वें मिनट में किया। इस गोल को भी गावी ने असिस्ट किया। बार्सिलोना की 3-0 की बढ़त से रियल मैड्रिड की टीम अंत तक उबर नहीं पाई। हालांकि रियल मैड्रिड के लिए करीम बेंजेमा ने इंजरी टाइम (90+3 मिनट) में गोल किया, लेकिन वे अपनी टीम की वापसी नहीं करा सके।

बार्सिलोना के कोच जावी ने खिताबी जीत के बाद कहा कि हमारा क्लब लियोनेल मेसी के पेरिस सेंट जर्मेन में जाने के बाद कुछ मुश्किल दौर से गुजरा है। इस खिताबी जीत से टीम में संकारात्मक ऊर्जा बढ़ेगी।

- **बार्सिलोना ने सबसे ज्यादा 14 बार जीता है स्पेनिश सुपर कप का खिताब।**
- **रियल मैड्रिड ने 12 बार जीता है स्पेनिश सुपर कप।**
- **कोच जावी के साथ बार्सिलोना की यह पहली खिताबी जीत है।**

हैरी ब्रूक बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, इंग्लैंड के युवा वल्लेबाज हैरी ब्रूक को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दिसम्बर 2022 माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। आईसीसी ने इस पुरस्कार के लिए हैरी ब्रूक के अलावा बाबर आजम और ट्रेविस हेड को भी नामांकित किया गया था। ब्रूक को यह पुरस्कार पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिया गया है। इस सीरीज में ब्रूक ने 3 मैचों में सबसे ज्यादा 468 रन बनाये और इंग्लैंड को 3-0 से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस सीरीज में ब्रूक ने तीनों मैचों में शतक बनाये हैं। महिला वर्ग में ऑस्ट्रेलिया की एलेसे गार्डनर को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। गार्डनर ने चाली डीन और सूजी बेट्स को पछाड़कर यह पुरस्कार हासिल किया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

ईरान, रूस और भारत के बीच बन रहा व्यापार मार्ग

भारत और रूस की दोस्ती की मिसाल दुनिया देती रही है। अब यह दोस्ती और मजबूत होने जा रही है। रूस से ईरान के रास्ते भारत तक व्यापार मार्ग तैयार हो जाने के बाद यह तीनों ही देश अमेरिकी प्रतिबंधों से बचते हुए आपस में आसानी से व्यापार कर सकेंगे। इस रास्ते के बन जाने से भारत यूरोप को बाइपास करते हुए रूस से व्यापार कर सकेगा। इस नए ट्रेड रूट से भारत और रूस के बीच पहुंचने वाले सामान के समय में बहुत कमी आ जाएगी। ईरान ने अपने देश में 3300 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन पर तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। एक ईरानी अधिकारी ने बताया कि इस रेलवे लाइन का 560 किलोमीटर हिस्सा इस साल मार्च तक बनकर तैयार हो जाएगा। इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद देश का रेलवे नेटवर्क 20 फीसदी बढ़ जाएगा। इसी तरह से 6000 किलोमीटर लंबे हाइवे पर भी तेजी स काम चल रहा है।

अग्निवीरों का पहला बैच

हमारे सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों सेवाओं के उन अग्निवीरों के पहले बैच को संबोधित किया, जिन्होंने अपना बुनियादी प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इस पथ-प्रदर्शक अग्निपथ योजना के अग्रणी होने पर अग्निवीरों को बधाई दी। उन्होंने इस बारे में प्रकाश डाला कि यह परिवर्तनकारी नीति हमारे सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने और उन्हें भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक 'गेम चेंजर' साबित होगी। प्रधानमंत्री ने इस बात की पुष्टि की कि युवा अग्निवीर सशस्त्र बलों को और अधिक युवा और तकनीकी रूप से व्यवहारिक बनाएंगे। अग्निवीरों की क्षमता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी भावना सशस्त्र बलों की वीरता को दर्शाती है, जिसने सदैव राष्ट्र के झंडे को ऊंचा रखा है। उन्होंने कहा कि इस अवसर से उन्हें जो अनुभव प्राप्त होगा, वह जीवन भर उनके लिए गौरव का स्रोत सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भारत एक नए जोश से भरा हुआ है और हमारे सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में युद्ध लड़ने के तौर-तरीकों में बदलाव हो रहा है। संपर्क रहित युद्ध के नए मोर्चों और साइबर युद्ध की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीकी रूप से सक्षम सैनिक हमारे सशस्त्र बलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से युवाओं की वर्तमान पीढ़ी में यह क्षमता है, इसलिए अग्निवीर आने वाले समय में हमारे सशस्त्र बलों में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि यह योजना किस प्रकार महिलाओं को भी अधिक सशक्त बनाएगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि किस प्रकार महिला अग्निवीर नौसेना का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह तीनों सेनाओं में महिला अग्निवीरों को देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने सियाचिन में तैनात की गई महिला सैनिकों और आधुनिक लड़ाकू विमानों को चलाने वाली महिला पायलटों का उदाहरण देते हुए उल्लेख किया कि किस प्रकार महिलाएं विभिन्न मोर्चों पर सशस्त्र बलों का नेतृत्व कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती से उन्हें विविध अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और उन्हें विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों तथा जीवन जीने के तरीकों को भी सीखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीम वर्क और नेतृत्व कौशल का सम्मान उनके व्यक्तित्व में एक नये आयाम का सृजन करेगा।

उन्होंने अग्निवीरों का अपनी पसंद के क्षेत्र में अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करते हुए नई चीजों को सीखने के लिए उत्सुक बने रहने का आह्वान किया। युवाओं और अग्निवीरों की क्षमता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने यह कहते हुए अपना संबोधन समाप्त किया कि आप ही हैं जो 21वीं सदी में राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान करने जा रहे हैं।

- **प्रधानमंत्री ने अग्निवीरों से कहा कि वे इस अवसर का उपयोग विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बारे में अधिक से अधिक जानने के लिए करें।**
- **संपर्क रहित युद्ध के नए मोर्चों की चुनौतियों के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीकी रूप से सक्षम सैनिक हमारे सशस्त्र बलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।**
- **यह परिवर्तनकारी नीति हमारे सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में एक 'गेम चेंजर' सिद्ध होगी।**

आईएनएस सिंधुरत्न

नॉर्वे के रास्ते भारत आएगी

पिछले काफी महीनों से भारत की पनडुब्बी आईएनएस सिंधुरत्न रूस में फंसी हुई है। यह पनडुब्बी अपग्रेडेशन के लिए रूस गई थी, लेकिन जंग की वजह से वहीं अटककर रह गई थी। अब इसी पनडुब्बी को भारत वापस लाने की तैयारियां जारी हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो अब नॉर्वे के रास्ते यह पनडुब्बी भारत आएगी। आईएनएस सिंधुरत्न को दिसंबर 1988 में नौ सेना में शामिल किया गया था।

यह वही पनडुब्बी है जो साल 2014 में हादसे का शिकार हो गई थी। एक युद्धाभ्यास के समय इस पनडुब्बी पर आग लग गई थी। यह हादसा आईएनएस सिंधु रक्षक पर हुए हादसे के ठीक बाद हुआ था। हादसों की वजह से आईएनएस सिंधुरत्न के साथ चार और किलो क्लास की पनडुब्बी को मीडियम रीफिट के लिए रूस भेजने का फैसला किया गया। इस रीफिट के लिए भारत और रूस के बीच 700 मिलियन डॉलर की एक डील साइन हुई थी। भारत ने रूस के साथ 10 पनडुब्बियों का सौदा किया था। साल 1986 से 2000 के बीच पनडुब्बियां भारत को मिली थीं। जुलाई 2021 में भारत ने पनडुब्बी आईएनएस सिंधुध्वज को रिटायर कर दिया था।

जो बाइडेन ने जॉर्जिया के लिए आपदा घोषणा को मंजूरी दी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जॉर्जिया प्रांत में आए भयंकर चक्रवातीय तूफान के परिप्रेक्ष्य में आपदा घोषणा की मंजूरी दे दी है।

व्हाइट हाउस ने जारी एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने जॉर्जिया की स्थिति को एक बड़ी आपदा घोषित कर दिया है।

ड्रोन जैमर के जरिये तस्करी से निपट रहे : सेना प्रमुख

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि जम्मू और पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन के जरिए हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए ड्रोन जैमर का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेना और अन्य सुरक्षा बल इन कोशिशों को नाकाम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

- **15 जनवरी को हर साल मनाया जाता है सेना दिवस।**
- **भारत इस साल 75वां सेना दिवस मना रहा है।**
- **11 भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल मित्र राष्ट्रों के साथ संबंध मजबूत कर रहे हैं अभी।**

जनरल मनोज पांडे ने सेना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा ध्यान सद्भावना पैदा करने और विकास से जुड़ी परियोजनाओं को पूरा करने पर भी है। इसके माध्यम से हम स्थानीय आबादी को मुख्यधारा में ला सकते हैं। इसके तहत प्रभावशाली युवाओं को उनकी पसंद के पेशेवर क्षेत्रों और खेलों में अपने सपनों को पूरा करने के अवसर दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता के जरिये विकास हमारा नया मंत्र होगा। हमें विश्वास है कि सेना भारत में बने आधुनिक हथियारों के जरिये भविष्य के युद्ध लड़ेगी और जीतेगी।

जनरल पांडे ने अग्निपथ योजना को मानव संसाधन विकास में ऐतिहासिक और प्रगतिशील कदम बताते हुए कहा, हमने भर्ती प्रक्रिया को स्वचालित कर दिया है। भर्ती के दौरान हमें देशभर के युवाओं से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

सेना प्रमुख ने पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि स्थिति में सुधार हुआ है। सेना ने हिंसा को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। कई उग्रवादी समूहों ने सरकार के साथ शांति समझौता कर लिया है।

सेना प्रमुख ने कहा, भारतीय सेना अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिसमें हमारे प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं। इससे हमारे मित्र राष्ट्रों के 3,000 से अधिक अधिकारी और कर्मी लाभान्वित हुए हैं। हमारे 11 भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल मित्र राष्ट्रों के साथ संबंध मजबूत कर रहे हैं। आठ शांति मिशन में 5,800 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों को तैनात किया गया है।

सूडान में हिंसक समूहों से निपटेंगी भारतीय महिला सैनिक

केवल महिला सैनिकों से बना भारत का सबसे बड़ा सैन्य दस्ता संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत सूडान के हिंसाग्रस्त नगर अबयेई में तैनात किया गया है। दुनिया के बेहद अशांत क्षेत्र में यह तैनाती हुई है। हिंसक समूहों के 200 लोगों ने चार जनवरी को ही एक गांव में हमला कर 13 लोगों की हत्या कर दी थी।

यूएन में भारत के स्थायी मिशन के अनुसार भारतीय दस्ता अबयेई पहुंचा। इनमें दो सैन्य अधिकारी और अन्य रैंक के 25 सैनिक शामिल हैं। भारतीय सेना ने बताया कि यूएन के अंतरिम सुरक्षा दल के तहत यह सैनिक कड़ी चुनौती भरे हालात में सुरक्षा संभालेंगी। खासतौर पर उन लोगों के बीच जाकर काम करेंगी जो बीते काफी समय से हिंसा से गुजर रहे हैं। इन हिंसा पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे ज्यादा हैं। तैनाती के लिए इन सैनिकों के भारत से प्रस्थान पर गर्व जताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि नारी शक्ति के यूएन शांति मिशन में शामिल होने पर बेहद खुशी हो रही है।

कड़ी चुनौती से भरा मिशन

यह मिशन बेहद चुनौतीपूर्ण है। अबयेई में आधुनिक हथियारों से लगातार हमले हो रहे हैं। स्थानीय समुदायों में दुश्मनी से कई कट्टरपंथी गुट बन गए हैं, जो हमले कर रहे हैं। वहीं, यूएन मिशन में शामिल भारतीय महिला सैनिकों को पूरी दुनिया में बेहद सम्मान मिलता है।

साल 2007 में पहली बार भारत ने केवल महिला सैनिकों का सैन्य दस्ता पश्चिमी अफ्रीकी देश लाइबेरिया में तैनात किया था।

नेपाल में क्रैश हुए प्लेन का ब्लैक बॉक्स मिला

यति एयरलाइंस के दुर्घटनाग्रस्त विमान के दोनों 'ब्लैक बॉक्स' बरामद कर लिए गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। एटीआर-72 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें चालक दल के चार सदस्यों समेत 72 लोग सवार थे। हिमालयी राष्ट्र में पिछले 30 से अधिक वर्षों में हुआ यह सबसे घातक विमान हादसा है। 'यति एयरलाइंस' के प्रवक्ता सुदर्शन बारतौला ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान के 'ब्लैक बॉक्स' मौके से बरामद कर लिए गए हैं। उन्हें नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएएन) के हवाले कर दिया गया है।

नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएएन) के अनुसार, के ९ एन-एएनसी एटीआर-72 विमान ने काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते वक्त विमान

पुराने हवाई अड्डे और नए हवाई अड्डे के बीच सेती नदी के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि खोज एवं बचाव दल ने तलाश अभियान शुरू किया था। 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर' और विमान 'डेटा रिकॉर्डर' दोनों बरामद कर लिए गए।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- राघवेन्द्र कुमार सिंह, मुद्रक- राघवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मेसर्स डी.वी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।